

प्राधिकार स प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 2 9]

नई विल्ली, शनिवार, जुलाई 19, 1980 (आषाढ़ 28, 1902)

No. 29]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 19, 1980 (ASADHA 28, 1902)

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च म्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 20 जून 1980 सं०ई-32015(1)/1/80-कार्मिक-राष्ट्रपति, श्री बलगज भेहता, श्रीन सलाहकार, के० श्रौ० सु०व०, को उप महानिरीक्षक (श्रीम) नियुक्त करते हैं जिन्होंने 19 जून, 1980 के श्रपराह्न से उक्त पत्र का कार्यभार संभाल लिया।

> (ह०) अपठनीय महानिरीक्षक के० ग्रौ० सु० व०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 जुन 1980

सं० 11/43/80-प्रशा०-I— राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेण, शिमला में जनगणना कार्य निदेशालय में कार्यालय ग्रश्लीक्षक के पद पर कार्यरत श्री दीनानाथ शर्मा को उसी कार्यालय में दिनांक 7 जून, 1980 के पूर्वाह्म में एक वर्ष की संविध के लिए या जब

तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो पूर्णत: ग्रस्थायी ग्रौर सदर्थ ग्राधार पर सहायक निदेशक जन-गणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

उपरोक्त पद पर तबर्थ नियुक्ति श्री शर्मा को सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी । तबर्थ तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता श्रीर श्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तबर्थ नियुक्ति को सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बनाए रह किया जा सकता है।

दिनांक 27 जून 1980

सं० 10/40/79-प्रणा०-I--राष्ट्रपति, स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य णिक्षा ब्यूरो में स्वास्थ्य णिक्षा ब्यूरो में स्वास्थ्य णिक्षा प्रधिकारी के पद पर कार्यरत डा० एम० श्रार० महता को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 16 जून, 1980 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेणों तक, श्रस्थायी क्षमता में सीधी भर्ती के तौर पर, वरिष्ठ श्रनुसंधान श्रधिकारी (सामाजिक श्रध्ययन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. डा० मेहता का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/49/79-प्रणा०-I—-राष्ट्रपति, दिल्ली प्रणासन के प्रधिकारी श्री श्रणरफी लाल को दिल्ली में जनगणना कार्य निदेणालय में नारीख 9 जून, 1980 के पूर्वाह्म से ग्रगले श्रादेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा सहायक निदेणक जनगणना कार्य के पद पर सहर्प नियुक्त करते हैं।

श्री श्रशरकी लाल का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 30 जून 1980

सं० 11/42/80-प्रशा०-I--राष्ट्रपति, गृह मंत्रालय के के० स० ग्रा० से० (सी० एस० एस० एस०) के ग्रेड "क" के ग्रिधकारी श्री प्रेम नरैनी को महाराष्ट्र, बस्बई में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 9 जून, 1980 के पूर्वीत से एक वर्ष की ग्रवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री नरैनी का मुख्यालय बम्बई में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

(श्रार्थिक कार्यविभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 25 जन 1980

नस्ती क्रमांक बी एन पी/सी/5/80—प्रधोहस्ताक्षरकर्ती निम्नलिखिस स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षकों (स्याही कारखाना) को नियमिन प्राधार पर स्थानापन्न रूप सं तकनीकी ग्रधिकारी (स्याही कारखाना) के पद पर रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह "ख" राजपितति) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक 17-5-1980 (पूर्वाह्न) ने श्रागामी प्रादेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं :---

- 1. श्री जे० एन० गुप्ता
- 2. श्री श्ररुण कुमार इंगले

विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा लिये गये निर्णयानुसार उन्हें गुणानुकम में दर्शाया गया है।

दिनांक 26 जून 1980

फा॰ सं॰ बी एन पी/सी/ 5/80—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिमूचना दिनांक 1-4-80 के अनुक्रम में श्री आर॰ सी॰ अग्रवाल की तकनीकी अधिकारी (मुत्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि उन्हीं शतौं पर दिनांक 25-6-80 से आगामी तीन माह के लिये या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम, महाप्रबन्धक

होशंगाबाद, दिनांक 17 जून 1980

सं पीडी/3/3108—इस कार्यालय के श्रिधसूचना कमांक पी० डी॰ 3/2479, दिनांक 3-6-1980 के श्रागे श्री एस० के॰ श्रानन्द, सहायक कार्य प्रबन्धक की स्थानापन्त ग्रविध श्री पी० पी० शर्मा सहायक कार्य प्रबन्धक के श्रवकाश रिक्त स्थान पर दिनांक 4-7-1980 तक बढ़ाई जाती है।

श॰ रा॰ पाठक, महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 जून 1980

सं० 1173, ए-प्रणासन/130/79-80—न्यार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त करने पर श्री ए० एस० रंगनाथन, श्रस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी, विनांक 31-5-1980 (श्रपराह्म) लेखा परीक्षा सेवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

> के० बी० दास भौमिक, संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

रक्षा मंत्रालय भारतीय श्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा श्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 11 जून 1980

सं० 37/80/जी०—राष्ट्रपतिजी निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को सहायक प्रबन्धक (परखाविध) के पद पर उनके सामने दर्णायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

 1. श्री एस० एफ० कुटिनहो
 16 जुलाई, 1979

 2. श्री एन० एच० एस० ग्रहमद
 26 दिसम्बर, 1979

 3. श्री एस० सी० बाजपाई
 31 दिसम्बर, 1979

 4. श्री ग्रब्दुल हमीद
 21 फरवरी, 1980

 5. श्री ग्रार० के० गर्मा
 5 ग्रप्रैल, 1980

सं० 38/80/जी०--राष्ट्रपतिजी, निम्निलिखित श्रिधिकारियों को श्रम्थायी सहायक प्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:---

श्री एम० के० मिश्रा
 श्री जी० मोहन सिंह
 श्री बी० एल० पाथारिया
 श्री बी० एल० पाथारिया
 त्रिक्षा जनवरी, 1980

दिनांक 12 जून 1980

सं० 39/80/जी०—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों को सहायक प्रबन्धक (परखावधि/अस्थार्या) के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:— परखावधि

 श्री विनोद कुमार सिंह 30 मार्च, 1979 (संदर्भ : ई०एस० ई० 1977)

2. श्री रिव गंकर	26 दिवम्बर, 1979
(सन्दर्भः श्राई० ए० एस०	
इत्यादि , परीक्षा) 1978	

 श्री मदन गोपाल कमबोज 9 जनवरी, 1980 (सन्दर्भ : ई० एस० ई० 1978)

अस्थायी

4. श्री म्वेत चन्द्र	29 भ्रक्तूबर, 1979
 श्री मुरेण चन्द्र 	22 जनवरी, 1980
6. श्री उमेश स क्सेना	27 श्रगस्त, 1979
 श्री जगदीस मोहन सक्सेना 	29 जून, 1979
 श्री गेन्दा लाल शेरोमनी 	2 नवम्बर, 1979
 श्री नामदेव शाहु बोरेकर 	17 सितम्बर, 1979
10 श्री प्रदीप विश्वास	21 जनवरी, 1980

(क्रम संख्या 4-10-संदर्भ यू०पी०एस०सी० सं० एफ० 1/329/78/आर० डी० दि० 7-10-78)

दिनांक 20 जून 1980

सं० 41/80/जी०—-राष्ट्रपति महोदय, श्री महेणगुप्ताको सहायक प्रबन्धक (परखाविध) । प्रशासन के पद पर दिनांक 16-1-1980 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं।

सं० 42/80/जी०—-राष्ट्रपति महोदय, श्रीबी० के० मर्मा को सहायक प्रबन्धक (परखावधि)/इन्जीनियरिंग के पद पर, दिनांक 28-1-1980 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं।

> वी० के० मेहता सहायक महानिदेशक, फैक्टरियां भ्राईनेन्स

उद्योग मंद्रालय

(ग्रोबोगिक विकास विभाग)

विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 जून 1980

सं० 12/623/69-प्रशासन (राजप वित्त) — श्री बी० एम० शर्मा ने दिनांक 1 मई, 1980 (पूर्वात्व) से लब् उद्योग सेवा संस्थान, इन्दौर के सहायक निदेशक, ग्रेंड-I (श्रौद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. प्रशासन व लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए श्री बी॰ एम॰ गर्मा की सेवाएंदिनांक 1 मई, 1980 (पूर्वाह्न) से इंडियन इन्वेस्टमेंट सेंटर, भीषाल को सींप वी गई हैं।

सं० ए-19018/117/73-प्रशा० (राजगित्रत) — राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर के श्री एम० रामकृष्णन सहायक निदेशक, ग्रेड-[(इलेक्ट्रानिक्स) को दिनांक 19 मई, 1980 (पूर्वाह्म) से श्राले श्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में उप-निदेशक (इलेक्ट्रानिक्स) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं॰ ए-19018 / 321 / 77-प्रशासन-(राजपित्रत) ---राष्ट्रपति जी, श्री एस॰ एस॰ भोसरेकर का लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बर्ध के उप-निदेशक (धातुकर्म) के पद सेत्याग पत्र दिनांक 10 अप्रैल, 1980 (अपराह्म) से स्वीकार करते हैं।

> महेन्द्र पाल गु**प्**त उप-निवेशक (प्रशा०)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 26 जून 1980

सं॰ ई॰-11(७)—इस विभाग के ग्रधिसूचना सं०ई० 11(७), दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 6 प्रभाग-3 के ग्रधीन "सिसमिक इलेक्ट्रीक डिटोनेटर्स" प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाये, ग्रथित:

- 1. "सुपर प्लोन डिटोनेटर्स (सं० 8 स्ट्रेन्ग्थ)"।
- 2. "सुपर इलेक्ट्रीक डिटोनेटर्स (सं० 8 स्ट्रेन्ग्थ)"।

सं० ई-11(7)——इस विभाग की ग्रिधिसूचना सं० ई-11(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 3 प्रभाग-1 के ग्रधीन "प्रचण्ड" प्रविष्टि के पश्चात "प्रचार, प्रगल्प ग्रौर प्रकाश" जोड़ा जाये।

> इंगुव नरसिंह मूर्ति मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 26 जुन 1980

सं० ए-19011 (208) / 78-स्था० ए० — संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री गुराचारी कनिष्ठ खनन इंजीनियर, को दिनांक 20-3-1980 पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियन्त्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 28 जून 1980

मं० ए-19011(253)/78-स्था० ए०—भी एम० श्रार० काटे, सहायक खान नियन्त्रक (तार्थ प्राधार पर), भारतीय खान बरूरों को दिनांक 11-4-1980 (पूर्वाह्म) से आगामी श्रादेश होने तक "मूल नियम 30" तन्निम्न नियम के अधीन भारतीय खान बरूरों में सहायक खनन इंजीनियर के पद पर प्रोकार्मा पवीन्नति प्रदान की गई है।

> एस० व्ही० अली कार्यालय प्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

राष्ट्रीय श्रभिलेखागार

नई दिल्ली-1, विनांक 27 जून 1980

सं० 11-23/79-ए-I--संघ लोक सेवा स्रायोग की सिफारिश पर श्रमिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद्द्वार। श्री श्रानत्द कुमार शर्मा को नियमित अस्थायी श्राधार पर श्रागामी आदेशों तक दिनांक 19 मई, 1980 (म० पू०) से सूक्षमकोटोकार (ग्रुप 'बी' राजपितत) नियुक्त करते हैं।

एस० ए० ग्राई० तिरमिजी श्रमिलेख निदेशक

ग्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1980

सं० 2/2/66-एस० दो----महानिदेशक, ग्राकाशवाणी एतद्-द्वारा श्री एम० वी० ग्रोजारकार, लेखाकार, ग्राकाशवाणी, जलगांव को 5-5-80 (पूर्वाह्म) से प्रशासनिक ग्रीधकारी, ग्राकाशवाणी, जलगांव के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जून 1980

सं० 29/1/76-एपदो०--महानिदेशक, ग्राकाणवाणी एतद्-द्वारा श्री वाई० गैंगी रेड्डी, फार्म रेडियो रिपोर्टर, श्राकाणवाणी, विशाखापट्टनम, को 4-3-80 (पूर्वाह्म) से फार्म रेडियो श्रधिकारी, ग्राकाणवाणी, विशाखापट्टनम के पद पर स्थानापन्त रूप में नियुक्त करते हैं।

विनोक 27 जून 1980

सं० 3/27/62-एस० दो—-महानिवेशक, प्राकाशवाणी एतद्-द्वारा श्री एग० गोविन्दास्वामी, लेखाकार, श्राकाशवाणी, मद्रास को 19-5-80 (पूर्वाङ्ग) से प्रशासनिक श्रधिकारी, श्राकाशवाणी, विजयवाड़ा के पद परस्थानापन्त रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० बी० शेषाद्रि उप-निदेशक (प्रशासन) इसे महानिदेशक

सूचना ग्रीर प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन ग्रीर दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली-1, दिनांक 13 जून 1980

सं०ए-12011/3/78-प्र० (ए)—-विज्ञापन ग्रौर दृश्य प्रचार निदेशक श्री डी० सी० रे को नई दिल्ली स्थित इस निदेशालय में 28-5-1980 (पूर्वाह्न) से श्रगले ग्रादेश तक स्थानापन्न रूप से मुख्य प्रनिष्ट्यकार नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जून 1980

गं० ए-19012/4/71-प्र० (ए)— विज्ञापन ग्रार दृश्य प्रचार निदेशक श्री ग्रमल मुखर्जी को जो इस निदेशालय में स्थायी प्रदर्शनी सहायक है कोहिमा स्थित क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय में 18-2-80 (दोपहर उपरान्त) से तदर्थ श्राधार पर क्षेत्रीय प्रदर्शनी ऋधिकारी नियुवत करते हैं।

> जनक राज लिखी उप-निदेशक (प्रशासन)

रवास्थ्य सेवा महातिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1980

सं० ए० 31014/7/80-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री एच० एम० वर्मा को 17 जून, 1979 से राज-कुमारी अमृतकौर निसंग कालेज, नई दिल्ली में प्रशासन अधिकारी के स्थायी पद परस्थायी आधार परनियुक्त किया है।

> गाम लाल कुठियाला उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक क 28 जून 1980

सं० ए० 19012/3/79-एस० श्राई०—राष्ट्रपति ने श्री सुजीत कुमार सरकार को 19 मई, 1980 के पूर्वाह्न से श्रागती श्रादेशों तक सरकारी चिकित्सा भण्डार डिपो, कलकत्ता में डिपो मैनेजर के पद पर श्रम्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

णिव दयाल उप-निदेशक (प्रशासन)

कृषि श्रीर सिंचाई मंतालय

(खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

वानपूर, दिनांक 17 जून 1980

मं० 19(6)/1881——श्री लल्लन प्रसाद तिवारी वरिष्ठ तकनीकी सहायक की नियुक्ति तदर्थ रूप से कनिष्ठ तकनीकी श्रिधकारी के ग्रस्थायी पद पर ६० 650-1200 के वेतनमान ऋम में राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर में दिनांक 17-6-1980 (पूर्वाह्म) से की जाती है।

> एन० ए० **रामय्या** निदेशक

ग्रामीण पुर्नानर्माण मंत्रालय विभेणन एवं निरीक्षण निवेणालय फरीदाबाद, दिनांक 30 जुन 1980

सं० ए०-19025/26/80-प्र० तृ०—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग-व) की संस्तृतियों के श्रनुसार श्री टी० एस० कुष्णाभूति, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय के श्रधीन कीची। में तारीख 24 मई, 1980 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश

होने तक स्थान।परन सहायक विषणन स्रधिकारी (वर्ग-3) के रूप में नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार निदेशक (प्रशासन) फूते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग (परमाण खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 24 जुन 1980

सं० प० खा० प्र०-1/30/79-प्रशासन---परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक डा० ज्योतिन्द्र नाथ राय को परमाणु खनिज प्रभाग में 2 जून, 1980 के पूर्वाह्म से लेकर प्रगति ग्रादेश होने तक प्रस्यायी खाने सहायक णल्य-चिकित्सक नियम्त करते हैं।

एम० एस० राव बरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा फ्रिधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मंद्रालय (भारत मौलम विज्ञान विभाग) नईदिल्ली-3, दिनौंक 26 जुन 1980

सं0 ई(1) 05409—राष्ट्रपति, डा० सी० श्रार० श्रीधरन, मौसम विज्ञानी ग्रेड-I, भारत मौसम विज्ञान विभाग, को उसी विभाग में 27-3-1980 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश नक स्थानापन्त निदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जून 1980

स० ई(1)05091---राष्ट्रपति, श्री जे० के० णर्मा सहायक मौनम विज्ञानी, भारत मौतम विज्ञान विभाग, को दिनां र 14-5-1980 से आगामी श्रादेण तथ स्थानापन्न मौसम विज्ञानी ग्रेड 1 के रूप में नियुक्त व रते हैं।

दिनांक 28 जून 1980

मं० ए-32014/3/78-स्था०-I----मैं(सम विज्ञान के महा-निवेशक श्री ए० के हंसदा को 12-4-1980 के पुतिह्न से श्रागामी श्रादेशों तक स्थानापन्न महायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करने हैं।

> एस० के ० दास मौसम विज्ञान के अपर महानिदेणक कृते मौसम विज्ञान के महानिदेणक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1980

सं० ए-38015/2/80-ई०एस०---क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता कार्यालय के श्री सी० श्रार० दत्ता, भंडार ग्रधिकारी (समूह 'ख' पद) ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 31 मई, 1980 (ग्रपराह्म) से ग्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 21 जून 1980

सं० ए-32014/3/79-ई० सी०---महानिदेशकः, नागर विमानन ने निम्निलिखित तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक तक्ष्मीकी श्रक्षिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है तथा उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:----

कम नाम स०	वर्तमान तैनाती स्टेशन	स्थानान्तरण के बाद तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
मर्वश्री			
1. एन० के० सेन	रेडियो निर्माण एवं विकास एवक, नर्ड दिल्ली	रेडियो निर्माण एवं विकास एककः, नई दिल्ली	26-5-80 (पूर्वाह्म)
2. एम० तालगतरा	वैमानिक संचार स्टेशन ग्रगर तल्ला	वैमानिक संचार स्टेशन, श्रगरतल्ला ⁸	20-5-80 (पूरिह्य)
3. एम० सी० डे० भौमिक	वैमानिषः संचार स्टेशन, कलकक्षाः।	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	12-5-80 (पूर्वाह्न)
4. ए सी०वत्ता	वैमानिक संचार स्टेणन, कलक सा	वैमानिक संचार स्टेशन, कलक∵ता	15-5-80 (प्रविह्न)

दिनां र 24 जून 1980

सं० ए-32013/5/80-ई० सी०---राष्ट्रपति, ने महा-निदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) के श्री पी० एस० धुन्ता सहायक निदेशक संचार को दिनांक 23-5-80 (पूर्वाह्न) में छ: माह की श्रवधि के लिये उप-निदेशक संचार के ग्रेड में तदर्थ म्राधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें निदेशका, रेडियो निर्माण भौर विकास एकका, सफदरजंग एयर पोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

> सीं० कें।० वत्स सहायक निदेशक (प्रणासन)

विदेश संचार सेवा

बम्बर्ष, दिनांक 23 जून 1980

सं० 1/439/80-स्था०—विदेशसंचार सेवा के महानिवेशक एतद्द्वारा कलकत्ता के पर्यवेक्षक, श्री डी० पी० नामकर को अलाकालीन खाली जगह पर 3-12-79 से 29-2-80 तक की अविधि के लिये एकदम तदर्थ आधार पर उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/42-80-स्था० — विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्दारा बम्बर्ट शाखा के अधीक्षक, श्री के० करणाकरन को अल्पकालिक खाली जगह पर 16-1-80 से 1-3-80 तक की अवधि के लिए एकदम तदर्थ आधार पर उसी शाखा में स्थाना-पन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/42/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के अधीकक तिलक राज को 1ली मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/83/80-स्था० — विदेश संवार सेवा के महानिदेशकः एतद्द्वारा मुख्य कार्यातय, बन्बई के स्थायी परियात लेखाकार, श्री श्र० कु० वर्मा को श्रत्यकालीन खाली जगह पर 7-1-80 से 15-3-80 तक की श्रविध के लिये एकदम तवर्थ शाक्षार पर उसी कार्यात्रय में स्थानापन्त रूप से परियात लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहीत्रा उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादणुरुक एवं सीमाणुरुक समाहर्तालय सीमा णुरुक/स्थापना

मद्रास-1, दिनांक 19 जून 1980

सं० 5/80--श्री सदीण कुमार, को संघ लोक नेवा श्रायोग के उम्मीदवार 13-6-80 के पूर्वाह्न से ग्रगले श्रादेश तक, श्रस्थाई रूप से सीमा गुरुक घर में सीधी भर्ती श्रश्रेसर (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

दिनांक 24 जून 1980

सं० 6/80 → -श्री पी० नमसिवायम को संघ लोक सेवा श्रायोग के उम्मीदवार 19-6-1980 के पृवीह्न से श्रमले श्रादेण तक, श्रस्थाई रूप से सीमा गुरुक घर में सीधी भर्ती श्रप्रैसर (गैर-विशेषत) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परस्ता-धीन काल में रहेंगे।

> एँ० सी० मलदाना सीमा णुल्कः समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनौंक 26 जून 1980

सं० 17/80—श्री बी० के० हुगल ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन गुरुक समाहतिलय कानपुर में महायक समाहति केन्द्रीय उत्पादन गुरुक समाहतिलय कानपुर में महायक समाहति केन्द्रीय उत्पादन गुरुक के रूप में कार्य कर रहेथे, राजस्व विभाग के दिनांक 9-5-80 के ग्रादेश संख्या 58/80-(फा० सं०ए० 22012/3/80-प्रशा०-II) (ग्रंग-II) के द्वारा स्थानान्तरित होने पर, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन गुरुक नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 27-5-80 (पूर्वाह्म) में निरीक्षण ग्रिविकारी (सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन गुरुक) ग्रुप "क" का कार्यभार संभाल लिया।

कु० रेखी निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल भायोग नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1980 शुद्धि पत्र

सं० ए०-19012/726/78-प्रशा०-पांच---भायोग की भ्रिधसूचना सं० ए-19012/726/78-प्रशा०-पांच, दिनांक 5-9-79 के संदर्भ में श्री बसदेय राज, सहायक इंजीनियर की पदीन्नित की तारीख 31-5-78 (भ्रपराह्न) की बजाये 24-5-78 (पूर्वाह्न) पदी जाए ।

जे० के० साहा भ्रवर सचिव

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1980

संव 33/11/78-ई० सी०-9 (भाग-3)—-राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा भ्रायोग द्वारा नामित श्री भ्रार० एव० खोबरागड़े, को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रुपये 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 (सामान्य भलों सहित) के वेतन-मान में रुपये 700/- प्रतिमास वेतन पर सामान्य नियम एवं गतों पर 23-3-79 (पूर्वाह्न) से उत्वास्तुविद् के अस्पायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-ए) नियुवत करते हैं।

 उन्हें इस विभाग में सम्मिलित होने की तिथि से दो वर्ष की मविधि के लिये परीवीक्षा पर रखा जाता है।

संव 33/11/78-ई० सी०-9(खण्ड-3)—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री आर० एम० अप्रवाल को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रुपये 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 (सामान्य भक्तों सहित) के वेतनमान में रुपये 700/- प्रतिमास वेतन पर सामान्य नियम एवं शतीं पर 4-6-80 (पूर्वाह्म) से उपवास्तुविद् के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा मुप-ए) नियुक्त करते हैं। उन्हें इस विभाग में सिम्मिलित होने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए परीवीक्षा पर रखा जाता है।

> के० ए० भ्रनन्तनारायणन प्रशासन उपनिदेशक

पूर्ति एवं पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) मुख्य योग्निक ग्रभियन्ता का कार्यालय पुनर्वास भूमि उद्घार संगठन

माता कैश्य-492015 (रायपुर), दिनांक 20 जून 1980 सं विशेष एफ०/जी ०/18/80-14680-पी०--विस्त मंद्रालय, व्यूरो ऑफ पि क्सिक इन्टर प्राइजिज भारत सरकार नई दिल्ली, विभाग में बरिष्ठ ग्रन्वेषक (रु० 550-900 वेसनमान में) के पद पर नियुक्ति पाने के फलस्वरूप श्री के० गोविन्दा राजू ने पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन माना कैस्प (रायपुर) सांख्यिकीय ग्रियिकारी (रु० 550-900 वेसनमान) के पद का कार्यभार दिनांक 20 जून, 1980 को ग्रपराह्म में छोड़ दिया।

त्रं० प्रं० सक्सेना प्रशासन घ्रधिकारी वास्ते मुख्य यांक्षिक ग्रभियन्ता

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स फेवराइट पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

म्रहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1980

सं० 560/2195 - कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स फेवराइट पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम म्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

कम्पनी मधिनियम, 1956 मौर मैसर्स रिनप सेविंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

म्रहमदाबाद, विमाक 21 जून 1980

सं० 560/2234—कम्पनी मिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के मनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स रिनिप सेविंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम म्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

जे० गो० गाथा प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य श्रहमदाबाद कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्स गार्डेन स्टोर्ज, (ब्रासाम) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

शिलांग, दिनांक 27 जून 1980

मं० जी० पी०/1040/560(3)/1164—कम्पनी अधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स गार्डेन स्टोर्ज आसाम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

> एस० के० भट्टाचार्जी कश्यनियों का रजिस्ट्रार विलोग

कम्पनी ग्रिश्विनियम 1956 ग्रीर वी० ग्रार० सी० वीवर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

वंगलौर, दिनांक 28 जून 1980

सं० 3059/560/80—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर बी० ब्रार० सी० वीवर्स, प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर थी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर कावेरी फिलिम्स लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 28 जून 1980

सं 0 1421/560/80—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रिनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर कावेरी फिलिप्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा भीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 भौर कार इन्डस्ट्रियल प्राडक्ट्स एण्ड जनरल एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अंगलीर, दिनांक 28 जून 1980

सं० 2518/560/80—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कार इन्डस्ट्रियल प्राडक्ट्स एण्ड जनरल एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कस्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर मैसूर श्रायल श्री टिन्स श्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 28 जून 1980

सं० 2570/560/84——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदृद्धारा यह सूचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसूर श्रायल श्रीटिन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रति कूल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर स्पुतनिक लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 28 जून 1980

सं० 1903/560/80--कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्शारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर स्पुतनिक लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रक्षिकूल

कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

> पी० टी० गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार कर्नाटक, बंगलौर

कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-I^J नई दिल्ली, विनांक 19 जून 1980

अ(य-कर

सं० जुरि०-दिल्ली/11/80-81/9925—स्त्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त णक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त श्रन्य सभी शिक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रायकर आयुक्त, दिल्ली-II, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 19-6-80 से निम्नलिखित श्रायकर सिंकल बनाया जायेगा।

कम्पनी सर्किल-25, नई चिल्ली।

एन० एम० राघवन ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-11 निर्दे दिल्ली

प्रकप माई॰ ही॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्राय्क्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बिहार पटना पटना, दिनांक 1 मार्च 1980

निदेण मं० III_{-381}/y र्जन $/79_{-80}$ —-प्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ

भायकर भिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उन्त भिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिला बाजार मूह्य 25,090/-रुपये से भिष्ठिक है

और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 391, वार्ड नं० 1, प्लाट नं० 9, 10, 11, 15, 16, 6, 7 और 8, खाता नं० 11, 14 और 16 है, तथा जो बारहमिसया, थाना गिरिडिह में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रश्नह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर प्रश्वरण लिखित में बास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उनत अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के बायिस्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (क) एसी कियी प्राय या कियी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय कर अग्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाता जाहिए या, खिनाने में सुविधा क स्विए;

मत: धव, उभत मधिनियम की घारा 269भा के मनुबरण में, में, उकत मिबिनियम की घारा 269भा की अपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित क्षक्तियों, मर्थात:→→
2—156GI/80

- 1. श्री कृष्ण इनवेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेश सर्किल 13 श्रोल्ड कोर्ट हाउम, स्ट्रीट, कलकत्ता। (श्रन्तरक)
- मैसर्स राव माइका माइके नाइट कम्पनी द्वारा पार्टनेंस,
 श्री नन्द किंगोर राम एवं श्री ग्रगोक राम पिता—-श्री रामे-श्वर राम, सिकल गिरिडिह जिला गिरिडिह। (ग्रंतरिनी)
 - 3. म्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके मधिमोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त ग्रधिनियम के ग्रब्माय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं ग्रथं होगा जो उस ग्रभ्याय में दिया गया है।

अनुसची

परती जमीन जिसका रकवा 1.73 एकड़ चारवीवारी तथा एक कुन्नां सहित मौजा बारहमसिया जिला गिरिडिह में स्थित है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1-5577 दिनांक 27-10-1977 में वर्णित हैतथा जो सब-रजिस्ट्रार श्राफ एम्यो-रेंस कलकत्ता ब्रारा निबंधित है।

> ज्योतींद्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीण) श्रर्जन रेंज, **बिहार,** पटना

तारी**ख**:13-1980।

प्ररूप ब्राई० टी० एन०एस०-----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 3 मई 1980

श्रादेण संख्या राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/706—श्रतः मुझे, एम० एल० चौहान आयक्तर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के स्थीन सक्त ग्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि

प्रधीन सजन गिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ए० से अधिक है

भाधक ह

भौर जिसकी सं० मकान नं० 21 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 15-10-1979।

को पूर्वोक्श संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिथों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नितिका उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्यान नहीं किया गया है:—

- (ह) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, खिपाने के सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उका श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निश्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :--

- श्री हैमन्त कुमार बाफना पुत्र श्री तेज सिंह बाफना, और (श्रन्तरक)
- 2. पूनम बाबेल पुत्री श्री चन्द्र मिह, डी-462, भूपालपुरा, उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूनना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्ही करण: --- इतमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उत्तत श्रिधिनयम के श्रव्याय 20-क में परिकाषित है, बही श्रथं होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति जो प्लाट नं० 21 पर स्थित है का भाग, क्रेंसेहपुरा, उदयपुर जो उप पंजियक उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2662 दिनांक 15-10-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर

ता**रौख 3**-5-1980। मोहर: प्ररूप बाई० टी• एन• एस•----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ष(1) के ग्रजीन मूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 मई 1980

न्नादेश संख्या राज०/सहा० न्ना० अर्जन/707—न्नतः मृझे, एम० एल० चौहान भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

सायकर आधानयम, 1961 (1961 का क3) (जिस क्सम इसके पश्चात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- क्पए से मिंक है

ग्रीर जिसकी सं मकान नं 21 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय अया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में शस्त्रिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियन के अशीन कर देने के भग्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए भौर/या;
- (ख) ऐसो किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों हो, जिन्हें मारतीय प्रायकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधितियम, या धन-कर ग्रंधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, ग्रव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-य के प्रनुसरम में में, उन्त प्रधिनियम की मारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन, निम्तलिखित व्यक्तियों, प्रधीत !---

- नरेन्द्र बाफना पुत्र श्री तेज सिंह बाफना निवासी इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- श्री दीपक बाबेल पुत्र श्री चन्दर सिंह बाबेल, डी-462, भूपालपुरा, उदयपुर। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :~

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियो १९ सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीरत व्यक्तियों म से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की शारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनकद किसी प्रत्य आंधत द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के भाग निश्चित में किए जा सकें।

श्पव्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में ि। गमा है।

अपुसूची

प्लाट नं० 21 एवं दुकान नं० 4 श्रीर 5 की सम्पत्ति का भाग जो फतेहपुरा, खदयपुरा में स्थित है श्रीर उप पंजिब यक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2664 दिनांक 15-10-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पन्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

ना**रीख** : 13-5-19**8**0।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपूर, दिनांक 13 मई 1980

म्रावेश सं० राज०/सहा० म्रा० अर्जन/702—म्रात० मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० भवन है तथा जो जयपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-10-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरपमान प्रतिफल से, एसे एरपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त्रण लिखित में वास्तिवक क्ष से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:---

- 1. ग्ररूणा बाफना पुत्री श्री श्याम सुन्दरलाल बाफना, 7 के 15, जबाहरनगर, जयपुर (भ्रन्तरक)
- 2. श्री विनेश कुमार पुत्र श्री गोपालदासजी खंडेलवाल, निवासी कान्ती चन्द्र रोड, बनीपार्क, जयपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

पार्ट ग्राफ भ्रपर स्टोरी विल्डिंग जो चौमू हाउस, सी-स्कीम, जबपुर में स्थित हैं श्रौर उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2735 दिनांक 30 10-79 पर पंजियद्व विकय पक्ष में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एस० **चौ**हान सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख 13-5-1980। मोहर:

> 269-घ (1) के प्रधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 13 मई 1980

ग्नादेश सं० राज०/महा० ग्रा० ग्रर्जन/७०८─-श्रतः मुझे, एम० एस० चौहान

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका छवित बाजार मूस्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 21 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत अधिक है और धम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है: ~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अध्ययक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, शिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अत्र, उत्रत ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उत्रत अधिनियम की घारा 269-ग की उन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्री प्रलाप सिंह बाफना पुत्र श्री सिरेमल बाफना निवासी, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मनोहर लाल पुत्र श्री कन्हैया लाल एवं श्रीमित लाइजी पत्नि श्री मनोहरलालजी, 107, देवली, उदयपुर। (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप।---

- (क) इस पूजना के राजपंज में प्रकाशन की तारी ख से 4.8 दिन की घविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ज से 30 दिन की मबिंग, जो भी अबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबझ किसी धन्य भ्यनित द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववदीकरण:--इसमें प्रमुक्त गाव्यों और पर्श का, जो उक्त प्रसित्यम के मह्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्च होगा, जो उस मह्याम में विया गया है।

अनुसूची

मकान मं. 21 का भाग, फतेहपुरा, जिला उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा ऋमांक 2668 दिनांक 15-10-1979 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

नारीख: 13-5-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 13 मई 1980

न्नादेश संख्या राज०/सहा० म्ना० म्रर्जन/709---म्नतः

मुझे, एम० एल० चौहान आयकर स्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसे पश्चात 'उकत अधिनियम' जहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 21 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या िहसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:→~

- 1. श्री प्रताप सिंह बाफना पुत्र श्री सिरेमल बाफना नियासी इन्दौर (भ्रन्तरक)
- 2. डा० चन्द्र सिंह बाबेल, डी 62, भूपालपुरा, उदय-पुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उका सम्पत्ति के प्रार्थन के प्रमान हैं तोई भी प्राक्षीप:--

- (ह) इस मुनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रश्रित या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्राधि, जो भी ग्रवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसीव्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूबना ह राजनत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सर्केंग।

स्वब्दो हरण:----इनर्से प्रवृक्त ग्रब्दों ध्रीर पदों का, **घो उक्त प्रधि**-नियम के प्रध्याय 20-क में परिशाषित **है, यही** प्रयंहोगा, जो उन प्रध्याय में विवासया **है।**

अनुस्ची

मकान नं० 21 का भाग, फतेहपुरा, जिला उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2667 दिनांक 15-10-1979 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० एल**० चौ**हान सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, जयपुर

नारी**ख** 13-5-1980 मोहर: प्रकृत १८५० ही० एन० एस०----

आयकर प्रजितियम, 1901 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक, 13 मई 1980

श्रादेश संख्या राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/701—श्रतः मुझे, एम० एल० चौहान आवक्तर सिंदिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रितियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सब्धम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उति। बाजार मूख्य 25,000/- र॰ मं अधिक है श्रोर जिनकी मं० हाउम है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रोर इससे उपाबद श्रन्भुची में श्रोर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 11-10-1979

- को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मून्य से कम के वृष्यमान प्रतिकत्त के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि धया पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिमत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नानिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक कर से कथित नहीं किया गया है :---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आप का किसी घन या ध्रान्म आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का धक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त भिवित्यम को बारा 269-ग के बनुसरण में, में उन्त अधिनियम की घारा 269भ की उपधारा (1) के अधीज, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री श्याम सुन्दर बाफना पुल श्री विष्णुलालजी बाफना निवासी 7 के 15, जवाहर नगर, जथपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित मनफूल देवी पत्नि श्री गोपालदासजी खंडेल-वाल निवासी कान्ती चन्द्र रोड, जयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के जैत के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी वाक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्बन्धि में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति तारा, भ्रषोहस्ताक्षरी के पाय मिखित में किए जा मर्कों।

स्वन्दीकरण:--इमर्वे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अयं होगा, जो जिस अध्याय में विया नया है ।

अनुसूची

तबेला बिल्डिंग के नाम से विख्यात भवन का भाग-4, चौमू हाउस, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2560 दिनांक 11-10-1979 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान, सक्षमप्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 13-5-1980

प्रकप भाई• टी० एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के धंत्रीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षक)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 मई 1980

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/710---श्रत: मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25000/- रु. से प्रधिक है

भ्रौर जिसी सं० मकान है तथा जो जयपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध म्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 24-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की पई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (अंतरकों) और प्रग्तिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, से नि-नलिखित उद्देश्य से उस्त धन्तरण निवित में वास्तिक रूप से कथिश नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधि-नियम के संबोत कर बेने के सन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए और या
- (ख) ऐनी किसी पाय या किसी धन या धन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छवा प्रशिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के स्रनुसरण में, में, उक्त स्रधिनियम की धारा 269-घ की खगधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, स्रथीतः :---

- श्री दलपन सिंह पुत्र श्री ठाकुर ईश्वर सिंह, मेहण्ड-वास हाउम, नेहरु बाजार, जयपुर। (ग्रन्सरक)
- 2. मैसर्म रस्तोगी स्टीलफर्नीचर, 102 नेहरू बाजार, जयपुर द्वारा इसके भागीदार सर्वश्री पवनकुमार, सुरेणकुमार एवं महेण कुमार, जयपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत संत्रति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति हारा;
- (च) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण ।——इनम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, बी उक्त प्रविनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति जो मेहन्दवास हाउस, नेहरु बाजार, जय-पुर, में स्थित है श्रीर उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2660 दिनांक 24-10-1979 पर पंजीबद्ध विकय पन्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० **चौहान** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 14-5-1980 मोहर: प्रकप माई • टी • एत • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

भ्रादेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/728---- ग्रतः मुझे, एम० एल० चौहान, धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख

के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 24-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि अन्तरक (भ्रन्तरकों)भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से पुर्द किसी भाय की बाबत, उदत अधि (यम के अधीन कर देने के अन्तर के बायिस भें कमी करने या उससे बचने में सुविधाके **विष्**र और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिए ने भारतीय था -कर शिविनयम, 1922 (1922 का 11) या वत प्रक्रिनियम, या धन-कर द्याधितियम, 1957 (1957) स 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

- श्रीमती सुतिती राठौड़ पत्नि श्री सी० एस० राठौड़ बी-36, पंचशील एनक्लेव, नई दिल्ली (भ्रन्तरक)
- 2. श्री दयाचन्द्र बीथरा पुत्र श्री चान्दमलजी बीधरा डा० जी० सी० बौथरा, दुर्लभजी भ्रस्पताल, जयपुर (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी कै पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रोपन प्लाट ग्राफ लैण्ड जिसका क्षेत्रफल 198 वर्ग-मीटर है भौर जो भागीरथ कालोनी, जयपुर में स्थित है तथा उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2629 दिनांक 2-10-1979 पर पंजीबद्ध विर्क्तय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण) म्रजन रेज, जयपुर

अत: अब, उवत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) की अभीन, निम्नुित्सित क्यंक्तिमाँ अभित्:---

तारीख: 11-6-1980

मोहर:

3-156GI/80

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) व्ये अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

श्रादेश सं० राज∘/सहा० श्रा० श्रर्जन/729——श्रत: मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रोपन प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-10-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी उराय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृविधः के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1. श्रीमित सुनीती राठौड़ पितन श्री सी० एस० राठौड़ बी-36, पंचशील एनक्लेय नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री किशन कुमार सर्राफ पुत्र स्व० श्री राम गोपाल, लाट नं० सी०-6,भागीरथ कालोनी, जयपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कस्के पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जनुके लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5. दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिहा-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहने अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुत्रुची

226 वर्ग गज का भ्रोपन प्लाट जो भागीरथ कालोनी, जयपुर में स्थित है घौर उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2605 दिनोक 12~10-1979 पर पंजीयद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 11-6-1980।

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 जून 1980

म्रादेश संख्या राज०/सहा० म्रा. म्रर्जन/730—म्रत: मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी-9 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से भ्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण मैं, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) अजोत, तिनालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमित सुनिती राठौड़ पितन श्री सी० एस० राठौड़ बी-36, पंचणील एनक्लेब, नई दिल्ली (मन्तरक)
- 2. श्री नन्द किशोर सराफ पुत्न श्री राम गोपाल, सी-8, भागीरथ कालोनी, जयपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भ्रविध जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशिन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वस किसी श्रम्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्भीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर मदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथे होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी-9, भागीरय कालोनी, जयपुर जिसका क्षेत्रफल 266.65 वर्ग मीटर है तथा जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2611 दिनांक 12-10 1979 पर पंजीबद्ध निक्रय पत्न में भौर विस्तृत रूप से निवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज; जयपुर

तारीख: 12-6-1980

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर मश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1980

मादेश संख्या राज० /सहा० मा० मर्जन—मतः मुझे एम० एल० चौहान क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका जिभत बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से मधिक है, ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भी गंगानगर में, रजिस्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 6 धन्ट्नर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भग्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहुरम से उन्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुईँ कसी पाय की बाबत प्रकत ग्रिश्चित्रयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिय; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या घण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री भगवाना राम पुत्र श्री मोतीराम निवासी 6 ईं० छोटी श्री गंगा नगर (ग्रन्तरक)
- 2. बादर्श गृष्ट निर्माण सहकारी सिमिति लिमिटेड, 79 गोल बाजार श्री गंगा नगर (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किये जा सकेंगे /

रपच्ठी करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

4 बीघा कुषि भूमि, चक 6 ई छोटी, स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर की कालोनी के पीछे, श्री गंगानगर जो उपपंजियक, श्री गंगानगर द्वारा कम संख्या 3140 दिनांक 6-10-1979 परपंजीबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 17-6-1980।

मारत सरकार

‡कार्यात्रय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1980

भावेश सं० राज०/सङ्घा० भा० भर्जन—-भ्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिंधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के मिंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका छित्त बाजार मूल्य 25,000/-क्पण्से मिंधक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्री गंगा नगर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 5-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्त्रिक कप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी पाय की बाबत जक्त प्रधिनियम के प्रधीत कर देने के घ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के निए;

भव: सब, उक्त मिनियम की बारा 269-ग के भनुसरक में, में, उक्त पीप्रनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) अधीन निम्नलिक्ति स्मिक्तिंगं, अर्थात्:—

- 1. श्री भगवाना राम पुत्र श्री मोती राम निवासी 6ई छोटी, श्री गंगानगर (भ्रन्तरक)
- 2. मादर्श गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, 79 गोल बाजार, श्री गंगानगर (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील धे 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त प्रधिनियम के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भयें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6ई छोटी श्री गंगानगर, स्टेट बेंक भ्राफ बीकानेर एन्ड जयपुर के पीछे स्थित 5 बीबा कृषि भूमि जो उप पंजियक, श्री गंगनगर द्वारा ऋम संख्या 3120 दिनांक 5-10-79 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में भ्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-6-1980

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घु(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 20 जून 1980

भादेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/740—-न्नतः मुझे, एमक गुल्ल चौनान

एम० एल० चौहान, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक हैं भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 54 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाजत है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजर्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 24-10-1979

को पूर्वास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारग है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिगत से अधि ह है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिति गें) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

- (क) मन्तर म से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अछि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियन, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपान में खुक्किया के लिए;

अतः, अव, उन्त पितान की बारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त पित्तिगम की घारा 269-त की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

- 1. श्री सुरेन्द्र कुमार मारवाल पुत्र चतुर्भुंज म।रवाल, भगत वाटिका, जयपुर। (भ्रान्तरक)
- 2. श्री परमजीत सिंह ग्राहलू वालिया पुत श्री करतार सिंह ग्राहलू वालिया लालगढ़ हाउस, संसार चन्द रोड, जयपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पंति के अर्थन के संबंब में कोई भी पान्नेप :---

- (क) इस मूचना के राजात में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन की सबित्र या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की सबिद्य जो भी जबिद्य बार में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस पूचना के रामपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में दित-मद्भ किमी अन्य स्थावित द्वारा, अधोत्स्ताकरी के पास लिजित में किए जा सर्वेंगे।

हरडिशेहरगः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अडगाय 20-क में परि-भाषित, है, वही अर्थ होगा को उन यह सम्म में दिया गया है।

अनुसूची

भगत वादिका, सिविल लाईन्स, जयपुर में स्थित प्लाट नं० 54 जो उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2617 दिनॉक 24-10-199 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 20-6-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 जून 1980

भावेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/738---यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

स्मयक्दर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भिधिक है

भौर जिसक सं० प्लाट नं० 9 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) क बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नालिखत उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तिया की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था छिशाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रन, उर्रत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उर्रत अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) अधीन, निम्नलिखित स्पिक्तियों, श्रर्थात्:---

- 1. श्रीमिति णकुन्तला जैन, 2-बी, कोमल स्ट्रीट, कलकत्ता-16 (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमित लाजवन्ती मदन, गुरु नानक पुरा, श्रादश-नगर, जयपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रह्मोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9, एम० ध्राई० रोड, जयपुर पर स्थित सम्पत्ति का 'ग्राउन्ड प्लोर' एवं 'मजीनिन प्लोर' जो रजिस्ट्रार ध्राफ श्रस्पूरेंसेज, कलकत्ता द्वारा क्रम संख्या 5367 दिनांक 12-10-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणिष्ठ है।

> ्म एल**ः चौ**हान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जय**पू**र

तारीख 20-6-1980 मोहर: प्रकृप आद्दे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 जून 1980

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० मर्जन/739—म्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है तथा जो जयपुर में स्थित है (धौर इससे उपाबद धनुसुची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्री-करण ध्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 12-10-1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिस्त व्यक्तियों अर्थात्:—

- ाः श्रीमति णकुन्तला जैन, 2 बी, कोमल स्ट्रीट कलकत्ता-। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित राधा देवी, 32, इन्दिरा कालोनी, बनीपार्क, जयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^ड, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ज्लाट नं० 9, एम० ग्राई० रोड, जयपुर पर स्थित सम्पत्ति का फर्स्ट फ्लोर जो रजिस्ट्रारग्राफ एस्योरेंसेज, कलकत्ता द्वारा क्रम संख्या 5366 दिनांक 12-10-1979 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० एल० **चौ**हान सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज, जयपुर

तारी**ख**: 20-6-1980

भारत सरकार

कार्यात्रम, सहाय हु स्रायक**र स्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 जून 1980

म्रादेश संख्या राज०/सहा म्रा० म्रर्जन/744—म्प्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिस सं० भ्रोपन प्लाट है तथा जो कोटा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसुको में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्द्वीकर्ता भ्रधिकारों के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्रोकर भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 4-10-1979 को

पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथा पूर्विकत समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिसत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्ठि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व मेंंकमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 4—156GI/80

- 1. श्रांमित गुरुको कौर परिन श्रो जगजीत सिंह सेठो, भोमगंज मंडी, कोटा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राम अवतार पुत्र भवानो गंकर, जा, डोगोदवाड, लाडपुरा, कोटा (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: → -इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयें होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

'ग्रोपन प्लाट आफ लैण्ड' क्षेत्रफल 5120 वगफुट जो प्लाट नं० 42 बल्लभनगर कोटा में स्थित है और उपपंजियक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 1271 दिनांक 4-10-1979 पर पंजोबद्ध विक्रय पत्र में ग्रोर विस्तृत रूप से विवर्णात है।

> एम० ए० चोहान सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

तारोख: 30-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 जून 1980

म्रादेश संख्या राज०/महा० म्रा० म्रर्जन/741—म्रातः मुझे, एम० एल० चौहान,

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रौर जिसक सं० भ्रोपन प्लाट है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद श्रनुमुक्त) में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कोटा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीखा 15-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छन से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रतकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रयीतः—

- 1. श्री सूरज प्रकाश महाजन, 183 बल्लभ बाडी, कोटा। (শ্ল-तरक)
 - 2. श्रो ईंश्वर लाल ब्याम, 796 दादााडी, कोटा (ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं हाना जो जस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

600 वर्ग गज श्रोपन प्लाट जिसके ऊपर 27 वर्गमीटर में 2 कमरे बने हैं श्रीर जो उप पंजियक, कोटा द्वारा कम संख्या 1349 दिनांक 15-10-1979 पर पंजाबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारो सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निराक्षण) स्नर्जन, रेंज जयपुर

तारीख: 30-6-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वाखय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, शयपुर

जयपुर, दिनांक 30 जून 1980

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/743--मतः मुझे, एम० एल० चौहान,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रोपन प्लाट है तथा जो कोटा; स्थत है, (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूर्चा; श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है) रिजस्द्वीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय कोटा; रिजस्ट्री-करग्र श्रिधैनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्विपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, भ्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-न की उपद्वारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रांशि;---

- 1. श्रो ग्रार० एस० मेहता, रिटायर्ड चोफ इंजोनियर, वेस्टर्न रेलवे, मेहता निवास, कोटा (श्रन्तरक)
- श्रोमित कुसुम लता परिन श्री चेतन कुमार, सेर-वाला, स्टेशन रोड, कोटा (श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीशर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडनिकरण: - इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उका अि नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

'भोपन प्लाट श्राफ लैण्ड क्षेत्रफल 3087.5 वगफुट जो बार मंदिर स्कूल, कोटा के पास स्थित है और उप पंज्यिक, कोटा बारा कम संख्या 1288 दिनांक 9-10-1979 पर पंज्यिक विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एन० चौडान सक्षम प्राधिकारा महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 30-6-1980

प्रकृप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरोक्षण)

म्मर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 जून 1980

श्रादेश संख्या राज./सहा० श्रा० ग्रर्जन,742-श्रतः मुझे, एम० एल० घौहान

भायकर भिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिष्ठितियम' कहा गया है), को खारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० श्रीपन ज्लाट हैं तथा जो कोटा में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुन। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्रो-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, प्रदर्नाक 9-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है सौर घन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरितों (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अ।य की बाबत उक्त धिवियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का था किया जाना चाहिए का, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सस, सक्त पश्चितियम की बारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त पश्चितियम की बारा 269-थ की उपवास (1) बाधीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अवितः—

- श्रो ग्रार० एस० मेहता पुत्र श्रो बो० एल० मेहता, मेहता निवास, स्टेशन रोड, कोटा (ग्रन्तरक)
- 2. श्रोमित निरमना देवो परिन श्रा राम भरोमा लाल, बाल मन्दिर स्कूल के पास, कोटा (श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्बति के भर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूच । के राजपत्र में अकासन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वीक
 व्यक्तियों में से कियो व्यक्ति धारा:
- (क) इस सूबन के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ग्रारा, धर्धाहुस्ता क्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्रक्ष्वी करणः ----इसमें प्रयुक्त शक्तों और वर्षों का, जो उक्त अधि-नियम के मध्याय 20-क में परिकालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

'श्रोपन प्लाट आफ लैण्ड' क्षत्रद्धत 3087.5 वर्ग फुट जो उप पंजियक, कोटा द्वारा कम संख्या 1289 दिनांक 9-10-1979 पर पंजीबद्ध विकथ पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० एल० चौहान सक्षम श्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 30-6-1980

प्रकार आहे - टी - एन - एन -----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के ब्रहीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 जून 1980

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/745——म्रतः मुझे, एम० एम० चौहान,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 30 है, तथा जो कोटा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कायवेलय कोटा में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाबार मूल्य से कम के बृब्यमान शिक्त ते के लिये भन्तिरित को गई है और मुझे वह विक्वास करने का जारण है कि मबानूर्वोक्त समाति का उचित बाबार मूल्य, उत्तके बृब्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृब्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और मन्तरिणि (अन्तरितयों) के बीच हैसे मन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्न विकित उद्देश्य से उच्त भन्तरण मिथित में बाक्त विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप को बावत खबत स्रधि-नियम के धर्धान कर बने के यन्तरक के दायित्व में कमी करने रा उनसे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या श्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिये था, जिनाने में सुविधा के बिछ;

अतः अब, उन्त पितियम की धारा 26 9-म के अनुबरण में में, उन्त भवितियम की धारा 269-म की उपश्वादा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीत्:---

- 1. हेतराम चौधरी दिलीप सिंह जेलदार, निवासी कोटा वर्तमान 23, विवेकानन्द मार्ग, जयपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमित इन्दरा देवी परिन श्यामा लाल 2. श्रीमित रेखा देवी परिन श्री रूप चन्द सिधी खत्नी, गुमानपुरा, कोटा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किये जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिधाबित हैं, वही धर्य होगा, जो उस धब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

'श्रोपन प्लाट ग्राफ लैण्ड' जिसका क्षेत्रफल 5400 वर्ग फीट है तथा जो प्लाट नं० 20 बल्लम नगर कोटा में स्थित है तथा उप पंजियक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 1365 दिनांक 18-10-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रोर विस्तृत रूप से वियरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर

तारी**ख** 30-6-1980 मोहर: प्ररूप बाई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-घ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्कन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं०ए म्रार-ग/ए० पी० 315/80—81—म्रतः मुझोपी० एल० रूंगटा,

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

भौर जिसकी सं नं 437 परेल डिवीजन है तथा जो फर्गु-सन रोड परेल रोड डि॰ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय बंबई में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन तारीख 29-11-1979
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है
श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग्र की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के स्थीन निम्नुलिखित व्युक्तिसों, अर्थातः—

- श्री रामनाथ सदानंद म्हाले, 3 भालचंद्र हरीशंकर
 म्हाले (3) रंगनाथ भिकेबा म्हाले, (4) महेश खंडेराव
 मंती। (ध्रन्तरक)
 - 2. प्रकाश काटन मिल्स प्राईवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत सूवता के राजात में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की सारी सा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर समास्ति में हितब ब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का. जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टपाय 20क में परिभाषित हैं. वहीं श्रयं होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2269/75 बंबई उप-रिजस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनांक 22-11-1979 को रिज-स्टर्ड किया गया है।

> पी० एल० रूंगटा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 **बम्ब**ई

ता**रीख:** 17-6-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 फरवरी 1980

निदेश सं० बी०जी० भ्रार०/27/79-80--भ्रतः मुझे, गो० सी० गोपाल,

धायकर घिषिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त घिषिनयम कहा गया है), की धारा 269-ख के धिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से घिषक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 31, फूट गार्डन एरिया है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्टूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोब ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रबं, उक्तं ग्रधिनियमं की धारा 269-गं के ग्रनुसरण में, में, उक्तं ग्रिधिनियमं, की धारा 269-मं की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. श्रो फकीर चन्द धवन पुत्र श्री देवी चरण निवासी 7 ग्रेटर कैलाश $^{-1}$ नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. सरदार गुरचरण सिंह पुल श्री मुन्दर सिंह 5-एफ-43-ए, टाऊनशिप फरीदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ध्रर्णन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो
 भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसचो

सम्पत्ति प्लाट नं० 31, फूट गार्डन एरिया (5400 वर्ग गज) फरीदाबाद तथा जिसका श्रौर ग्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांश 5372 तिथि 30-10-1979 में दिया गया है।

> गि० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा: 28-6-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्कन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

निदेश सं० डी० एल० श्राई०/9/79—80-श्रतः मुझे, गो० सी० गोपाल,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि रकबा 11 बीघे बिसवे (11288 वर्ग गज) है तथा को ग्राम सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय देहली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रक्ट्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रिष्टिनियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, धर्णात:—

- 1. मैं० ग्रैटर देहली प्लैनर्स (प्रा०) लि०, 3, शंकर मार्कीट, कनाट सरकस, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री वोरेंद्र भटनागर संस्थान ए-I, गुरद्वारा रोड, एन०डी०एस० ई० पार्ट-1, नई दिल्ली। (ग्रन्तिएती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>ग्रर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति भूमि क्षेत्रफल 11288 वर्ग गज जोिक ग्राम सिकन्दरपुर घोसी तहसील फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता देहली के कार्यालय में रजिस्ट्री नं० 462 तिथि 10-10-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 28-6-1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269व (1) क मधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

निदेश सं० ज॰ डी० धार०/9/79-80--धातः मुझे, गो० सि० गोपाल,

गणकर श्रिशिनयम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की छारा :७७-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर समित्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 535-श्रार/ए है तथा जो माडल टाउन यमुनानगर में स्थित है (श्रीर इससे उराबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जगाधरी में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्ट्रबर 1979

को रूपोबत संगीत के चित बागार मूल्य से कम के दृश्यमान प्राफल के लिए अतरित की गई है घोर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बागार मूल्य, उसक दृश्यगान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से पश्चिक है धौर धन्तर को धिर बन्तरिती प्रमारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्न लाखत छहेण्य से उक्त धन्तरण लिखित में बालाविक रूप स कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त करिय-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दार्थिस्थ में कमी करन या उससे बचने में सुविश्वा के लिए ; और/या
- (ख) एसी किसी भाष या किती घन या अन्य क्षास्तियों को, जन्हें भारताय भाषकर भाधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ताःसी द्वारा जकट नहीं किया गयाचा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लए।

मतः, अतः, उक्त अधिनियमं की घारा 269-गं के अनु-सरगं में, में, उक्त अधिनियमं को धारा 269-यं की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—्रं 5—156GI/80

- 1. (1) श्री मदन सिंह पुत्र श्रीमित लक्ष्मी देवी (2) ग्रलमास लक्ष्मी देवी निवासी 535-ग्रार०/ए, माडल टाउन, यमुनानगर। (ग्रन्तरक)
- 2. दीवान सूर्ज दत्त पुत्र श्री दीवान राम लाल दत्त 535-ब्रार/ए, माडल टाऊन यमुनानगर (ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं

उनत सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामोल से 30 दिन की अविधि, जो भी ध्विधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भ से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाधर मन्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पश्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त श्रिष्टिः नियम के अध्याय 20-क में परिभाति हैं वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भकान नं० 535-म्रार/ए माङल टाउन यमुनानगर तथा जिसका भ्रौर म्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री कमीक 3048 तिथि 3-10-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 28-(+1980

प्रका प्राई० डो० एत० एस०----

भायकर स्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

निदेश सं० जे० डी० मार०/8/79-80-मत: मुझे गो० सि० गोपाल श्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हामें इसके परवात् 'उवत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से मधिक है मौर जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग है तथा जो गढ़ी मुंडो रोड, जगाधरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्या-लय, जगाबरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अस्टूबर, 1979 को पूर्वोक्त अम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के ्ष्यमान प्रतिकृत के तिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरह (ग्रनारकों) भौर ग्रन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे चन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उना अन्तरम निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण ने हुई िहिपी प्राय की वाबत उका प्रधि-नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तते बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किमी भाग या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भागकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रनं, उक्तं प्रधितियमं की धारा 269-मं के धनु-मरण में, में, उक्तं भ्रश्नितियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के भ्रधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, क्याँत:—

- 1. (1) श्री नरेंद्र कुनार गुप्ता पुत्त श्री जय प्रकाश गुप्ता (2) श्री राम सरन पुत्र श्री छित्तर मल निवासी हकीकत नगर, सहारनसुर (3) श्री सुभाष चन्द सचदेवा पुत्ती श्री लेख राम (3) श्री इन्द्रजीन तनेजा (5) मधु बबर पत्नी श्री मदन लाल निवासी, धर्मपुर नगीना। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री वीरेन्द्र कुमार सचदेवा श्री गोबिन्द राम मार्फत मैं० वी॰ के॰ स्टील उद्योग गड़ी मुखा रोड, जगाधरी (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्बत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में रकाशन की त नीख में 45 दिन की श्रविध या तरसंग्रधी कान्तियों पा सूचन की तामीन से 30 दिन की श्राधि, जा भी गाधि बाद में समाप्त होती हो, के भीगर पूर्वीक्त आंत्रतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार न की ग्रारीखरें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव सम्मात में त्रिवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधी स्ताक्षरी के पास लिखिक में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मध्यों और पर्धों का, जो उक्त मधिक निरम के अध्याय 20क में परिमायत है विशे मधी होगा जो उस अधाय में दिया गरा है।

अनुसूची

सम्पत्ति एक फैक्ट्री बिल्डिंग जोकि गढ़ी मुंडा रोड जगा-भरी परस्थित है तथा जितका श्रीर श्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्त्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री कर्नाक 3115 तिथि 8-10-1979 में दिया गया है।

> गों० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोह्तक

तारीख: 28-6-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

का यालिय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज रोहतक

रोहतक दिनांक 28 जून 1980

निदेश सं० डी॰एल॰ माई॰/10/79-80—मत: मुझे गो॰ सी॰ गोपाल,

म्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रिवित्मम' कहा गया है), की द्यारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 42, इन्डस्ट्रियल ऐस्टेट-I, है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहती, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरग से हुई किमी माय की बाबन, धक्त भिधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किती भाष मा किसी धन या श्राप्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उका अधि त्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उका अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:---

- 1. श्रीनिति सत्या बन्ती पत्नि डा॰ धर्म पाल ग्रीन पार्क, श्रम्बाला कैंट । (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० परकैन्द्र फास्टर्नरज (प्रा०) लि० 1/43 डी० एत० एक० इन्डस्ट्रियन एस्टेट फरोदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के ग्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राज्यत्र में प्रकाणन की तारीख ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्व ह किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इनमें प्रयुक्त अन्तों और पदों का, जो सभा अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

सम्पत्ति प्लाट नं० 42 डी०एल० एफ० इन्डस्ट्रियल एस्टेट नं० 1 फरीदाबाद तथा जिसका ग्रौर ग्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ना देइलो कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक नं० 493 तिथि 3-10-1979 में दर्ज है।

> गो० सी० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 28-6-1980

प्ररूप आई। टी। इन। एस।

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन मधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपय से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 92, नई धनाज मंडी है सथा जो हिसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय हितार, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीन तारीख ग्रास्ट्रबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथात्र्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत धिष्ठ है और अन्तरक (धन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितिथों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अप्य या किपी अन या अन्य ग्रास्त्यों को, जिन्हें भारतीय पायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रेसा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुतरण में, में तक्छ अधिनियम की धारा 269-ण की छपेशारा (1) के अजीन, निम्न लेखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्रोनित तुलतां देवी पत्नी मा० मातु राम महाजन निवाती ग्राम खरा तहसील हिसार। (अन्तरक)
- 2. श्री राम दिता नुत्र श्री लेख राम निवासी ग्राम नांगमता तहसील हिसार। (अन्तरिती)

को यह मुनता जारी इरहे पूर्नीरत सम्पत्ति के प्रर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में फोई भी प्राक्षीर⊸-

- (क) इप पूचना के राजपत्न में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इव प्रका के राजगत में प्रकाशन की नारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी पत्य वाक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

हरकटोक्ररग ---इसमें प्रपृक्त गन्दों भीर पत्नों का, जो उन्त भिक्षितियम के श्रष्टयाय 20 -- क में परिभाषित हैं, वड़ो भ्रयं होगा जो उस श्रष्टयाय में विया क्या हैं।

अनुसूची

सम्पति दुकान नं० 92, नई म्रानाज मंडी, हिसार तथा जिता मोर मिक्कि विवरण रिजस्ट्रीकर्ता हिसार के कार्यालय में रिजस्ट्री कर्माक 2487/75-10-79 में दिया गया है।

भों० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज रोहतक,

तारीख: 28-6-1980

प्रकृष धाई । डी । एन । एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ही बार 269-व (1) के सबीत मूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहााक आधकर भागुक्त (निरीक्षण)

ध्वर्तत रेंज II, ध्रहमदाबाद ध्रहमदाबाद दिनांक 30 सई 1980

पी० भ्रार० नं० 934 एकवी 23-7-4/80-81— भ्रतः मुझे एस० सी० परीख, भ्रापकार समितियम । ११६१ (1961 स्त 43) (जिले

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिये इसमें इमके उन्जात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 239-क के अधीन सजय पायिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि प्यावर संरति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-दें के यिक्षक है

भौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 619-1 सीटी एस० टीका नं० 17 (सी० एस० नं० 2167) है तथा जो नटराज सिनेमा के नजरीक, शांत देवी रोड नवसारी, में स्थित है (श्रीर इससे उावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरा अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-10-1979

को निर्मासत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य में कम के दृश्यमान प्रशिनल के निए परास्ति को गई है और मुझे पड्ड विश्वास खरने का कारण है कि प्रयापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परवह प्रतिफल प्रविक्त है और उन्तरक (अन्तरकों और पर्नाती (आक्तरिवा) है बीच ऐसे अन्तरक के निए नय पाया गया प्रतिफल विस्ति खित उद्देश में उक्त प्रमारण निविद्य में बास्तविक क्ष से कथित हों किया गया है:—

- (क) प्रत्नरग में हुई किसी भाग की बावन जकत समिन नियम, के प्रधीन कर देने के शम्सरक के दायित्व में कमी कालों या उससे वजने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (भ) ऐसो कि तो आप पा किसी धन पा यन्य आस्तियों को, बिट्डें सरनोप प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अव, उन्त प्रधितियम की द्वारा 269-ग के पनु-सरण मे, में, उन्त प्रधितियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिशिवा स्वकित्यों, अर्थात 1—

- 1. श्री ठा तरमाई मगतमाई : प्रमुख जीवाभाई उकाभाई : चेत्ररनेत नातुमाई खंडुमाई नायक : सेक्टरी द्वारा श्री पुर्णी को० ग्राप० हाउसिंग सोतायटी, नवसारी । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जयेशकुमार पन्नासाल चोंकसी द्वारा होटल जला प्राहीट लिभिटेड काविलपोर नवसारी (ग्रन्तरिती)

को यह नुपता जारी भरते पूर्वीका समाति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मिन के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षप :---

- (क) इ.प सूचना के राजरत में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबंधि, ओ भी पत्रिक्ष खाद में पमाप्त रोनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस पूजना के राज्यक में प्रकाण को तारीख से 45 दिन के मोनर उसन स्थावर संपत्ति व हित-बद्ध किनो अन्य क्यन्ति द्वारा, अश्रोहस्तक्षरों के पास सिवित में किए जा नहीं।

स्यक्टीकरण !--इसमें प्रयुक्त मान्तीं घीर वर्ता का, जो उन्त अधिनियम के झड़याय 20-क में परिभाणि। है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस प्रशाय में दिया गया है।

अन्सूची

मिल्कत जो नटराज सिनेमा के नजदीक, शांतादेवी रोड, नवनारी में स्थित है श्रीर जिसका ग्रार० एस० नं० 619-1, सीटी सर्वे टीका नं० 17 (सी० एस० नं० 2167) है, ये जमीन नवसारी में 17-10-1979 को रजिस्ट्री की गई है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद ।

तारीख: 30-5-1980

प्रकृष आई० टो० एन० एन०---

ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रीधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय नदायक स्रायकर प्राप्कत (निरोक्षण)

धर्जन रेंज, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जुल ई 1980

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 935 एसीक्यू 23/19—7/80-81---भ्रत० मुझे, जी० सी० गर्ग

81---अत० मुझ, जा० सा० गग ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिनका उत्रित्त बाजार मूल्य 25,000/-क्षण से प्रधिक है और

जिस ही सं० नोंध नं० 2245-ए-2 बी० भागीदारी भगवती वीविंग वर्क्स में है तथा जो ठिलसी भालीया, बेगमपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबदा भनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजर्ट्रीकरण श्रधिकारा 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 9-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तश्रिक कप से करियत नहीं किया गया है:—

- (क्) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस, उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रव उकत ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उकत पश्चिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निय्नतिखित व्यक्तियों, श्रयीत्ः—

- 1. नगरती बीर्रेंबग वर्क्स का भागीदारों
- (1) ओ इरिकास दास चननलाल सुकरीबालाः (2) श्रो भूतबस्ददास चगतलाल सुमरीबालाः (3) श्री गनतलाल चगातल संगारीबाला तुलसी फालीया चेगमपारा सुरक्ष (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीनित भानमती ईंग्वेलाल एच० नं० 2/275-रतत.पुरा, म.लेगर महोता सुरत (श्रन्तरिती)

को यह मूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पनि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्मति के अर्जन के समान्य में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजात्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अत्रिव बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरगः ----इपमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसुची

मिल्कत जिसका नोंद नं० 2245-ए-2-बी, वार्ड नं० 4 जो बेंगपुरा, सूरत में स्थित है। ये मिलकत सूरत सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में 9-10-79 को नं० 3660/71 से रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग सामा प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुतक (निरीक्षण) श्रजन रेज-11, श्रहमबााद

तारीख: 5-7-1980।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रष्टमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 1027 एक्वी० 23-18-5/ 80-81---- प्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उका प्रधि ने मां कहा गया है), की धारा 269-खा के श्रधीन सक्षम प्राधि लगी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूख्य 25,000/-र० से प्रधिक है भीर जिसकी संब्दल ट नंब 8 बीव पैकी गीखीण है तथा जो उद्योगनगर, सुरेन्द्रनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता प्रधि-कारी के कार्यालय सुरेन्द्रनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 17-10-1979 को पूर्वोक्त अरित के उचित बाजार मुख्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मुख्य, अस्मे इध्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से प्रधिव है ग्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बी र ऐने भ्रन्तरण के जिए तरपाया गरा प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उका भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक

(क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

कप से तथित नहीं किया गया है:---

(ख) एसी किया ग्राय या किसी ग्रन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1921 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रश्चिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रञ्ज, उक्त चिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रमुसरण में. में. अक्त पिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयंत :---

- स्टेंडर्ड ग्राटो वाल्यस के द्वारा श्री जगदीशचन्द्र चन्दुलाल परीव ग्रीर दूसरे, वाडीपुरा सुरेंद्रनगर, (ग्रन्तरक)
- अस प्रोच्टीकल इन्ब्रस्ट्रीज प्लाट नं० 8-बी० उद्योग-नगर जीवडान रोड, मुरेन्द्रनगर (ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्वत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घारुप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रवाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज ने 30 दिन की अविधि जो भी अविध बाद में सवाप्त होती हो, के भी र पूर्वाक्त वाक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रताशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित-बार किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी तरण: - - इसमें प्रयुक्त भक्ष्तों स्पीर पदों वा, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही सर्व होगा जी उन अध्याय में सिया गया है।

अनुसूची

शक — गोडौण — प्लाट नं० 8-बी, पैकी 866 — 6 वर्ग गज जमीन पर खड़ा है । ग्रौर उद्योगनगर, जीनटान रोड, सुरेन्द्रनगरमें स्थित है । ये रजिस्ट्री करता कार्यालय घडवान में बिकी खत नं 2623/17-10-1979 से रजिस्ट्री की गई है। ग्रार्थात मिलक्त संपुणन विजत है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज ^I ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-6-1980।

प्रारूप आई • टा • एन • एस •-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ए (1) के प्रधीत सूर्वमा

भारत सरकार कार्यालय सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भर्जन रेंज- \mathbf{I} , श्रहमदाबाद

म्प्रहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 1928 एक्की०---23/18---9/ 80-81----ग्रतः म्झे, जी० सी० गर्ग भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मुल्य 25,000/- रुपए मे श्रधिक है क्रोर जिसकी सं०प्लाट नं० 8-बी पैकी शेठ है तथा जो उद्योग-नगर, सुरेन्द्रनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में म्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय बदत्रान में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 17-10-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर **भन्तरक (भन्तरकों) धौर भन्तरितो (भन्तरितियों) के बीच** एसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्रत प्रन्तरण लिजित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम', के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिटन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्-सरणमें, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधाना व (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथितः→→ े 1. स्टैंडर्ड क्राटो वाल्बन, के द्वारा श्री जगदीणचन्द्र चलुकात परीब क्रोर दूतरे, बाडोसारा पुरेन्द्रतगर (क्रास्ट्रिक)

(%) ro (4)

 प्लास्थोतेट इन्डस्ट्रीज, के द्वारा भागीबार श्री रसिक-लाज जागीजाज प्लाट नं० 8-बी, उद्योगनगर-७, जीनजान रोड, सुरेंद्रनगर (अन्तरिती)

को यह मूजना जारी करके पूर्वीका पत्कति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्बत्ति है प्रति है सम्बन्ध में होई मो प्राजीय :---

- (क) इन पूत्रता के राजात में प्रकागन की नारीख ने 45 दिन की प्रत्रिया तत्मत्रं यो व्यक्तियों पर प्रतन की नामीत मे 30 दिन को प्रत्रिध, जो भी प्रत्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इन न्वता हे राजस्त्र में ब्रह्मसन की नारीख ने 45 दिन हे भीतर तका स्थावर सम्मति में हिनबह हिए। प्रत्य त्यक्ति द्वारा, ब्रसोहस्मानसे ह बात विखित में किए जा सकेंगे।

स्पडिटो तरम:--द्पर्ने प्रयुक्त मध्यों प्रीर पदीं हा, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं वही राहार मा उन भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शोव प्लाट नं० 8-वी पैकी जो 1016 वर्ग गज जमीन पर खड़ा है। स्रोर उद्योगतगर जीतयान रोड सुरेन्द्रनगर में स्थित है। ये रिजस्ट्रीहरा। कः प्रतिय वजवान में बिकी खत नं० 2624/17-10-1979 से रिजस्ट्री की गई है। प्रथात मिलकत संपूर्ण विणित है।

> जी० सी० गर्गे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निर्दाक्षण) श्रजैन रेंज-I, श्रहमदाबाद

सारीखा: 7-6-1980।

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० ---

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

पीं० घोर नं० 1029 एक्वी० 23/एक्बी-1-/80-81--- मृत्ते जी० सी० गर्ग धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 70-1-एक पी० नं० 64-1 है, तथा जो सेख पुर, 1, खानपुर, सीमा अहमदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 -10-1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देते के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भक्षीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---6—156 GI/80 बाई डाही गोरधन दास, कुबेरदास मोदी रतनपोल, 1, झंघनीपाल 1, श्रहमदाबाद ।

(मन्तरक)

- (1) श्री गेरोंम लारनस डिसोसा द्वारा/पीदर डिसेसा (दर्जी) बिजली घर के नजदीक । रिलीप रोड ग्रहमदाबाद ।
 - (2) श्री भ्रान्जली डिसोसा , द्वारा / डी० एम० डिसोसा धनासु यारकीपोल , ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां कक्ता हूं।

उन्त सम्पत्ति के खर्जन के सम्बन्ध में कोई भी खाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पानतीकरण:--इनमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पदों का, जो उकत श्रितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका माप 609.66 वर्ग गज, नं० 70-1-एम० पी० नं० 64-1 है, और जो झेंखपुर खानपुर सीम ग्रहमदाबाद में स्थित है। ये जमीन बिकी खत नं० 11747/19-10-79 से रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्री की गई है ग्रयांत सिलकत संपूर्णता विणित की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख 7-6-1980 मोहर:

प्रसंप बाई॰ टी॰ एन॰ एसं॰----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सूचना भारत संरक्षीर

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, विनांक 7 जून 1980

पी० श्रार० नं० 1030 एक्वी० 23/11-4/80-81---यतः मृप्ते जी० सी० गर्ग

आयकर धिबनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269- का के धिबने सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

भीर जिसकी सं० सी० एस० डब्ल्यू० नं० 1-सर्वे नं० 7712-ए है तथा जो सिब्बन्दी दस्ताबेज पुरानी पुलिस लाइन पोरबन्दर में स्थित है (श्रीर इससे जपाबस श्रनसूची में भीर जो पूर्ण रूप से भणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पोरबन्दर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूह्य से केम के वृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रकारित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और प्रकारक (प्रकारकों) और धन्तरिती (अल्लारितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिये तय पाया गरा प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रसारें जिखित में बाह्यकि क्य से किया हो जिया गया है:---

- (क) अन्तरण ने हुई किशो भाष को बाता, उक्त सिंधनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्त में कभी करने या उससे बचने में सृ्विधः के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आज या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हें नारतीय आयकर मिछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिछिनियम, या छन-कर मेछिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्योजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए थां, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्र1: अब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-य की उपवारा (1)के संधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात !--- नायीबेन नाथा श्रौर दूसरे कुमार वाड़ा , पोरबन्दर ।

(भ्रन्तरक)

 बीजु, एस० ईन्दसद्रीस, संचालक सुझीलाबेहन दोलर राथे, चोदाई, सुयारवाड़ो पोरबन्दर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कीई भी मार्सेंप ।---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामी के से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बार्ष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसं व्यक्ति होता हो,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की सारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मेषि में हिसवब किसी मन्य व्यक्ति कारा प्रधोह स्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे

स्पेक्टोअरगः — इसमें ययुका मार्को भीर पदो का, भी उस्त प्रधि-क्विय के भ्राव्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन भ्रष्ट्यान में विधासना है।

अनुसूची

मकान जिसका नं० सी० एस० डब्ल्यू०नं० 1, सर्वे नं० 7712 ए है, श्रीर जो जमीन का माप 370-40- वर्ग गज सिब्बन्दी दाक्कीस पुरानी पुलिस लाइन, पोरबंदर में स्थित है। ये मकान रजिस्ट्री कर्ती कार्यालय पोरबंदर में नं० 2922/ 12-10-79 से रजिस्ट्री की गई है। ये मिलकत संपूर्णता में वर्णित की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, प्रहमदाखाद

तारीख *7-6*-1980 मोहर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनाक 7 जून 1980

सं० पी० ग्रार० नं० 1031, एक्वी० 23 II /80-81—- ग्रतः मुझे जी० सी० गर्ग आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भन्नीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से अधिक है

स्पोर जिसकी सं० डी०पी० खस० नं० 19-एफ० पी० नं० 278, पैकी सब प्लाट नं० 5-ए, पैकी है नथा जो नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रींर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक श्रवसुबर, 1979

की पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यंवापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिवत से अधिक है और सन्तरिक (अन्तरकों) और सन्तरिक्षी (अन्तरिक्तों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया स्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्षित नहीं किए। गया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृतिधा के लिए; जीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, वा धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या थिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मत: प्रज, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:→- श्रीमसी स्पेहलता बेन, नवीन चन्द्र पंडया, जीवराजपार के सामने, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) सुशीला बहन, गोविन्दलाल
 - (2) सुधा बनह, गोविन्द लाल
 - (3) कोकिला बहन, गोईिन्द लाल
 - (4) दीष यकाना, गोविन्द लाल पटेल,
 - (5) कीरत कुमार, गोविन्द लाल पटेल परवाली की पोल, रायपुर, ग्रहमदाक्षाद ।

को यह सूचना जारी करके प्रयोक्त सम्पाल के भावन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप !---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामी ले से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होया, जो उस अध्याय में विवस्ताया है।

अनुसूची

जमीन जिसका माप 169-20 वर्ग मीटर डी॰ पी॰ एस॰ नं॰ 19, एफ॰ पी॰ नं॰ 278, पैकी सब प्लाट नं॰ 5-ए है, भौर जो नवरंगपुरा, भ्रहमदाबाद में स्थित है। ये जमीन श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ती कार्यालय में बिकी खन॰ नं॰ 85-38/77/भ्रोनाक्षे 79 से रिजस्ट्री की गई है।

जी० सो० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमकाबाद

तारी**ख 7-**6-1980 मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

पी० श्रार्वा 1032 ए सीक्यू०-I/80-81--- ब्रतः मुझे, जी० सी० गर्गे

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से प्रधिक है

मौर जिसकी संव 13: 13-1 पैकी टीव पीव एसव नंव 2 है, तथा जो एफव पीव नंव 56-3, रानीप अहमदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-10-79 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिभत अधिक है और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठितयम के अधीन कर वेने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रण्य भ्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम, या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

मतः मब, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत्ः-- कोशिक चन्द जगन्नाथ दल वाडी जयदीप के पीछे, नवरंग हाई स्कूल, नवरंगपुरा, महमवाबाद ।

(प्रन्तरक)

 सत्यागुर वयाल को-भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लि॰, चेयरमैन के द्वारा : श्री भुपेन्द्र-I दवे भीर वूसरे ओल्ड पटेल, सोसायटी, मोहन सिनेमा के पास , जंहागीरपुरा, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाय सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्तरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 1973. 5 वर्ग गज नांव नं० 2, एफ ब्ली० मं० 13: 13-1 पैकी डी० पी० एस० नं० 5-6-3 जा राजीप भ्रहमदाबाद में स्थित है। ये जमीन भ्रहमदाबाद रिजस्ट्रार के कार्यालय में 15-10-79 को बिकी नं० 11588/15-10-79 से रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्गे सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख: 7-6-1980

प्रकप भाई • टी • एन • एस • - ----

आयक्र श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमवाबाद श्रहमवाबाव, दिनांक 7 जून 1980

पी० भार० नं० 1033 एक्यू०-23/I/80-81--- भ्रतः मझे जी० सी० गर्ग आयक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्वात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अशीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ব• से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० नं० 13-1-पैकी डी०पी० नं. 2, एफ० पी० इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से थणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्राधीन दिनांक 15-10-79 को पूर्वे क्तिसम्पत्ति के उवित बाबार मृल्य से कम के बुश्यमान प्रति-फल के लिए मस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, एस दुश्यमान प्रातफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर अन्तरक (मग्तरकों) और अग्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीव ऐसे घन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिकित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियन के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे दवने में सुविधा के लिए: धोर/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर मिंचिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिंचिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सतः धन, उनत धिक्षित्यम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के सभीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री रंजन बेन
 (श्री प्रेमचन्द जगनाथ की पत्नी)
 जगदीप नवरंगपुरा, स्कूल के पीछे,
 नारान पुरा, श्रहमदाबाव ।

(धन्तरक)

 सतगुरवयाल को० म्रा० हाउसिंग सोसायटी के द्वारा प्रमुख श्री भुपेन्द्र ऐ० देवे म्रौर दूसरे जुता पटेल, शेसाद्रि मोहन सिनेमा के पास, जहांगीरपुरा, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वक्ति सम्पति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आ शो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्रवडी करण :--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिसादित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 1974-5- वर्ग गज नाद नं० एस० नं० 13-13-1 पैंकी दी पी० एस० नं० 5-6-3 जो रानीप ग्रहमदाबाद में स्थित है। ये जमीन ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रार के कार्यालय में 15-10-79 की बिकी खत नं० 11589/15-10-79 से रिजस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाव

तारीख 7-6-1980 मोहर:

प्ररूप आई० टी• एव० एव०----

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 48) की धारा 269-घ(1) के अधीन मुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन ऐंज-I, ऋहमदाक्षाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

निर्देश सं०पी० ग्रार० नं० 1034 एक्यु० 23/I/80-81—ग्रतः मुझे जी० सी० गर्गे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इनके पश्चान् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से भिक्षक है

प्रौर जिसकी सं० नं० 13/13 पैकी डी० पी० एस० 2, एफ० पी० नं० 56-3 है, जो रानीप, प्रहमदाबाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 15-10-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत अधिक है भीर अन्तरिक (प्रम्तर्कों) भीर प्रम्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्त) अन्तरण से तुई सिसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) एँनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायन्कर अधिनियम, 1922 (1922 या 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के अयोक्षमार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया असा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-**ग की उक्तारा** (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात्।——, प्रमोद चन्द जगन्नाथ धलवाडी जयदीप के पीछे, नवरंगपुरा है० स्कूल, नाराणपुरा, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. सत गुरुदयाल को०ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड के द्वारा प्रमुख:श्री भुपेन्द्र आई० श्रौर दूसरे पुरानी पटल सोसायटी, मोहन सिनेमा के पास, जहांगीरपुरा, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्सरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आओप:--

- (क) अस सूत्रना के राजाल में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की अपि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशय की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा असोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पब्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्रों का, जो उनत अधि-नियम, के घड्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिमा गया है।

प्रनुसूची

जमीन का माप 1973-5 वर्ग गज नाद नं० एस० नं० 13:13-1पैकी टी०पी० एस० नं० 56-3 जो रानीप महमदाबाद में स्थित है। यें जमीन महमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में 15-10-79 को बिकी पत्र नं० 11590/15-10-79 से रिजस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

तारीख: 7-6-1980

मोहर ःृ

प्रकृष आई० टी० एम० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-J, श्रहमंदीबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1980

निर्देश सं०पी०ग्रार० नं० 1035, एक्यू०-23-1/80-81—ग्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

ग्नीर जिसकी सं० नं० 13-13-1-पैकी टी० पी० एस० नं० 2 एफ० पी० नं० 56-3 है, तथा जो रानीप, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमहदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-10-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूस्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के मिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नमिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्या से हुई किसी आय की बाबत, खक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसो आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जिल्हा अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्वरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के निए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अतु-भरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती कुनुद बेन,
 कौशिक चन्द्रा जगन्नाथ की पत्नी दलवाडी जयदीप के पीछे.
 नवरंग हैं० स्कूल, नाराणपुरा,
 अहमदाबाद, ।

(ग्रन्तरक)

2. सनगुरु को०ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड के द्वारा प्रमुख:श्री भुपेन्द्र आई० देवे ग्रीर दूसरे पुर(ना पटेल सोसायटी, मोहन सिनेमा के पास, जहांगीरपुरा, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टी करण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों ग्रौर पयों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रश्नें होगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

प्रनुसूची

जमीन का माप 1973-5 वर्ग गज नोद नं० एस०नं० 13: 13-1 पैकी टी० पी० एस०नं० 56-3, जो रानीप, अहमदा-बाद में स्थित है। ये जमीन भ्रहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में 15-10-1979 को बिक्री खत नं० 11591/15-10-79 से रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्गं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-6-1980

मोहरः

प्रकप आई• टी• एन• एस•-----

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1036-एक्यू० 23/18-1/80-81---श्रतः मुझ जी० सी० गर्ग

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख में अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/• ए० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शेढ, ग्रह्मोग नगर, तथा जो सुरेन्द्रनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय वधवान, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-10-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के बृह्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगठ से मिधक है और धन्तरिक (धन्तरिकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच एसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिन्निविधित उद्देष्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिक का से किया नहीं किया गया है:—-

- (क) मन्तरण से हुई जिसी प्राप की बाबत, उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सब, उक्त प्रधिनियम की धारा 289-ग के धनुसरण में। मैं इक्श अधिनियम की बारा 289-म की उपवारः (1) के अधीन, निण्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— एमरजेंसी मेकानीक वर्कस
के द्वारा / मैनेजिंग भागीदार :
श्री गनपत लाल हरीभाई राथोड,
उद्योग नगर, सुरेन्द्र नगर ।

(भन्तरक)

शालीमार टैक्सटाईल के द्वारा भागीदार:
 श्री कान्तीलाल , ब्रज लाल बखारिया,
 उद्योग नगर, सुरेन्द्र नगर ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बरत सम्मति के प्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की भाविभ या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जी भी भाविभ बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उपत स्थापर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण. --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो छक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाशित है, वहीं भर्य होगा जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

खारखाना षेठ माप 1066 वर्ग गज जमीन पर उद्योगनगर, सुरेन्द्रनगर, में स्थित है । ये बड़वान रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिकी खत नं० 2625/17-10-79 रजिस्ट्री की गई है। अर्थात मिलकत संपूर्ण वर्णित है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, भ्रहमदबाद

तारीख: 9-6-1980

प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस.-----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक १ जुन 1980

पॅ।० श्रार्० नं० 1037 एक्पू० 23/1-1/I/80-81—-यतः मझे जी० मी० गर्ग

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वास् 'उदत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार' 269- स अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव नंव 917, पैकी टीव पीव एसव नंव 3, सब-प्लाट नंव 11 (1/3 भाग) है, तथा जो पालडी, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर जी पूर्ण रूप से विणत है) रिक्ट्रिकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिज्ट्रिकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधन विनांक 18-10-79

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वाक्स संपादत का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रीतकार से, एंखे दृश्यमान प्रीतकार का पन्द्रह प्रतिकार से यिथक है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ऑधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नीनिखित व्यक्तित्यों अथितः---

7-156GI/80

 गिरीण चन्द्र चन्द्रलाल झा, ले० कमरा नं० 101, राम निवास, पापुर मित, कामपैट, श्रह्मदाबाद।

(प्रभागक)

 श्रं भरतकुमार गगणाम भाई आ: काषमारा सँगादि, पालडो, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कन्ता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्य्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनस्ची

मकान जमीन पर माप 840 वर्ग गण टी० पी० एम 3 एफ़० पी० नं० 917 पैको सब-५वाट नं० 11-1/3, भाग खड़ा है यें मकान पालडी, जै बिक रोड में स्था है । यें अहमदाबाद रिजिस्ट्रार के कार्यालय में बिकी खत नं० 11700//18-10-79 में रिजिस्ट्रा की गई है। मिलकत संपूर्ण विणित है।

जी० सा० गर्ग अज्ञान प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्राप्ति रेंड, ग्रहसदाबाद

तारं.ख 9-*6*-1980 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांध 7 जून 1980

पि॰ श्रार० नं० 1038 एक्यू० 23/1/80-81—यतः मुझे जिल्ले मिं० गर्ग

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'टात अधिनियम' क्ला गया है), की धार 260- ख के अधीन रूपम प्रतिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रक. से अधिक है

ग्रीट िशकी से एफि पोठ ने 68, पैकी टी पिठ एस० 3 स० ने 68, बोठ कार्णापुर, कागदीवाड है तथा जो णाहपुर फाइर स्टेंकन दे सामने, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिश्चिर के वार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रक्तुबर, 1979

को पूर्वोक्त संपित के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का फद्यमान प्रतिफत्य के लिए तय पाया गया प्रतिफत कि निम्निकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिवक रूप में शिकार करी दिएस गया हो ——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी शाय पा किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भे, के, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1. 1. रामचन्द्र दोलतराम
 - (2) कीशनचन्द दौलत राम, दोनों लखंश्यरा निवास, फायर क्रिक स्टेंशन के सामने शाहपुर, ब्रह्मदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

 श्री चुन्नी लाल लक्ष्मण जी चौहाण, शाहपुर दरवाजा के बाहर, काजी मियाका चाल किर०नगर के पास, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- धब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान का भाग जो 91 वर्ग गज जमीन पर खड़ा है जिसका
एफ० पो० नं० 68 पैकी सी० नं० 68-बी, टी० पो० एस० 3
श्रीर जो काशीपुरा, कागदीवाले, शाहपुर फायर क्रिज स्टेंगन
सामने अमदाबाद में स्थित है। जो माकान श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में बिका दस्तावेज नं० 10920/ग्रक्तुबर,
1979 में रिजस्ट्री किया गया है। अथित, मिलकत उसमें संपूर्णतः
विणित है।

जो० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद,

तारीखा: 7-6-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद
ग्रहभदाबाद, दिनांक 7 जून, 1980

मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 .(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर तंपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- और जिसकी संव एफवर्पाव नंव 68, पैका संव नंव 68-ए, टोवर्पाव एसव 3, वाशोपुर, कागर्दावाइ, है तथा जो णाहपुर, फायर ब्रिज स्टेशन के सामने में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसुची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रावर्ती प्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्राकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रकतूबर, 1979

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निस्निलिसित व्यक्तियों वर्धातः—- श्री बसन्त कुमार ईश्वर दाभ कैलाश भवन के पास, लखो जरा निवास, फायर क्रिज स्टेशन के मामने, श्रहमदमबाद ।

(श्रन्सरक)

2. श्री चुनीलाल लक्ष्मण चौहाण शाहपुर दरवाचा के बाहर, आजा मियां का जाल, किरग्र नगर के पास, ग्रहमशबाद।

(श्रन्तिःती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की लारीका की 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीना से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद मी सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हिंदा- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भें दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग जो 90 वर्ग गण ं मिन पे खड़ा है, जिसका एफ० पो० नं० 68, पैको सी० नं० 68-ए० टे॰० पो एस०-3 है और जो कार्णापुर, कागर्व वाड़ शाहपुर फायर खिक स्टेशन के सामने अहमदाबाद में स्थित है। ये मारान शहमदाबाद राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में बिका खत नं० 9297/श्रकाबर, 1979 से राजस्ट्री किया गया है अर्थनं मिल्कतय उसमें संपूर्णतः विश्वत है:

जार पार गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निराक्षप्र) श्राजैन रें (-1, ग्रह्मबाबाद

तारीख 7-6-1980 मोहर: प्ररूप आहु . टी. एन. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ः - I, श्रहमदाबाद

शहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपान्त जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं ० 516, पैकी, प्लाट सं ० 27, 28 तथा 29, उसलेदा है तथा जो राजकोट में स्थित है (श्रीर इसके उपाश्रद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण स्पास विभिन्न है) रिजस्ट्राक्ती श्रिधकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्र करण श्रीधनियम 1908 (1908वा 16) के श्रश्रीन दिनोंक 10-10-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि अवापूर्वावत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरित (अन्तरिका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्निचित्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी जिसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या धिया जाना चाहिए था, छिपान में मुजिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नि रिसित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री नवीन चन्द्रा नरोत्तमलाल जलावाडीया सल्बाडीया, डैली के ब्रांधर, उपलेबा
- श्रं गातान्जला को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटा लि० के द्वारा प्रमुख श्रा ज्यालाल नर्समंग भाई मानकडिया, नवापारा, उपलेदा ।

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमोन उपलेबा, में माप 145-7-7-0 वर्ग गज एस० नं० 316 पैकी नंबर से 27, 28 और 29 में स्थित है। में सब रिजस्ट्रार, उपलेबा के कार्यालय में बिक्की खत नं० 1047/10-10-79 में रिजस्ट्रा की गई है। मिलकत अर्थात सम्प्रणीत: विणित है।

जा० सो० गर्ग सक्षम प्राधिकारो महायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंत्र-I, स्रहमदाबाद

दिनांक: 9-6-1980

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 9 जून 1980

पी० ग्रार० नं० 1041, एक्सी, 23/16-7/I/80-81— ग्रत. मुझे जी० सी० गर्ग

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 316 पैकी है तथा जो उपलदा, डिस्ट्रिक्ट राजकोट में स्थित है 'श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय उपलेदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 10-10-1979

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— श्री किणोर कुमार नरोत्तमदास, बालवाडिया, पालवाडिया, दली के ग्रंधर, उपलेदा ।

(अन्तरक)

 श्री गीतान्जली, को०ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड के द्वारा प्रमुख श्री नाथामल नरसिंह भाई मानकडिया, जवपारा, उपलेदा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

जमीन उपलेदा में माप 1363-3-0 वर्ग गज एस० नं० 316 पैकी स्थित है। ये उपलेदा सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में उपनेदा सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में विकी खत नं० 1048 197/10-10-79 में रिजस्ट्री की गई है ग्रर्थीन् मिलकयत उसमें संपूर्णतः विणित है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख 9-6-1980 मोहर : प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.----

आयकर अंधितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 जुन, 1980 .

निर्देश सं०पी० श्राण्यनं० 1042, एक्यू०-23/1-1/1/80-81 ----श्रतः मुझे जी० मी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिस्त आधिनियम कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विस्तास करने का कारण है कि रथावर गंपिक जिस्का जीवत बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रीर प्रिंगकी सं० एफ्० पी० नं० 917 पैकी टी० पी० एस० नं० 3, सब प्लाट नं० 11—1/3 भाग) है तथा जो पालडी, श्रहमदाबाद, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध सनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ग श्रिधकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) श्रीन दिनांक 18-10-1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूवॉक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य, उन्हें लायशान प्रतिकार में, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरित्यः) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में स्विधा के लिए; और/य.
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, अक्त अधिनियम की धारा 269-च ऋषे उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— श्री मनुभाई चन्दुलाल झा,
 11, रंग सागर प्लाटस,
 प्रभुदास ढक्कार कालेज, रोड, पालडी ग्रह्मदाबाद ।

(श्रन्तरक)

2. श्री भरज कुमार गणशाम भाई झा, कापभीरा शेपादि, पालडी, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्मम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जमीन पर खड़ा है। इसका माप 840 वर्ग गज टी० पी० एस० नं० 917 पैकी सब प्लाट नं० 11-1/3 भाग पालडी में जैबीकु रोड, ग्रहमदाबाद में स्थित है। ये ग्रहमदाबाद राजिस्ट्रार के कार्यालय में बिक्री खन नं० 11699/18-10-79 में राजिस्ट्री की गई है। ग्राथीत् मलकियत संपूर्ण वर्णित है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रह्मदाबाद

न(रीख: 9-6-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

- ऋर्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाद,

श्रहमदावाद, दिनां ५ 9 जून, 1980

निर्देश मं० पी० ग्रार० नं० 1043, एक्य ०-23/1/80-81---ग्रत: मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' करी गया हैं), की धारा 269- ख के अवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपिति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं०एफ० पी० नं० 917 पैकी टी० पी० एस० नं० 3 सब प्लाट नं० 11 (1/3 भाग) है तथा जो पालडी, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद म रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 18-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान् प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत हो, एगेरे हरणमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; ऑर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः ध्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उण्धारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीतः—

- 1. (1) श्री सन्तरुषार रमनलाल झा,
 - (2) श्री स्निल रमनलाल झा
 - (3) कमला बेन, श्री रमनलाल चंदुलाल की विश्वया डयारतना, प्लटा, नारायन नगर, रोड पालडी, अहमदाबाद ।

(भन्तरक)

 श्री भरतकुमार नारायन भाई झा काशमीरा शेपाद्वि, ग्रहमदाबाद ।

(श्रन्तिरती)

की यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूबना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की क्षारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकौगे।

अनुसुधी

मकान जमीन पर खड़ा है। इसका माप 840 वर्ष गज टी पी० एस० नं० 3, एफ० पी० नं० 917 पैकी सब प्लाट नं० 11-1/3 भाग, पालडी जै बिखु शोड, श्रद्धमदाताद में स्थित है। ये अहमदाबाद रिजिल्हार के कार्यालय में बिक्की खाता नं० 11699/18-10-70 में रिजिल्ही की गई है श्रर्थात् उसमें मलकियत सम्पूर्णतः विणित है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, स्रहसदाबाद

नारीख: 9-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज√I, ग्रहमदाबाद

म्रह्मदाबाद, दिनांक 9 जून, 1980

निर्देज सं० पी० ग्राप्० नं०-1044 एक्य ०-23/I/80-81— जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संव नंव 39/जी/एसव पैकी प्लाट नंव 3 सब प्लाट नंव 16 (भाग) है तथा जो पटेल कालोनी (डोर नंव 9, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 29-10-1979

को पूर्वांक्त सम्पति के उचित क्षाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीलः—

 श्री चन्द्राविजय सिनजी साकतिसिन जी, पटेल कालोनी, जामनगर।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती खुमिनी बहुन, हराकचन्द मेहता, स्तावाड, कारवा चकला, जामनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) सा कि पाया के पाया की पाया की पारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्धी

एक मकान जमीन पर माप 35-56 वर्ग गज में खड़ा है इसका नं एस वनं 39-जी/एस पैकी प्लाट नं ए-3, सब-प्लाट नं 16 (भाग) पटेल कालोनी, जामनगर, में स्थित है। ये बिकी खाना नं 2471 तारीख 29-10-79 में रजिस्ट्री किया है। ये संपक्ति उसमें सम्पूर्णत: वर्णित है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख 9-6-1980 मोहर :

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1045 एक्यू० 23/1/80-81—श्रतः मुझे, जी० मी० गर्ग

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन प्रवात जिसे प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-धा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाधार मुख्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसका सं० नं० 2-275/110 से 24: 2-732/1 से 110/6 व 2-761/1--19 है तथा जो बद्रकाली माता रोड में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, द्वारका में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 4-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उति। जाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि अयापूर्वोक्त तम्पत्ति का बिखत बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के पृथ्यमान प्रतिफल का पृथ्य प्रतिफल के पृथ्यमान प्रतिफल का पृथ्य प्रतिफल के प्रतिफल है, भीर यह कि श्रान्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरक के लिए तय प्राया भूग प्रतिफल, निम्नलिखित सहेश्य से उक्त अन्तरक निश्चित में बास्तिक करने अविश्व नहीं किया मुश्री के स्ति

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधि-निवम, के मन्नीन कर देते के मन्तरक के धायत्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविक्षा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किनी प्राय या किनी धन या घन्य ब्राहिनयों को जिन्हें भारतीय धाय-कर श्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

भतः य**व एक्त ग्रधि**नियम **की धारा 269-ग फे अ**नुसरण में, में उत्तत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री रसिकरायाजी द्वारकेशलालजी; मावाभुरत;
 मोती हबेली 1, पोरबन्दर। (श्रन्तरक)
- (1) श्री मनसुखलाल कांकुभाई दावादा महाजन बाजार, द्वारका।
- (2) श्री रिसक्सिल काकुभाई दावादा महाजन बाजार, द्वारका।
- (3) श्री चम्पकलाल हीराचन्द कारीया, गराबी चौक के. पास, द्वारका।

- (4) श्री नागजीभाई धारा गंगाभा जादिया बाघीर चौरा के पास, द्वारका।
- (5) श्री गांजुभा खीमनभाई, खारा कालार रोड बारका। (श्रन्तरिती)

किरायदारों का नाम।

- (1) श्री माधुकान्त कान्तीलाल।
- (2) श्री विशनलास कान्तीलाल।
- (3) श्री विशनलाल कान्तीलाल।
- (4) श्री विशनलाल कान्तीलाल।
- (5) श्री जगदीश रूपचन्द।
- (6) श्री नारायण रामजी।
- (7) श्री हिमतलाल ही रूचन्द।
- (8) श्री लक्षमनदास जमनादास।
- (9) श्री मथुरादास जमनादास।
- (10) श्री सुशीलाबेन विशनजी।
- 11) श्री जमनाबेन गोरधन।
- 12) श्री मनिबेन लक्षमन।
- (13) श्री राजगार गागदेव कारा।
- (14) श्री गोपीबाई रनछोड़।
- (15) श्री नारायन रनछोड़ ।
- (16) श्री कानुभाई गोरधन।
- (17) श्री सोनी दामोदर बानजी।
- (18) श्री परभातभाई देवकरन।
- (19) श्री कारवा भाईलाल गोबिन्द।
- 20) श्री रामदास दयालाल।
- 21) श्री काना आसा।
- (22) श्री मायामा वोसोभा।
- 23) श्री काना हारजी।
- (24) श्री लालजी मानजी।
- 25) श्री भीना समद।
- (26) श्रीखानजी भीखा।
- 27) श्रीविनोद देवणी।
- (28) श्री घन्दुलाल विरजी।
- 29) मुक्ताबेन भगवानजी।
- (30) श्री जवारलाल काकुभाई।
- (31) श्री वालीभाई मावजी।
- (32) श्री बालमुकुन्द वामोधर।
- (33) श्री ग्रनन्तराय मोहमलाल ।
- (34) श्री काकुभाई जयराज।
- (35) श्री तेजुसिंह साधृसिंह।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेय :---

(क) इस सूबता के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन की भविष्ठ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, ओ भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा: (ख) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्तालारी के पास लिखित में किए वासकोंगे।

स्पष्टोकरण '--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्मक्रोगा जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

ध्रमसूची

एक मकान जमीन पर कमलसयन में खड़ा है। जिसका माप 3683 वर्ग मीटर एस० नं० 2-725/1 से 24, 2-732/1 से 6 और 2-761/1 से 19 बद्रकाली मेहता रोड द्वारका में स्थित है। इस का रजिस्ट्रेशन नं० बिक्री खत द्वारा नं० 1370 तारीख 4-10-1979 है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक) धर्णन रेंज-I, घहमबाबाद

सारीख: 9-6-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1046 एक्यू० 23-5-1/ I/80-81—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-

ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सोनागढ़ ग्राम है तथा जो भारनगर राजकोट रोड, मोनागढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद ध्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सीहोर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के

भ्रधीन तारीख 18-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक एप से कथित नहीं किया गया है:---

 (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन फर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

(स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्री प्रवीन चन्द्रा कनयालाल कानकीया, कानूनी वारीस बसीयत नाम के मुनाबीक, कनायालाल एम० कानाकीया, नेशनल ट्रानसपोर्ट कां०, मुसीका मकान फिरोजशाह मेहता रोड, बम्बई-1।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कानाजीस्वामी दीगंबर जैन विश्रामती ग्रहः के द्वारा प्रधान श्री चिमनलाल भाई हिमतलाल गा, सोनागढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पाधिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक मकान जमीन पर खड़ा है। इस का माप 560 वर्ग गंज में भावनगर राजकोट रोड में स्थित है। ये भावनगर राजस्ट्रार के कार्यालय में रजीस्ट्री की गई है और विकी खत नं० 884 तारीख 18-10-1979 है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंण-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 9-6-1980

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमवाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्वेश सं० पी० श्रार० नं० 1047/एम्पू० 23/16/1/ 80-81—श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं नं 462, प्लाट नं 1 है तथा जो भ्रमरपाली सिनीमा से दूर, राजकोट में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-10-1979

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सूबिधा के लिए;

अलक्ष अज, उक्त आधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों सुधित्:---

- (1) श्री गरत चन्द्रा रेवाशंकर कोठारी, भिक्त-नगर सोसाईटी मार्ग नं० 2, "प्रशांत" राजकोट। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भरत कुमार भगवानजी नाथवानी, जंकशन टलाट, राजकोट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपृ:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत् स्पन्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सक³गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अमृस्की

एक खुल्ला जमीन जिस का माप 592-2-0 वर्ग गज एस० नं० 162, प्लाट नं० 1 में श्रमरपाली सिनीमा से करीब दूर स्थित है। श्रौर ये बिकी खाते नं० 5901 तारीख 4-10-1979 में रजीस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्राकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 12-6-1980

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-

भायकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाध

श्रहमवाबाद, दिनांक 12 जून, 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1048 एक्यु० 23/16/I/ 80-81—-ग्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 462, प्लाट नं० 2 है तथा जो प्रमरपाली सिनीमा से दूर, राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 4-10-1979

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेत्रय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री विरेन्द्रा रेवाशंकर कोठारी, भक्तिनगर सोसायटी मार्ग नं० 2, ''प्रशान्त'', राजकोट। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भरतकुमार भगवानजीभाई नाथवानी, जॅगर्षन प्लाट, राजकोट। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पथ्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक खुल्ला जमीन जिसका माप 589 वर्ग गज एस० नं० 462; प्लाट नं० 2 में श्रमरपाली सिनीमा से दूर राजकोट में स्थित है। ये बिक्री खत नं० 5900 तारीख 4-10-1979 में रजीस्ट्री की गई है श्रौर ये संपूर्ण वर्णित है।

जी० सी० गर्ग,

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 12-6-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० ए०+-

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारते संरकार

काय्लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 12 जून, 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1049 एक्यु० 23/16-2/ 1/80-81—श्रत: मुझे जी० सी० गर्ग,

जावकरं अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियंम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० लेख नं० 432 है नथा जो सरदार-गढ़ बंगला के सामने गंडल रोड, राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-वियम के अवीन कर दोने के अव्हरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधां के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सूविधा के लिए:

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री केशवलाल लाधाभाई 39, करनपारा, राज-कोट। परमारा। (श्रन्तरक)
- (2) श्री बदुकलाल लक्षमनभाई राथौड, बापूनगर, राजकोट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करंता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

खुली जमीन जिस का माप 169-1-72 वर्ग गज लेख नं 432 में गोडल रोड, सरदारगढ़ बंगला के सामने स्थित है। ये बिकी खाता नं 5743 में रजीस्ट्री कि गई है।

जी० सी० गर्ग,

सक्षम प्राधिकारी स**हाय्**क आयुक्त आयुक्त, (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 12-6-1980

माहरः

प्ररूप आई • ठी • एन • एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

श्रहमबाबाद, दिनांक 16 जून, 1980

निर्देश सं० पी० स्नार० नं० 1050 एक्यु० 23/1/80-81—स्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० नं० 77 ए और 77-बी, पैकी प्लाट नं० 107 हैं तथा जो ग्राम माना मावा, राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कायिलय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-10-1979

करों पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कि.शृत नहीं किया गया है.---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक को दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, बनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्युक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती भानुमती जगजीवन पटेल, 15, जगनाय प्लाट, राजकोट। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मनजुला भानुलाल संगवी , स्टेशन प्लाट, गोंडल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कांद्र भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 बिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एक खुला जमीन प्लाट जिसका माप 907-12 वर्ग गज एस० नं० 77 धौर 77-बी प्लाट नं० 107 पिश्वम भाग में सेन्ट मेरी हाई स्कूल ग्राम माना मावा, राजकोट में स्थित है धौर बिकी खाता नं० 6123 तारीख 25-10-1979 से राजकोट रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री कि गई है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

तारीख : 16-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, प्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 16 जुन, 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1051/एक्यु० 23/J/80-81—श्रन: मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं नं मकान जिसका नाम भुवनेशरी गीत गुरजरी सोसाईटी एरोड्डाम के पासे हैं तथा जो राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिन्न नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों अधितः—

- (1) श्री ग्रवनतीलाल तुलजाशंकर वैध, भानुशंकर नुलजाशंकर वैध, 1-जगनाथ प्लाट राजकोट। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रितलाल बुजलाल न्निवेदी, भुवनेश्वरी, गीत गुरजारी सोसाईटी, एरोड्डाम के पासे, राजकोट। (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जमीन पर खड़ा है। जिसका माप 329-80 वर्ग मीटर में भुवनेक्वरी नाम में गीत गुरजारी सोसाईटी, एरो-इाम के पास राजकोट में स्थित है। जिसका बिकी खाता नं० 5868 तारीख 16-10-1980 में राजकोट रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजीस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 16-6-1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 9 जून, 1980

निर्देश सं० ए० एस० म्रार०/80-81/61—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है, ग्रीर जो कि टेलर रोड. ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख ग्रक्तुकर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों अर्थात्:---

- (1) श्री ज्ञान सिंह पुत्र गोना सिंह ग्रीर ग्रवतार सिंह पुत्र ज्ञान सिंह कटरा कर्म सिंह बाजार सतीवाला श्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ममना रानी पत्नी हीरा लाल श्री हीरा लाल पुत्र श्री रमना निवासी लोह गढ़ ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर सं० 2 में यदि कोई किरायेदार हो तो। (बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पक्ति है)
- (4) यदि स्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (बहुव्यक्ति, जिसके बारे में स्रधो-हस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर क्षांक्त व्यक्तियों भे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संवित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 568 वर्ग मी० है नं० 9 प्राईवेट कोठी नं० 73 के बाहर जो कि टेलर रोड प्रमृतसर में स्थित हैं जैसा कि सेल डीड नं० 2061/1 दिनांक 18-10-1979 ऑफ रजिस्ट्रींग अथारटी श्रमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, फ्रमृतसर

तारीख: 9-6-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एन०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 13 जून 1980

निदेश सं० ए०एस०ग्रार०/80/81/82—ग्रतः मुझे एम० एल० महाजन,

मायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से मधिक है

भौर जिसकी सं० एक प्लाट रेलवे रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रान्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रीवित्यम के श्रीतिन कर देने के श्रम्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1 श्री मोहन सिंह और दिग्रामलसिंह पुत्र ज्ञान जिंह वासी कटरा करन सिंह बाजार मतवाडी (ग्रन्तरक)
- 2. श्री वरिन्द्र कृमार और सतीश कुमार पुत्र श्री हीरा लाल वासी लोहागढ़ ग्रमृतसर (ग्रन्तरिती)
 - उ. जैसा कि नं० 2 में है और किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
 - और कोई (वह व्यक्ति, जिसके वारे में प्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजून के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों ग्रीर पर्दों का, जो जक्त ग्रीधिनियम के ग्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 265 1/2 वर्ग गज (प्लाट नं \circ 9) टेलर रोड, ग्रमृतसर जैसा कि रोल डींड नं \circ 2034/1 दिनांक 15-10-1979 आफ रजिस्ट्रीकरण ग्रिधकारी, ग्रमृतसर

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) द्रार्जन रेंज, अमृतसद

नारीखा: 13-6-1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन मूक्ता

भारत सरकार

कार्यान्त्र, पद्गान्क यायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर दिनांक 13 जून 1980

निदेश सं० एएसभ्रार/80-81/63-अतः मुझे, एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पण्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारणहैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक हैं.

श्रीर जिसजी सं० एक प्राप्टीं कटरा निहाल सिंह वाला छनीखुई अमृतसर है, जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इहसे उपाबक्ध अमृतसर है श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अक्टूबर 1979 को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा। वाँक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके रूरमार गतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के निज् तथ पाया गया प्रतिफल का निजाति खा उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त्रिक कम से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से दुई किसी ग्राय की वाबन उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए; ग्रौर/ग
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धर या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीर आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उना अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अनः भन, उना अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधोर मिननिजित अस्तियों, जैयौत्:—

- 1. श्री इन्द्रजीत सिंह सेठी पुत्र हीरा सिंह सेठी ग्रार/ग्रो बाजार छती खुई ग्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमित रणजीत कौर परिन गुरशरन सिंह सेठी मैने-जर पंजाब श्रेंड सिंध बैंक नमक मंडी श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 में ग्रौर क्रोई किराएदार (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
 - 4. ग्रीर ग्रन्य (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त ध्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उत श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी दुकानें श्रीर 3-1/2 मंजिल बिल्डिंग नं० 1677/1678/6 श्रीर नं० 1859-60/61/6 श्रीर नं० 2057-58/9 कटरा निहाल सिंह ग्राम छतीखुई ग्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2184/I दिनांक 31-10-1979 रजिस्ट्री श्रिषकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भ्रमृतसर

तारीख : 13-6-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, अमृतसर

घमृतसर, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० पीकेटी/80-81/64—-श्रतः मुझे, एम० एल० महाजन

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त भिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिशीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपल्से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है, जो पठानकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय स्रौसबाद पठानकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख स्रक्ट्रबर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है और मुझे यह विषयाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक से है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीत ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या अस्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीर ख्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धनकर श्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिताने में सुविधा के लिए;

ग्राः प्रव उका प्रधितियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उका प्रधितियम की बारा 269व की उन्धारा (1) के अधीत; निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री एन० के० कपूर ऐंड शिवाजी नगर गली नं० 2
 डांगू रोड पठानकोट रोटी निरन्द्र कपूर श्रटानी (श्रन्तरक)
- मैं महाजन थ्राईस फैक्टरी शिवाजी नगर गली नं० 2, डांगू रोड पठानकोट शराहों मदन लाल धर्म पाल पाटर्न पठानकोट (अन्तरिती)
 - 3. जैसा कि सं० 2 पर ग्रौर किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है)।
 - 4. श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रभागन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन मूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: → -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त स्रिधि-नियम के स्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वहीं स्रथं होगा जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

एक बिल्डिंग (प्लाट रकबा 986 वर्ग गज) गली नं० 2 शिवाजी नगर डांगू रोड पठानकोट जैसा कि सेल डीड नं० 1706/ 10/79 रजिस्ट्री ग्रिधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, ग्रमृत**सर**

तारीख: 13-6-1980

प्ररूप आई० टो० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 239-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

म्रमृतसर दिनांक 9 जून 1980

निदेश सं० एएसम्रार/80-81/65--म्प्रतः मुझे, एम० एल० महाजन

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सम्भाग प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है और जिसकी

सं० प्लाट बसन्त एवेन्यु में है जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे छपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या घन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मन, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखिल ब्यक्तियों, अर्थीतः—-

- श्री लक्षमण दास पुत्र दिम्राल राम वासी मकबूल रोड, ग्रम्तसर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री दरबारा सिंह, प्यारा सिंह, मन्गत सिंह, इकबाल सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी गांव मरहाना, त० तरनतारन जि० अमृतसर (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 ग्रौर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है)।
 - 4. ओर कोई (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्वो का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 124 बसंत एवेन्यु में (रक्षा 401 वर्ग गज) जैसा कि सैन डीड नं० 2183/प्राई० दिनांक 31-10-1979 रजिस्ट्री प्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमतसर

तारीख 9-6-1980 मोह्र: प्राक्ष भाई• टी• एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मासुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, म्रम्तसर

भ्रमृतसर दिनांक 13 जून 1980

निदेश सं० एएसम्रार/80-81/66—म्प्रतः मुझे, एम० एल० महाजन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/-घ≈ से भिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक कोठी डबल स्टोरी नं० 46-ए है, जो माल रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रन्ट्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितों) के बीज ऐसे भन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निकास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वसा है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत चक्त श्रिमियम के ध्रश्नीन कर देने के ग्रन्तरक के शायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, सन, उनत सिंधनियम की बारा 26 अन के सनुसरण में, में, उनत श्रिधिनियम की बारा 269-म की छपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. श्रीमित कमला मेहरा विधवा श्री लिलत चन्द में 46 माल रोड ग्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- श्री सुशोल खन्ना श्रौर श्री नवल खन्ना पुत्रान श्री लिलत चन्द खन्ना, ढ़ांब खटीकां, साई दास रोड, ग्रमृतसर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि सी० नं० 2 में ग्रौर कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदादा में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जबत सम्पति के भावंत के संबंध में कोई भी धाक्षीय:--

- (क) इस सूचना के रावात में प्रकार को तारोख से 45 दिन की प्रश्चिया तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवित्व, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी भन्य स्थित द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्जेंगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर पदों का, जी उक्त प्रधिनियम के ग्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं धर्ष होगा, जो उस प्रस्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी डबल स्टोरी नं० 46-ए जो कि माल रोड प्रमृतसर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1084 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रड डीड नं० 1945/1 दिनांक 3-10-1979 श्राफ रजिस्ट्रीग ग्रथारटी ग्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

तारीख: 13-6-1980

प्र€ाधाईक टीकप्तरएस∗——

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सूचना

मार्श सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज श्रमृतसर

भ्रम्तसर दिनांक 9 जून 1980

निदेश सं० पीटीके/80-81/67--- ग्रतः मुझे एम० एल० महाजन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ब का मिश्विनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अबीन काम प्राधिकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र• से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी डलहोंजी रोड पठानकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्ट्रवर 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार नूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत पर्धिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के श्रद्धीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या धन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रंधिनियम, भा धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः धन, उनत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्ण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत् :---

- 1. श्री नन्द लाल पुत रूप मल वासी शेरा वाली मंडी डलहोजी रोड पठानकोट (अन्तरक)
- 2. श्री बाल किशान पुत्र लाल चन्द जैन वासी डलहौजी रोड पठानकोट (ग्रन्तरिती)
- 3. मैसर्स जै० एव० आटोमोबाइल (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
 - श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रशोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्बन्ति के अर्जन वे लिए कार्यवाहियां करता हूं।

धरत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राबरेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवित्र, जो भी धविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त क्रास्ति में वें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख है

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
 किपी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

हनब्दोसरग --इनमें नयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के शब्दान 20-क में परिभाषित हैं, बही अबें होगा को उन्न पत्र्याय में दिया गया है।

त्रमुम् ची

एक बिल्डिंग पर श्राधा हिस्सा डलहौंजी रोड पर पठान-कोट जैसा कि सेल डीड नं० 1641/10-10-1979 रजिस्ट्री-कर्ती श्रधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रज, श्रमतसर

तारीख: 9-6-1980

प्ररूप आह[‡]० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 16 जून 1980

निदेश सं० वील्टी/80-81/68---४तः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा० से अधिक है।

थीर जिस की सं० जमीन 6के-19एम है, जो गोखूबाल बटाला में स्थित है (श्रीर इससे उथाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय एस० आर० वटाला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवम्बर 1979।

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिटो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय एया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, राधनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात:——

- 1. हरदियाल शिंह पुत्र मकमूदन सिंह वामी गोखुल बाल बटाला (अन्तरक)
 - 2. क्षी गैमर्स पंजाब राईस मिज गोखरूबाल हेरा रोड बटाला (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि सं० 2 ग्रौर कोई किरायेदार (बह व्यक्ति जिसके श्रिधिमोग में श्रधोहरुनाक्षरी जानना है।
 - 4. प्रीर कोई (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के एप लिखित में किए जा सकेंगे.

स्पष्टीकरण.---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

जमीन 6के-19 एम गांव गोख्वाल बटाला जैसा कि सेल डीड नं० 5248 दिनांक 4-11-1979 आफ रिजस्ट्री अधि-कारी बटाला में दर्ज है।

> ा,म० एल० महाजन सञ्जम प्राधिकारी गहायक भायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज स्रमृतसर

नारीख 16-6-1980 मोहर: प्रका भाई० टी० एन० एस०----

घाय तर अधिनियम, 1961 (1961 तः 43) की **धारा** 269-घ (1) के यथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 16 जून 1980

निदेश सं० बीएटी/80-81/69--प्रतः मुझे एम० एल० महाजन

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- इपए में प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं प्रापर्टी है, जो 6 के—19एम गांव गोखूबाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बटाला में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवस्वर 1979।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से ध्रधिक है धौर प्रन्तरक (श्रन्तरकों) धौर श्रन्तरिती (श्रग्तरितयों) के बीच ऐसे श्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त शन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के श्रघीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिपाने में स्विधा के लिए;

प्रतः, प्रव, उषत अधिनियम की धारा 269-ग के प्रतु-सरण ग, में, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- 1. श्री हरिवियाल सिंह पुत्र मकसूदन सिंह गांव गोखूवाल बटाला (ग्रन्तरक)
 - 2. मैंसरस पंजाब राईस मिल्ज ढेरा रोड बटाला (म्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि सं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है)।
 - 4. श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्त में हितवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्दी तरण: --इसमें प्रयुवत शब्दों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अष्टाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 6के—10एम गांव गोखूबाल तहसील बटाला जैसा कि सेल डीड नं० 5263/15-11-1979 प्राफ रजिस्ट्री-म्रयारटी बटाला में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज भ्रमृतसर

तारीख 16-6-1980। मोहरः प्ररूप घाई० टी• एन• एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ग्रमृनसर, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० अमृतसर/80-81/70---यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथ्यात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीत सभ्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० है, जो एक बिल्डिंग कटटा करम सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1979

को पूर्वोचत सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है बीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिता (अन्तरिता) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखिन में वास्तिक अप ने किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किनो भाय की बाबत, उक्त व्यक्तियम के भ्रभीन कर हैने के भक्तरक के वायित्व में कमी करने था उसपे भक्तों में मुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किमी अन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधितियम या अन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः असं, तकत प्रधिनियम की धारां 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निध्ननिधित व्यक्तियों, अर्थात्।——
10—156GI/80

 श्री गुरचरन सिंह चडढ्ग पुत्र अर्जन सिंह वासी निमक मंडी गली गन्डा अमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती पूनम पत्नी बाल किशन श्रौर नन्दनी वाइफ०/श्राफ सारूप नरेन वासी डी० 14-ए/27 माडल टाऊन दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

3. श्री गोपाल किशन 42-पी०एम० सालिग राम 30/-(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

लाला जुगल किशोर ६० 58/- प्रति माह ।

4. श्रौर कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ता क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्धों का, जो उक्त धिश्वित्यम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थे होगा, जो उस भक्ष्याय में दिया गया है।

अनुमुची

एक बिल्डिंग हाऊस नं० 382 से 399/नई—-new 843/ VIII-6 करम करम जिनें गली मुशकी मौहल्ला जैसा कि सेल डीड़ नं० 1969/, दिनांक 10-10-79 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रिष्ठिकारी के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृक्षकर ।

दिनांक: 9-6-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

मारत सरकार

सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जून 1980

निर्देश सं० ग्रमृतसर/80-81/79—यतः मुझे एम० एल० महाजन,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

श्रीर जिसकी सं० है, जो एक प्लाट 3 के०9½ एम० सुलतान विन्द रोड़ में स्थित है (ग्रीर इससे
उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन
अक्तूबर 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश में उका प्रन्तरण लिखित में वास्तिव रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी उसके या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर मधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उवत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री जसभीर सिंह, मनजिन्द्र सिंह पुत्र निरंजन सिंह वासी सुलतान विन्ड रोड भ्रमृतसर।

(श्रन्तरक)

 श्री परवीन कुमार पुत्र ग्रजेय कुमार 52-बी ईसट मोहन नगर श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि 1, 2 ग्रीर किराएदार

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई

(वह क्यक्ति जिसके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य क्ष्यिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही गर्थे होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक प्लाट 3-के०-9 $\frac{1}{2}$ एम० सुलतान विंड रोड पर जैसा कि सेल डीड नं० 4173 दिनांक 11-10-79 में रजिस्ट्री ग्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

दिनांक: 17-6-1980]

प्ररूप ग्राई० टी० एम० एस०---

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर दिनांक, 17 जून 1980

निर्देश सं० श्रमृतसर/80-81/72—यतः मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० है, जो प्लाट मुलतान विंद रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्तुबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परदृष्ट् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छन्न से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय वा किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त धिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :—

- श्री जसबीर सिंह, मनजिन्द्र सिंह पुत्र निरंजन सिंह वासी सुलतान विंग रोड़ श्रमृतसर।
 - (ग्रन्तरक)
- श्री परवीन कुमार पुत्र श्रजेय कुमार वासी करम ग्रालूवालिया ग्रमृतसर ।
 - (श्रन्तरिती)
- जैसा कि 1, 2 श्रीर किराएदार।
 (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध है**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा:
- (अ) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तित्व क किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा अधोत्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्होकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त झिंछ-नियम के झड़्याय 20-क में परिभाषित हैं वही सर्व होगा जो उस अड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 3 के $-9\frac{1}{2}$, स्पीड सुलतानी विग, रोड स्रमृतसर जैसा कि सेल डीड र्नू० 4172 दिनांक 11-10-79 रजिस्ट्री स्रधिकारी कार्यालय में दर्ज हैं।

एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

दिनांक: 17-6-1980

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

्रंग्रर्जन रेंज, अमृतसर

्थ्रमृतसर दिनांक, 21 जून 1980

निर्देश सं० ग्रमृतसर/80-81/73——यतः मुझे एम० एल० महाजन;

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं० हैं, जो एक प्लाट ग्रीन ऐवीनीऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, प्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उन्त प्रनारण विश्वित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण स हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या प्रस्प ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:-- 1. श्रमृतसर इम्प्रूवमैट ट्रस्ट श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री किशन कुमार माटिया पुत्र गोपी चन्द नियासी 474 ग्रीन एवेन्यू श्रमृतसर।

(अन्तरिती)

3. कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की क्षारीख के 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसू ची

एक प्लाट नं. 474 रकबा 1138 स्के० यार्ड ग्रीन एवेन्यू ग्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 1932/I दिनांक 31-10-79 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज स्रमृतसर ।

दिनांक : 21-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अभृतसर दिनांक, 21 जून 1980

निर्देश मं० अमृतसर/80-81/74—-यतः मुझे,एम० एल० महाजन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

ष्मौर जिसकी सं० एक प्रायटी है, जो दया नन्द नगर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, श्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मतिका उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, भीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उहें हा से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया एगा है:--

- (क) अन्तरम से हुई किसा आय को बामत जक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या धन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिया 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ सम्बन्धित हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में मुकिशा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियन की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की आरा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्रीमती बिमला रानी पत्नी श्री तिलक राज वासी कोठी नं 29, दयानगर, भ्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ऊमिल रानो पत्नी श्री कमलजीत सिंह श्रौर श्रीमती मीना कुमारी वासी बाजार कसेरियां, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर सं० 2 में ग्रीर कोई किराएदार हो तो

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई भ्रौर व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है।

> (बह व्यक्ति जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राष्ट्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो 'उक्त ग्रिधितियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

एक कोठी नं० 29-ए, जो कि दया नन्द नगर में स्थित है, जैसा कि सेल डीड नं० 2647/1 दिनांक 18-12-79 आफ रिजिस्ट्रिंग श्रथारिटी श्रमृतसर कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 21-6-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधोन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर दिनांक, 21 जून 1980

निर्देश स० श्रमृतसर/80=81/75---यतः मुझे ए.म० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की छा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने म कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० जायदाद है, जो कि दयानन्द नगर, श्रम्तसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्तसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन श्रम्तुबर 1979

को पूर्वोच्द संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती प्रोमिला मेहरा पत्नी श्री भ्रोम प्रकाश दया-नन्द नगर, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्रीमती ऊर्मिला रानी पत्नी इन्द्रजीत सिंह मीना रानी पत्नी श्री विमलजीत सिंह प्रवीन कुमारी पत्नी प्रदीप कुमार बाजार कसेरियां, श्रमृतसर । (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रौर कोई किराएदार हो सो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है।

 यदि ग्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रूचि रखता है।

> (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>ग्रजँन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे!

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त भ्राविनयम के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

एक कोठी नं० 29 ए० न० 1815/13-19 श्रीर नं० 1621/13-19 जो कि दयानन्द नगर श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि मेल डीड नं० 1966/1, दिनांक 9-10-1979 श्राफ रजिस्ट्रींग ग्रथारिटी श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, स्रमृतसर ।

दिनांक: 21-6-1980

प्ररूप आर्द्द. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

म्रमृतसर, दिनांकः 26 जून 1980

निर्देश सं० श्रमृतसर/80-81/76—पतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है, जो कटरा शेरों सह में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबस ग्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाभे में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात:——

- श्री लक्ष्मी चन्द पुत्र श्रमीचन्द निकासी गांव कोतवाली, तहसील नगीना, जिला बिजनौर द्वारा तिलकराज पुत रामनाथ, निवासी लम्बी गलीकटरा दूलो, श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
 - 2. श्री सुरेश कुमार लक्ष्मन दास, निवासी कटरा शेर सिंह, ग्रमृतसर ।

(भ्रन्त रिती)

- 3. जैसा कि सं० 2 और किराएदार यदि कोई हो। (यह व्यक्तित जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. भ्रौर कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किस्खित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसुची

एक प्रापटी नं० 1383/12-9 और नं० 1383 सी०/12- 9 कटरा शेर्रासह सामने रीजेंट टाकीज जैसा कि सेल डीड नं० 1962/1 दिनांक 9-10-79 रजिस्ट्री श्रिधकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमुतसर

दिनांक: 26-6-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० ---

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलौर बंगलौर,दिनांक 13 मार्च 1980

निर्देश सं० 272/79-80---यत:, मुझे एच० तिम्मय्या आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रमीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० मेट्रिज न० 50 श्रीर सर्वे० न० 128/1 से 4 तक है, जो काकोडा गांव, क्युपेम, गोवा में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्युपेम ग्रंडर डाकुमेंट नं० 247/79 दिनांक 27-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है धौर अन्तरक (ध्रन्तरकों) शौर अन्तरिती (ध्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रीधोनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्त श्रीधिनयम, या धन-कर श्रीधिनयम, या धन-कर श्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रब, उक्त श्रिविनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में.मैं, उक्त श्रिविनयम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :-- 1. गंतानन पोंडोरी नाइक, कर्गील श्रीर अनसूथा नाइक हमीलि 2. बीगोवंता पोंडोरी, नाइय कर्मील श्रीर वसुंधरा नाइक कर्मील, 3. होर यणवत नाइक कर्मील श्रीर जानकी नाइक कर्मील, 4. बाकार्ग यशवंत नाइक कर्मील श्रीर किशारी नाइक कर्मील, 5. पांडुरगा नाइक कर्मील उर्क पंडरिनाथ नाइक कर्मील श्रीर नीला पांडुरगा नाइक कर्मील, 6. श्रीजना विश्वनाथा नाइक कर्मील, 7. दिलिया विश्वनाथा नाइक कर्मील और 8. श्रियादा विश्वनाथ नाइक कर्मील सब काकोरा, गोवा में स्थित है।

(अन्तरक)

 मेसर्स णरीफ एन्टरप्राइसिस । खान मालिय और यातायात ठेकेदार प्रांतनिधि, प्रबन्ध प्रतिनिधि श्री कोलार नयीमुल्ला शरीफ पो० बो० न० 35 बन्साइ-कुर्चोरेम, गोवा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

खनत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पवों का, जो उक्त धिध-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4165.72 स्केथर मोटर जःराह ''बन्साइ कृतुंबीना'' जो काकोडा गांव, क्युपेस सब-डिस्ट्रिक्ट में स्थित है और जिसका मेट्रिज नंबर 50 और सर्वे नंबर 128/1 से 4 तक है।

> एच० तिम्मय्या, सक्षम प्राधिकारी महायय आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलौर

दिनांक-⊷-13-3-1980 मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयदार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेंज, बंगलीर

बगलौर, दिनांक 27 मई, 1980

निर्देश स० सी०ग्रार० 62/25129/79-80/ए० सी० क्यू०/ बी०---यतः सुझे एच० तिम्मस्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/-रः. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 810-1-ए० ग्रोर टी० एस० सं० 652-1-ए है, तथा जो कोडियालबेल गांव मञ्जागृहद्या वार्ड मगलूर शहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, मंगलूर शहर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवांक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐंदी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अंतर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

1. डा० सोमशेवरराव कडले नवरंग टाकीज के नजदीक, राजाजीनगर् बंगल्र-560010 ।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री एम० रमेग श्री गोविन्द ग्राचार्यों के पुत्र, मनेजर वेःनरा बैंक दिब्बरहल्ली क्रांच, कोलर जिला।

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

[दस्तावेज सं० 429/79-80 दिनांक 3-10-1979] घर सम्पत्ति जगह जिसकी टी० एस० सं० 652-1ए परिमिती 23 सेन्ट्स तथा जो कोडियालबेल गांव, मन्नागुड्डा वार्ड, मगलर शहर में स्थित है।

> एच० तिम्मय्या, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरक्षिण) श्चर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक--- 27-5-1980 मोहरः

11-156GI/80

प्रकप भाई•टी०एन•एस•---

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 21 जून 1980

निर्देश सं० नं० सी० म्रार० 62/25607/79-80/ए० सी० क्यु०/बी०---यनः मुझे एच० तिम्मय्या,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अञ्जीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 899 श्रौर टी० एस० स० 269 है, तथा जो कस्बा बाजार गांव, संगलूर में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, मगलूर शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 3-11-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी आय की बावत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐती किनो भाग या कितो बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

धत:, प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यिंक्तियों अर्थात् :--- 1. श्री के० बाल हष्ण शेनाय गोपाल दृष्ण शेनाय् के बेटा, कार स्ट्रीट, मंगलूर-1

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती लीला बी० भट्ट, डा० एम० बासुदेव भट्ट की पत्नी नया फील्ड स्ट्रीट मंगलूर-1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्ज</mark>न के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

छक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पढ़ीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभावित हैं, बही भ्रषं होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 737 दिनांक 30-11-1979)

जमीन और इमारत जिसकी धार० एस० 899 और टो॰ एस॰ 269 313.70 या॰ मी॰ साथ इमारत सं॰ 12-2-188।

> एच० तिम्मय्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजैन रेंज, बंगलर

विनांक⊶-21-6-1980 मोहरः प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रत, तहात्रक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जून 1980

निक्रेंश सं० सी० ग्रार० 62/25586/79-80/ए० सी० क्यु०/बो०--पतः मुझे, एच० तिम्मय्या,

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वांस करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिलका उनित बाजार मूल्य 25,000/- एपए से मिधिक है

म्रोर जिसकी जगह सं० 352 है, तथा जो 37वीं 'ए' कास, पांववा बनाक, जयनगर बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री नर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक 24 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तवित छप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण ते हुई किसी प्राय की वाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रयोग कर देते के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ज) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों का जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने मे सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उक्त_्ग्रधिनियम, को धारा 209-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम को धारा 269-य की उपधारा (1) के ग्र**धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों**, श्रयीतः—

- श्री जी० बी० नागराजा 683, 16 वीं मेन रोड 4 'टी' ब्लाक, जयनगर, अंगलूर-11
 - (भ्रन्तरकः)
- 2. श्रीमती चन्द्रा राजाराम 547/4 ग्रीर 5, इस्सार मेनशन्त- महडी, ग्रार० वी० रोड़, बंगलूर-4 (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

 एडोकरण--इसमें प्रयुक्त सम्दों और पदों का, जो उक्त म्राधि नियम, के म्राध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही म्राथे होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

(दस्तावेज सं० 2620/79-80 दिनांक 24-11-79 खाली जमीन सं० 352 म्युनिसीपल सं० 352/2 37वीं 'ए' कास 5वीं ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11

चकबन्दी:

उत्तर ——जगह सं० 348 श्रौर 349 दक्षिण ्रे ——37वीं 'ए' क्रास रास्ता पूर्व यो ——जगह सं० 353 पश्चिम ्रै—जगह सं० 354

> एच० तिम्मय्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकरभ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रैंज, बंगलूर ।

दिनांक: 21-6-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आमकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 21 जून 1980

निर्देश सं० सी० ग्रार० नं० 62/25171—यतः मुझे, एच० तिम्मय्या,

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भन्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूला 25,000/- क• से मिनिक है

प्रोर जिसकी सं० 5 है, तथा जो वेस्ट ग्राफ कार्ड रोड.

11 स्टेज, राजाजीनगर, बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 15-10-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक ह ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरित (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं हिया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राम की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुखिशा के लिए।

धतः। धवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रीमती जे० टी० राजेश्वरी श्रम्माल डी० स्वामीनाथ मुदलियार की पत्नी सं० 26/ए, महालक्ष्मी ले श्रीट, राजाजीनगर, बंगलूर-10

(भ्रन्तरक्षः)

 श्री बी० वेंकटाद्री गोट्टी, बी०, रंगप्प, गोट्टी के पुत्र सं० 2954, II स्टेज, राजाजीनगर, बंगलूर-10 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पव्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो 'खक्त अधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिचावित हैं; वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2783/79-80 दिनांक 15-10-1979) खाली निवेशन् सं० 5 वेस्ट म्राफ़ कार्ड रोड, II स्टेज राजाजीनगर बंगलूर-10।

> एच० तिम्म्य्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

दिनांक--- 21-6-1980 मोहरः

प्राक्ष ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जून 1980

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/25/25778/79-80/ए० सी० क्य ०/बी०-यतः मुझे एच० तिम्मय्या, म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उवित 25,000/- रुपए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 5 है, तथा जो रतन सिंह रीड, फेमर टाऊन, बंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 3 नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्षके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरह (ग्रन्तरको) भ्रौर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी किरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु॰ सरण में, में, श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चकी उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रचीत्:--- श्रीमती लक्ष्मी श्रम्माल दिवंगत नारायण स्वामी के पत्ती, सं० 22/1, सं० 8, मुदलियार गार्डन चौथा ब्लाक, विलियम् टाऊन बंगलूर-66

(भ्रन्तरक)

 श्री रसूल बेग, एम०, मोहम्मद बेग के बेटा, सं० 5 रतन सिंह रोड़, फेक्सर टाऊन बंगलूर।

(ग्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तल्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्शीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रीध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2239 दिनांक 3-11-1979) धर सम्पत्ति सं० 5 (पुरानी सं० 23) रतनसिंह रोड़, फ्रोझर टाऊन, बंगलूर-5।

चकबन्दी :

पूर्व --- जगह सं० 22 पश्चिम --- जगह सं० 24 उत्तर --- रेल लेन दक्षिण --- रतनसिंह रोड ।

> एच० तिम्मय्या; सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक—21-6-1980 मोहर : प्ररूप धाई ० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जून, 1980

निर्देश सं० नं० सी० श्रार० 62/26108/79व80/ए० सी० क्यू०/बी०---यत: मुझे एज० तिम्मय्या,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के भिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से भिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 9 हैं, तथा जो ब्रुटन टाऊन, सिबिल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्हीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 17 जनवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह अतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हु**दै किसी घाय की बाबत, उक्त** ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के घन्तरक के दायिश्व में 'कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर घिंघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिवित्यम, या धन-कर प्रिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में उक्त भ्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत् :---

 श्रीमती (1) मेरी मार्गरेट केल्ली (2) कुमारी ब्रिडगेट केल्ली (3) श्रीमती नोइल दोरोती मार्थस इन सब लोग सं० 9, ब्रूनटन रोइ, सिविल स्टेशन, बंगल्र ।

(ग्रन्तरक)

2. (1) डी० भ्रानंद बसप्पा सन्/आफ डी० बासप्पा

(2) मालती करतार सिंह लालवानी सं० 13, कैसेंट रोड ग्रींड्स, बंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:→→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

(दस्तावेज सं० 2972/79-80 दिनांक 117-1-1980 घर सम्पत्ति सं० 9 ब्रुटन् रोड़, सिविल स्टेशन बंगलूर । चकवंदी

उत्तर — जगह सं० 8 दक्षिण — जगह सं० 10 पूव — खासा सम्पति पश्चिम — ब्रुटन, रोड़

> एच० तिस्मय्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज बंगलूर ।

दिनांक---21-6-1980 मोहर: प्ररूप माई० टी• एन० एस०----

आयकर मर्चितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के मधीन पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 जून 1980

निर्देश सं० सी० भ्रार० 62/25636/79-80/ए० सी० क्यू०/बी०--यतः मुझे एच० तिम्मय्या, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिल्रिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सजन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित मस्य 25,000/-रुपये से श्रिक्षक है बाजार श्रौर जिसकी सं० पुराना सं० 63 श्रौर नई सं० 61, है, तथा जो गांधी बाजार रोड़ बंगल्र में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित, है (रजिस्ट्री-कर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, बसवनणुडी, बंगलूर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 नवम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्थह प्रतिशत से प्रधिक है पीर प्रश्तरक (धन्तरकों) भीर प्रश्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिक का ये क्रियत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से दुई जिसी भाष की बाबत उकत, प्रधि-नियम के भाधीन कर देने के भग्तरक के दाधित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किमी ग्राप्त या किसी घन या अन्य आंस्तियों की, जिन्हें, भारतीय भायकर श्रीव्यनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर श्रीव्यनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

भतः, अब, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त भविनियम की धारा 269-घ की उपभारा-1 के भवीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्षात् :--- मैं 1. श्री एम० ग्रार० लक्ष्मीकान्तराब पावर श्राफ घ्रटारनी होल्डर, श्रीमनी सावित्री प्रभाकर सं० 54, गांधी बाजार रोड़ बंगलूर-५।

(ग्रन्तरक)

2. श्री टी० के० ए० नारायण टी० वी० क्रिक्सस्य शेट्टी सं० 37/1, एच० बी० समाज रस्ता बसवनगुडी, बंगलूर-4।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्गन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (वा) इस सूचना के राजप्रथ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्होकरण:--इतमें प्रयुक्त मन्धों भीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2240 दिनांक 9-11-1979) घर सम्पत्ति सं० पुरानी सं० 63, नई सं० 61 गांधी

बाजार रास्ता, बंगलूर-४।

चकबंदी :

उत्तर --गांधीबाजार रोड़।

दक्षिण — ऋंसर्वेंसीले न्

पूर्व ---वेंकटरामय्या के घर

पश्चिम — गुरुमुत्री ग्राइतीके घर।

एच० तिम्मय्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर ।

दिनांक : 28-6-1980

प्ररूप आईं. टी. एन- एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आश्रकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 21 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० फा० स० नि० स० म्ना० मा०/ग्रजेंन/135/80-81--यतः, मुझे, एस० के० बिलस्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 669/2, 3 तथा 4 तथा 670/1 है तथा जो रामनगर, गोंदीया में स्थित है श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26 श्रक्तु बर 1979

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उष्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिचित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, म¹, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— श्रीमती रुकीबाई जेठानंद परसवानी रामनगर, नागपुर,
 (2) श्रीमती शिला प्रतापराव खंबांनी, उल्हासनगर,
 गोंदीया, (3) श्री हरगुणदास किशनदास परमवानी,
 रामनगर, नागपुर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री लक्ष्मणदास जवाहरलाल लालवानी, छपतरी जिला रायपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पृत्सि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारील से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मे एरिभाषित हैं, नहीं अर्थं होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

प्लाट नं० 669/2, 3 तथा 4 तथा 670/1, शिट नं० 38 सी०, रामनगर सिगनल टोलीवार्ड, गोंदीया, जिला नागपुर।

एस० के० बिलय्या, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरो**क्षण**) ग्रजन रेंज, नागपुर

दिनांक: 21-4-1980

प्ररूप आर्थ ही । एन । एन ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भ्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 21 श्चर्पैल 1980

निर्देश सं० फा० स० नि० स० ग्रा० ग्रा०/ग्रर्जन/ 136/ 80-81— —-यतः मृक्षे, एस० के० विलय्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपये से प्रधिक है

ष्मीर जिसकी सं० मकान नं० 309/04 सर्कल नं० 9 है तथा जो गकडखांब, नागपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता द्यधि-कारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12 श्रवसुबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ष्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल मे ऐसे ष्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक में किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहें। से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविज्ञ कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिक्षितियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आप या किनी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्चिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुश्रिधा के लिए।

अतः भव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269क्ष की उप-धारा (1) के अधीन निम्निजिखित व्यक्तियों. अर्था कः —— 12—156GI/80

- श्री बाबूलाल गोविंदरात्र वाणी, गकडखांब, नागपुर। (अन्तरक)
- श्रीमती प्रभावती शंकरलाल विवेदी, बड़धरा चौक, नागपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त समात्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी था से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध; को भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी शस्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहरूता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिक नियम के भव्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अव्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान नं० 309/04, सर्कल नं० 9, बार्ड नं० 10 डी०; गकडखांब नागपुर ।

> एस० के० विलय्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर ।

दिनांक: 21-4-1980

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर भ्रायुका (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निर्देण सं० फा० स० नि० स० म्रा० म्रा०/ग्रर्जन/137/80-81—यतः मुझे, एस० के० विलय्या,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 का पूर्व भाग, है तथा जो स्रमरावती में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय श्रमरावती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 5 श्रवतूबर 1979 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्न सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उनन ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनने बचने में मुविधा केलिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ळिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, भें, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत :-- श्री नितीन कुमार लक्ष्मीनारायण मुदलीयार ग्रज्ञान तथा श्रीमती मुशीलाबाई लक्ष्मीनारायण मुदलीयार, ग्रमरावती ।

(अन्तरक)

2. लें(कमान्य निर्माण संस्था, ग्रमरावती। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :→-

- (क) इप सूचता के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरपम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9 का पूर्व भाग, शोट नं० 9, श्रमरावती ।

एस० के० विलय्मा, सञ्जन प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, नागपुर ।

दिनांक: 21-4-1980

प्रकप धाई• टी• एत• एस•------

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 23 श्रप्रैल, 1980

निर्देश सं० फा० स० नि० म० ग्रा० ग्रा०/ग्रर्जन/138/80-81—यतः मुझे, एस० के० विलम्या,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-आ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- व से प्रधिक है

श्रौर जिसकी गट नं० 574/1, है तथा जो श्रासगांव, ता० तथा जिला भंडारा में स्थित है (श्रौर इससे उपलब्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भंडारा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15 श्रवतुबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उवत अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दायिश्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अग्निनयम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपबास (1) के प्रधीन, निश्नतिश्चित स्वक्तियों, अर्थात् 1--- 1. (1) पांडुरंग लालाजी बुझेकार, कोंण्डा ता० जि० भंडारा (2) बाबूराव लालाजी बुझेकार, कोण्डा ता० जि० भंडारा

(भ्रन्तरक)

 नारायण शिवरामजी, शिवमणि लकड्गंज, नागपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की धविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 विश की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्तः) इस भूवना के राजपदा में प्रकाशन को तारीस्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किया अन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोह्स्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पन्टीकरण:--६ तमें प्रमुक्त सम्बों भीर पदों का, जो उन्त प्रधितियम के भ्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रमें होगा, जो उस भ्रव्याय में विवा गया है।

प्रनुसूची

ग्रारामशीन मकान, गट नं० 574/1, एरीया, 10875 स्क्वेयर फूट, 1जा ग्रासगांव ता० जि० भंडारा,

एस० के० विलय्या, सक्षम प्राधिकारी_। सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण⁾ म्रर्जन रेंज, नागपु**र**

दिनांक : 23-4-1980

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

> > नागपुर-10, दिनांक 23 भ्रप्रैल 1980

निर्देश सं० फा० स० नि० स० भ्रा० श्रा०/ग्रर्जन/139/80-81—यतः मुझे, एस० के० बिलय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इस्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्वाचर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सर्वे नं० 305/ए० तथा 306/ए० है तथा जो पारतुर जि० परभणी में स्थित है (श्रीर इसमें उपलब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पारतुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22 अन्तुवर 1979 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बूश्यमान प्रतिफत्र के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत मधिक है भीर सन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (सन्तरितिभों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उच्न धन्तरण विश्वन में शस्तिवन रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिक्षित्यम, 1922 (1922 का 11) या उपल भिष्ठितियम, या भन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती भारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए।

क्तः वनः उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के कवीनं, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- लक्ष्मीचंद लालजी, (2) रत्तीलाल पदमसिंह मुंबई, डायरेक्टर पदेन से मुह्जी जिनींग आणि प्रेसींग कंपनी जि० पारतुर।

(ग्रन्तरक)

 इंद्रचन्द भवरीलाल छजलानी, म॰ 1, ता॰ पारटुर, जि॰ परभणी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी मार्जा:---

- (क) इस मूचना के राभाव में पकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अयधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वी नत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हि्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोह्स्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त श्रधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्व होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे० नं० 305/ए० तथा 306/ए० एरिया 12.32 हेक्टेयरस एरिया, मौजा पारतुर जि० परभणी ।

एस० के० बिलय्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर ।

विनांक: 23-4-1980

त्रक्षप भाई• टी० एम० एस•---

भागकर श्रिवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मई 1980

निर्देश सं० 13/प्रक्तूबर/79—यतः मुझे, ग्रो० ग्रानद्रांम, ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- इपये से अधिक है

श्रीर जिसकी डोर नं 134 श्रीर 134 ए० डिंडुगल रोड़, है, जो मद्दरें में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण क्या से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, ए० एस० श्रार-ा मदुरें (डाक नं० 3981/79) में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन श्रक्तुबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत जनत प्रधिनियम के घष्टीन कर देने के घण्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिष्ठिनयम, या धन-कर श्रिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अभ, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 269-घ को उपधारः (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अथीतः--- (1) श्री एस० वी० श्ररुणाचलम् (2) मैनर ए० करुणा-निदी (3) मैनर ए० सेलिल

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती टी० राजलक्ष्मी श्रम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारी कंस 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो की भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी स्थितित हारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी बा से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किपी अन्य व्यक्ति हारा, प्रोत्राक्षरी के पास लिखित से किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रयें होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अमस्ची

डाकुमेंट नं० 3981/79 जे० एस० श्रार०-II, मदुरै भूमि श्रौर निर्माण—डोर नं० 1348 134 ए० डिंडुगल रोड; मदुरै।

> श्रो० ग्रानंद्राम, गक्षम प्राधिकारी, सहाथक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-I, मद्रास,

दिनांग: 29-5-1980

प्रका बाई • दी • एन ० एस •-----

यावकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के बन्नीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मई 1980

निदेश सं० 14/श्रक्तू बंद/ 79—यतः, मुझे, श्रो० श्रानन्द्राम आयकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्यति, जिएका उचित बाजार मुस्य 25,000/- इपये से अधिक है

श्रीर जिस की सं० 134 श्रीर 134ए डिंडुगल रोड़ है, जो मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे०एस० श्राई-II मदुरै डाकु० नं० 3980/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिकत के लिए भन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान श्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तर श्रतिशत अधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिख खत में बास्तविक का से कथा नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी ऋरके या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसा किया आय या जिया धार या अन्य पास्तियों कों, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गद्या था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्थिका के सिए।

अतः अभ. उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्।— (1) श्री एस० वी० चौककलिंगम (2) मैंनर सी० श्रीनिवासन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती टी० राजलक्ष्मी ग्रम्माल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बात में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समानि में हित्रक किसी प्रका व्यक्ति द्वारा, प्रधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पट्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिक्षित्यम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित ह, वहीं भार्य होगा, जो उन प्रध्याय में विधा गया है।

ग्रन्स्ची

(डाकुमेंट नं० 3980/79 जे० एस० आर०-I; महुरै) भूमि और निर्माण डोर नं० 134 और 134 ए डिंडुगल रोड़, मदुरै

> स्रो० श्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 29 मई 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I भद्राम

मद्रास-I, दिनांक 29 मई 1980

निदेश सं० 15/ग्रक्तूबर/79—यतः, मुझे, श्रो० श्रानंब्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिस की सं० 134 श्रौर 134ए डिंडुगल रोड़ हैं, जो मदुरें में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रीर०-II, मदुरें (डाक नं० 3977/79) में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर 79

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियों उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिह;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्री एस० बी० रामनाथन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती टी० राजलक्ष्मी श्रम्माल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

(डाकुमेंट नं० 3977/79 जे० एस० आर०-11, मदुरै । भूमि और निर्माण डोर नं० 134 और 134 ए डिड्गल रोह, मदुरै ।

> स्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I मद्रास

दिनांक : 29 मई 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज । मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मई 1980

निदेश सं० 41/प्रक्तूबर/79—स्तः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं ं नं ं 294/3 प्रलमर को मिल, मदुरे हैं, जो मदुरे में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रलगर को मील मदुरें (डाक नं ं 1711/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत श्रिधक हैं भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किती ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

भ्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. भ्रथीत:——

(1) श्रीमती बौँ० चंदरा ऋष्मात (2) पीं० तगैम नाडार

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री म्नार० एम० वी० समिवरनम

2: अगर० एम० वी० बालमुआमनियम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'जक्त श्रीधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

डाकुमेंट नं० 1711/79 एस० श्रार० ग्रो० श्रलरारकोमील मदुरै

भ्मि और निर्माण सं० नं० 294/3 ग्रालगरकामील मद्दरै

श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सह(यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 29 मई 1980

प्ररूप थाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के स्रवीत सूचना

भारत सरकार

हायातिम, सङ्ग्यक प्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज । मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मई 1980

क्रिनदेश सं० 43/श्रक्तूबर/79-यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम असमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिस की सं० 4 से 7 वरदराजपेक्साता कोमील स्ट्रीट, मद्रास 81 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रामपुरम, मद्रास (डाक नं० 1436/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के निए अन्तरित को गई है श्रौर मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोन्न सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्तिविधा उद्ध्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त ग्रिधि-नियम के ग्राधीन कर देते के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त मधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, धक्त मधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात, ----13---156GT/80

- (1) श्री बी० पी० सुबरमिनयम मुदालियर
 - (2) पोन्नमल
 - (3) इणारानी
 - (4) बी० एस० पार्थसारथी
 - (5) नीला रानी

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) श्री जी० बनरलाल,
 - (2) मोहन बै
 - (3) बी० रमेशचंद

(भ्रन्तरिती)

को यह पूर्वना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्यक्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के रागरत में प्रकागन की तारीख से 45 दिन के भी र उन्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा नहेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ऋघि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है .

ग्रनुसूची

ड/कुर्नेट नं० 1436/79 एस० ग्रा'र० ग्रो० रामपुरम, मद्रास भूमि ग्रौर निर्माण- टोर नं० 4, 5, 6 ग्रौर 7, वरवराज पेरूमाल कोमिल स्ट्रीट, मद्रास -81

> श्री० श्रानंद्राम सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जम रेंज । मद्रास

दिनांक: 29 मई 1980

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस.---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मई 1980

निदेश सं० 57/अक्तूबर/79—यतः, मुझे, श्रो० आनंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिस की संव नमी डोर नंव 2, सिंगरामर कालनी हैं, जो तल्लाकुलंग ,मदुरें में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, मदुरें डाक नंव 4353/79 में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रीधीन ग्रक्तुबर 79)

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरेय में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अक्ष, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्रीमती के० ए० श्रामिशाबी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मंजुला एम० प्रजमीरा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी बें पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 4353/79 एस० श्रार० श्रो० मदुरै) भूमि श्रोर निर्माण नमी डोर नं० 2, (पुराना नं० 33) ष्लाट नं० 29, सिंगरामर कालनी, तल्लाकुलम, मदुरै।

> ग्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, मक्रस

विनांक : 29 मई 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जून 1980

निदेश सं० 11/श्रक्तूबर/79—-यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं 1037 (नमी न० 14) लक्षमीपुरम 7 स्ट्रीट, हैं जो मदुरें में स्थित हैं (ग्रोर इसते श्रनुसूची उपाबद में ग्रोर पूर्ग का से वॉणत हैं), रिजस्ट्री हर्ता श्रिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० II मदुरें (डाफ न० 3836/79) में रिजस्ट्री हरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 (के श्रिधीन श्रक्तुबर 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रग्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिश्रनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिश्रनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के लिए;

पतः प्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-म की उपघारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रवीत्:--- (1) श्रीमती ग्रार० मुत्तम्माल

(मन्तरकः)

(2) श्रीमती एल० सरोजा

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रजांन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख में 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाप निखन में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इनमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अमुसुची

(डाकुमेंट नं० 3837/79 जे० एस० म्रार० II, मदुरै)

भूमि श्रौर निर्माण—डोर नं० 1037 (नमी नं० 14) लक्षमीपुरम 7 स्ट्रीट, मयुरै ।

> ग्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 9 जून 1980

प्ररूप आहैं । दी । एन । एस । ---

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जून 1980

निदेश स० 12/प्रक्तूबर/79—पतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं 1037 (नई नं 14) लक्षमीपुरम 7 स्ट्रीट है, जो मदुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी के कार्यालय, जे एस ग्रीर II मधुर (डाक् नं 3835/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक ग्राक्त्वर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और√या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्रीमती ग्रार० मुत्तममाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एल० सरोजा

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में गरिभाषित हु⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁴।

मनुस्की

डाकुमेंट नं० 3835/79 जे० एस० ग्रार० II, मधुरै भूमि ग्रीर निर्माण-डोर नं० 1037 (नयी न० 14) लक्षमीपुरम 7 स्ट्रीट, मदुरै ।

> म्रो० श्रानंद्वाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोंज-1, मद्वास

दिनांकः: 9 जून 1980

प्रकप श्राई० टी॰ एम॰ एस०--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जून 1980

निदेश सं० 36/श्रक्तूबर/79-⊶यतः, मुद्ये श्रो० श्रानंद्राम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर समात्ति जिसका उचित्र बाजार मून्य 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसकी संव नयी नंव 6 सैकंड लेन बीच हैं, जो मद्रास-I में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद अनुसूधी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), राजस्त्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, जेव एसव श्रारव II मद्रास नार्थ (डाकूव नंव 4101/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक श्रवत्वर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के वृश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह अतिशत से श्रीधक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्राध-नियम के ग्राधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण मैं, भें, नन्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— :

- (1) मैंरासं मार्शन सम्स एण्ड को० (इंडिया) लि०। (अन्तरक)
- (2) बुरहानी एस्टेट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रविध या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
 - (ख) इस सूबता के राजान में प्रकाशन की नारीख से 45 दित के भीतर उत्तर स्वावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पढ्टो हरू ग:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्राधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्राध्याय में विया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4101/79 जे० एस० ग्रार० II मद्रास नाथ भूमि ग्रौर निर्माण-डोर नं० (नयी) 6 सैंकड लेन बीच, मद्रास-600001।

> स्रो० भ्रानंद्राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 9 जून 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-<u>ा</u> मद्रास

मद्रास, दिनांकः 9 जून 1980

निदेश सं० 71/अभनूबर/79—यतः, मुझे, श्रो० श्राद्रानंम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस को मंग 1, वोस्ट श्राफिस स्ट्रीट है, जो मद्रास-1 में स्थित हैं (श्रीर इसके उग्रबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रोन हो जो ग्री जारी के कार्यालय जेग एसर श्रारम्-III, मद्रास नार्थ (डाकु नं 3953/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिन वस ,1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनां कश्रक्तूबर 79 को पूर्णों कत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक क्य से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों अथितः— (1) मिल स्टोर्स प्राईवेट लि०,

(भ्रन्तरकः)

(2) (1) श्री के० मोहम्मद यासिन

(2) श्रीमती सलुह्या बीबी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पत्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

(डाकुमेंट नं ० 3953/79 जे ० एस० ग्रार०-III मद्वास नाथ) भूमि ग्रौर निर्माण-डोर नं ० 1, पोस्ट ग्राफिस स्ट्रीट, मद्रास-1।

> स्रो० स्नानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक द्वायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 8 जून 1980

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

अायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 369-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास , दिनांकः 9 जून 1980

निदेश सं० 8/नवम्बर/79---यतः, मूझे, ग्रो० ग्रानंप्राम भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- राये से प्रधिक है स्रीर जिसकी सं० नं० 41, ग्ररगेनियन स्ट्रीट, है, जो मद्रास-I में स्थित है (श्रीर इससे उपायस अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० भार०-Ш, मद्रास नार्थं (डाक्० नं० 4729/79) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक नवम्बर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझेयह विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुग्यमान प्रतिफन से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफला का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी आप या खिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, प्रव, उश्त प्रधिनियम को धारा 269-में के प्रनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-में को उपप्रारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पृक्तियों, प्रथात्ः⊸ (1) श्रीमती सुलोचना

(श्रन्तरकः)

- (2) (1) फखरूद्दीन मोहम्मद प्राली
 - (2) श्रीमती फातिमा बी

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप :--

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दी तरगः -- - दसमें प्रयुश्त शब्दों श्रीर पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

भ्रनुसूची

(डाकुमेंट नं० 4729/79 जे० एस० श्रार० III, मद्र सनार्थ) भूमि श्रौर निर्माण -डोर नं० 41, श्ररमेनियमन स्ट्रीट, मद्रास-I।

श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 9 जून 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

पावकर धविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रजीत सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निदेश सं० 10443---यतः, मुझे, राधा बालकृष्नन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सञ्जाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिलका उचित बाजार मूख्य 2.5,000/- च० से अधिक है भौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1/1402/2 है, जो फ़ुब्नरायपुरस में स्थित है) ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से व्यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयमबसूर (डाकूमंट सं० 5162/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक प्रक्तूबर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुक्य से कम के पृश्यमान प्रतिपत्तल के निए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करमे मा**कारण है कि सभा**पूर्वीक्त संपत्ति नाउक्ति *बाजार* भूरूय, उसके बुध्वमन्त प्रतिफल से, ऐसे वृत्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) भीर पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

(क) प्रस्तरण से हुई किसी मान की बाबत उनत मिक नियम के ब्रामीन कर बेने के प्रस्तरक के बायरब में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर्यमा

कत निम्ननि**बि**त उद्देश्य से उपत भग्तरण निवित में बास्तविक

रूप से कचित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐथी किसी श्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, _1922 (1922 को 11) या उक्त- श्रिधित्यम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में मुविधा के लिए;

अतः धव, उपत मधिनियम, की बारा 269-न के पनुसरण में, में, छक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अक्षीम, निम्निक्षिन व्यक्तियों, प्रचौत्। --- (1) श्री राजराजेश्वरी इनटर प्राईजिज

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० सुब्बैया नायडु

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति ुके अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र:---

- (ता) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्त व्यक्तियों में से किसी क्यमित हारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्पावर संपत्ति में हित-इक्क किसी धन्य व्यक्ति द्वारा स्वश्वेत्वस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सक्तेंगे।

स्ववदीकरगः ---इसमें प्रयुक्त घाव्यों और पर्दों काः जो समत अक्षितियम के अध्याय 20-क में परिकाशित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अक्ष्माम में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 1/1402/1, कृष्नरायपुरम (डाक्सेंट सं॰ 5162/79)

> राधा बालकृष्मन् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 17 जून 1980

प्ररूप आद. टी. एन्. एस. -----

(1) श्री राजराजेसवरी एनटर प्रैसस

(भ्रन्तरक)

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० पार्थसः रथी

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुन 1980

निदेण सं० 10443—यतः, मुझे, राधा बालकृष्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं टी० एस० सं 1/1402/1 है, जो कृष्णरायपुरम में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कोयमबटूर (डाक्मेंट सं 5163/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक श्रक्तुबर 79

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियाँ। वह बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितिस्त उद्वोद्य से उक्त अन्तरण निम्नितिस्त नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——
14—156GI/80]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पटीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

(भूमि टी० एस० सं० 1/1402/1, कृष्णरायपुरम। (डाक्मेंट सं० 5163/79)

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजेन रेंज-I^I, मद्रास

दिनांक: 17 जून 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 जन 1980

निदेश सं० 10443—यतः, मुझे, राधा बालकृष्नन्, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपए से श्रीधक है

भ्रौर जिसकी सं टी० एस० सं 0 1/1402/1 है, जो कि कृष्तराय-पुरम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोयमबतूर (डाकूमेंट सं० 5164/79) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी त्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रास्त श्रीस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रीय-कर श्रीधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अबः, उक्तः ग्रिप्तिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रिष्टीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :-- (1) श्री राजराजेश्वरी इनटर प्राईजिजा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० देवराज।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि जो मी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्परका करण:—इसमें प्रयक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी टी० एस० सं० 1/1402/1, कृष्नरायपुरम $\left(\mathbf{s}_{1} \mathbf{s}_{1} \mathbf{r}_{2} \mathbf{r}_{3} \mathbf{r}_{3} \mathbf{r}_{4} \mathbf{r}_{3} \mathbf$

राधा बालकृष्नन् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II मद्रा**छ**

दिनांक : 17 जून 1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निदेश सं० 10428—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णनन्, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-व के प्रशा तक्ष्म पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 1—11, है, जो सर्वे सं० 358 और 344 मेलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुमूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कुनूर (डाकूमेंट सं० 1152/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूवर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तर है (अन्तरकों) शीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशम से उक्त अन्तरण निख्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (ह) यनरगां हुई हियो प्राप हो बाबा उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरह के दायिस्व में कमी करने या उत्तते बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायक्तर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त पश्चितियम की घारा 269-ग के पनुसरण में, में, उन्त प्रधितियम की घारा 269-प्र की उन्धारा (1) के अधीत, तिम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) दि निलगिरीस डैयासेसन सोसायटी ।

(भ्रन्तरक)

(2) भ्रोलैण्डस् एस्टेट कम्पनी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भनुसूची

भूमि घौर निर्माण-घार० एस० सं० 344 घौर सं• 358, मेलूर (डाक्मेंट सं० 1152/79)

> राधा बालकृष्णनन् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,-II मद्रास

दिनांक: 17 जून 1980

प्रइप आई• टी• एन० एस•----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निदेश सं० 10428—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिस की सं० पलर्मारा एस्टेट हैं, जो मेलूर में स्थित हैं ग्रौर इससे उपायद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कुनूर (डाक्मेंट सं० 1151/79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का) 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्तूबर 79

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन; —

(1) दी नीलगिरिस डीयोसेसन सोसायटी

(ग्रन्तरक)

(2) इनलेक शिर्पिनग कम्पनी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण पलर्मारा एस्टेट, मेलूर । (डाक्मेंट सं० 1151/79)

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 17 जून 1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-U, मद्रास

मद्रास , दिनांक 17 जून 1980

निवेश सं ० 10483—यतः, मुझं, राधा बालकृष्ण भ्रामकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० जीरा० सं० 312/1, है, जो कश्चमपालयम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूलूर (डाकूमेंट 10483/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन प्रक्तूबर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) श्रीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ३--

- (क) घन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपग्रारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मरियम्माल श्रीर श्रदरस

(ग्रन्तरक)

(2) मती यारनस

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखासे 45 वित की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अवि नियम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित है ही ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि धौर निर्माण- जीरास सं० 312/1, कक्षमपालयम (डाकूमेंट सं० 1587/79)

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 17 जून 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयंकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हा**यक **धायकर धायुक्त (निरीक्षण)** ध्रर्जन रेंज- Π , मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निदेश सं० 10441— यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन् धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिनका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से घश्चिक है

ग्रीर जिसकी सं० 19/43-44, है, जो बिग बजार स्ट्रीट कोयम्बट्टर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, कीयम्बट्टर (डाक्सेंट सं० 5517/79) में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रावत्वर 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) प्रन्तरण से तुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भत्र, उनत श्रश्चितियम, की धारा 269-ग ने भ्रमुसरण में, में, उनत ग्रश्चितियम की धारा 269-भ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अभित :--- (1) श्री के० माहुल हमीद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रा० सी० कुनजरमत कुट्टी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसन्कधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ज) इन सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्माल में हित-वढ़ किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा अक्षीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंके।

स्वच्दीकरण :---इअमें प्रयुक्त सम्बों श्रीर वदों का, जो सक्त श्रिक्षितियम के श्रम्णाय 20-क में परिशाषित तै, वही श्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

भूमि ग्रौर निर्माण-19/43-44, बिग बाजार स्ट्रीट कोयम्बन्तर । (डाक्मेंट सं० 5517/79)

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 17 जून 1980

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निदेश मं० 10441--यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु० से अधिक हैं और जिम की सं० 19/143 हैं, जो बिग बाजार स्ट्रीट कोयम्बत्र में स्थित हैं (बीर इससे उपाबद्ध अमुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्र (डाक् मेंट सं० 5213/79 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिन नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक प्रकृत्वर 79 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृद्ध यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्तह

प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुक्था के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—— (1) श्री कें शाहुल हमोद

(भ्रन्सरक)

(2) श्री रा० सी० कुनजहमत कुट्टी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण- 19/43, बिग बाजार स्ट्रीट कोयम्बतुर (डाक्मेंट सं० 5213/79)

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्राम

दिनांक : 17 जून 1980

प्रका शाई • टी • एन • एस • ---

धायकर ग्रह्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के ग्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निदेण सं० 7524—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है

श्रीर जिस की सं० 6, जगदामबाल कालोनी है, जो मद्रास-14 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्मेंट सं० 1688/79) में भारतीय रजिस्द्रीकरण ग्रधियनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तुबर 79 को पूर्वोक्त संपत्ति 🕻 के उचित बाजार मूल्य से के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रग्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (ह) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त सिध-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, सब, जनत सधिनियम की बारा 269-ग के सनुसरण में, में, जनत सिंहित्यम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों खर्चात् :--- (1) श्री बी० रामनाथ दवे जानकी वाय

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० कृष्णमूर्ती

(ग्रनरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य स्थित हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टी अरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-6, जगदामबाल कास्रोनी, मद्रास-14 (डाकुमेंट सं० 1688/79)

> राधा वालकृष्णन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज-II, मद्राम

दिनांक : 17 जून 1980 मोहर : प्रका भाई • टो • एन • एस • ---

आयकर निवित्तमन, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निदेश सं० 7667---यतः, मुझे, राधा बालकृष्न, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विपवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से पश्चिक है और जिसकी सं० 1/16 है, जो स्टरलिनग रोड़, मद्रास-34में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) , रजिस्ट्रोकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ (डाकूमेंट सं० 4195/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्तुबर 79 को पूर्वीवत सम्पत्ति के एचित बाजार मृहय से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके बृश्यमान प्रतिषक्ष से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिकत से प्रधिक है घोर ग्रन्तरक (धन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रस्तरण सिक्षित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उन्त पिधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, अक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अग्रीन, निम्नलिखित ग्यक्तियों, अर्थात्:--15--156 GI/80 (1) श्री जो० एन० राजलक्षमी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री स्नार० रामचन्द्रन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करते पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उवन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राअपन्न में प्रकाशन भी तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित्बद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रमोहस्ताकरी के पान लिखित में किये जा सकेंगे।

स्रवद्योक्तरमः -- - इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो खण्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिणायित है, बही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ब्राँर निर्माण-1/16, स्टरिलनग रोड़, मद्राम-34(डाक्मेंट सं० 4195/79)

> राधा बालकृष्णनं मक्षम प्राधिकारो सहायक फ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षण) भ्रजीन रेंज 11, मद्राम

दिनांक: 17 जुन 1980

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस.----

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्राम

मद्रास, दिनां रः 17 जून 1980

निदेश सं० 7692—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्वति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिस की संव 11, II स्ट्रीट है, जो गोपालपुरम मद्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, मैलापुर (डाक्सेंट संव 1777/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिबित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई िक्सी श्राय की बाबन, उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में मुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त श्रक्षितियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के धधीन निग्तिजिखत व्यक्तियों, धर्यात्:—— (1) श्री एम० चेल्लम सी० सीतारामन

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती दयावती प्रभाकरन

(प्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की भ्रविध जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़
 फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के भड़पाय 20-क में परिमाधित है, वही मर्थ होगा, जा उस मड़पाय में विया गया है।

अनुमूची

भूमि और निर्माण-11, I^{I} स्ट्रोट गोपालपुरम, मद्रास (डाक्मेंट सं० 1777/79)

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्र्यर्गन रेंग्र II, मद्राम

दिनां ह : 17 जून 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज II मद्रास मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निदेण सं० 7695—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरितृ जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिस की सं० 15, पूरम प्रकाश राव रोड़ है, जो बालाजी नगर मद्रास-14 में स्थित है भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक् मेंट सं० 1809/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रक्त्वर 79

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्शेश्य से उक्त अन्तरण िलिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री टी० राजेन्दर बाबु

(अन्तरक)

(2) जेनुबां ग्रीर ग्रदरस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपह्ति मों हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

भूमि घ्रौर निर्माण-15, पूरम प्रकास राव रोड, बालाजी नगर, मद्रास 34 (डाकुमेंट सं० 1809/79)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) धर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 17-6-1980

माहरः

प्ररूप आइ². टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्राम, दिनांक 17 जून 1980

निदेश सं० 7699—यतः, मुझे राधा बालक्रण्णनं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिस की मं० 56, है, जो जम चर्च रोड़ मद्रास-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रार पूर्ण रूप से विज्ञत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्सेंट सं० 1830/79) में भारतीय रिजिस्ट्राकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान दिनांक श्रक्तुबर 79

को पूर्वावत संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावत संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच एगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आया-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग्धार्थ अन्ति (रती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) ब्रार० मुलोचना

ग्रीर ग्रादरम

(ग्रन्तरक)

(2) महालक्षमी चेम्बरम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-56, जभ चरच रोड़, मद्रास-4 (डाकूमेंट सं∘ 1830/79)

> राधा बालकृष्णनं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्राजैन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 17 जून 1980

प्रकृष साई • टी • एन • एम • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जून 1980

निदेण सं० 8797—यतः, मुझे, बाल राधाकृष्नं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

श्रीर जिस को सं० टा० एस० 1216/1 है, जो ई० वो० श्रार० रोड़, करूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्वा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, करूर (डाक्सेंट सं० 4080/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रवत्यर 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के निए अन्तरित की गई है और भुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उनके कृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिज्ञत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किया नहीं किया गया है:~~

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की दावन जनन अधिनियम के अधीन कर देने के घम्सरक के दायित्य में कमी करने मा उससे वचने में मुनिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या खन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या किया जाना जाहिए था, खिपानें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उका अधिनियम की धारा 269ग के पनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (2) रा० टो० पिच्चैमुल और अदरम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० पो० मामियाताल

(भ्रन्त(रर्तः)

को यह सूचना जारी करने पूर्वीक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्पति के अजँन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अशिष्ठ, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रमुक्त गम्बों भीर पर्दों का, जी उन्ध भिधितमम के जन्माय 20-क में परिभाषित है, बही मर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-टी० एस० सं० 1216/1, ई० वी० ग्रार०, रोड़, करूर (डाकुमेंट सं० 4080/79)

> राधा बालकृष्णनं मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज II, मद्राम

दिनांगः: 17 जून 1980

MINISTRY OF HOME AFFAIRS OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 20th June 1980

No. E-32015(1)/1/80-Pers.—The President is pleased to appoint Shri Bal Raj Mehta, Fite Adviser, C.I.S.F., as Dy. Inspector General (Fire) who assumed the charge of the suid post with effect from the afternoon of 19th June, 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE Inspector General/C.I.S.F.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 26th June 1980

No. 11/43/80-Ad.1.—The President is pleased to appoint Shri Dina Nath Sharma, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla as Assistant Director of Census Operations in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis for a period of one year with effect from the forenoon of the 7th June, 1980 or till the post is filled in on regular basis whichever period is shorter.

The above mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Sharma any claim to regular promotion to the grade of Assistant Director of Census Operations. The services rendered by him on ad-hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to any higher grade. The above mentioned ad-hoc promotion may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reasons there-

The 27th June 1980

No. 10/40/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. R. Mehta, Health Education Officer in the Central Health Education Bureau of the Directorate General of Health Services, a Senior Research Officer (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in a temporary capacity, as a direct recruit, with effect from the fore-noon of 16th June, 1980, until further orders.

2. The Headquarter of Dr. Mehta will be at New Delhi.

No. 11/49/79-Ad.1.—The President is pleased to appoint Shri Asharil Lal, an officer belonging to the Delhi Administration as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Delhi, by transfer on deputation basis with effect from the forenoon of the 9th June, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Asharfi Lal will be at New Delhi.

The 30th June 1980

No. 11/42/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Prem Nariani, an officer belonging to Grade 'A' of the C.S.S.S. cadre of the Ministry of Home Affairs' to the post of Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, at Bombay, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 9th June, 1980, for a period of one year.

2. The Headquarter of Shri Nariani will be at Bombay.

P. PADMANABHA, Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P.), the 25th June 1980

BNP/C/5/80.—The undersigned is pleased to appoint the following permanent Junior Supervisor (Ink Factory) to officiate on regular basis as Technical Officer (Ink Factory) in the scale of pay 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 17-5-80 (FN) Until further orders.

- 1. Shri J. N. Gupta,
- 2. Shri Arun Kumar Ingle.

Their names are appearing in the order of merit, as adjudged by D.P.C. (Group 'B').

The 26th June 1980

F. No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Deptt's No. BNP/C/3/80.—In continuation to this Deputs Notification of even number dated 1-4-80, the ad-hoc appointment of Shri R. C. Agrawal, as Technical Officer (Printing & Platemaking) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of 3 months with effect from 25-6-1980 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, on the same terms & conditions.

> P. S. SHIVARAM, General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461005, the 17th June 1980

No. P.F. No. PD/3/3108.—In continuation of this office Notification No. PD/3 2475 dated 3-6-1980 the officiating period of Shri S. K. Anand A.W.M. is hereby extended up to 4-7-1980 against the leave vacancy of Shri P. P. Sharma A. W. M.

S. R. PATHAK General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 20th June 1980

No. 1173/A.Admn/130/79-80.—On attaining the age of superannuation Shri A. S. Ranganathan, officiating Officer, of the Audit Department, Defence Services, from service, with effect from 31st May 1980 (AN). Audit retired

K. B. DAS BHOWMICK, Jt. Director of Audit

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 11th June 1980

No. 37/80/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Assistant Manager (Prob) with effect from the dates shown against them :-

Shri S. F. Coutinho, 16th July, 1979.
 Shri N. H. S. Ahmed, 26th December, 1979.
 Shri S. C. Bajpai, 31st December, 1979.
 Shri Abdul Hamied, 21st February, 1980.
 Shri R. K. Sharma, 5th April, 1980.

No. 38/80 G.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Temporary Assistant Manager with effect from the dates shown against them:

- Shri M. K. Mishra, 13th January, 1980.
- Shri G. Mohan Singh, 23rd January, 1980.
 Shri B. L. Pathariya, 30th January, 1980.

The 21st June 1980

No. 39/80/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Assistant Manager (P/Ty.) with effect from dates shown against them :-AM(P)

- 1. Shri Vinod Kumar STNGH (Refee, ESE 1977)-30th March. 1979.
- 2. Shri Ravi SHANKAR (Refce, IAS etc. Fxam, 1978) ---26th December, 1979.

3. Shri Madan Gopol KAMBOJ (Refce, ESE 1978)~ 9th January 1980.

TY. AM

- Shri Shvet CHANDRA—29th October 1979.
 Shri Suresh CHANDRA—22nd January 1980.
 Shri Umesh SAXENA—27th August 1979.
 Shri Jagdish Mohan SAXENA—29th June 1979.
 Shri Gendah I al SHFROMANI—2nd November 1979.
 Shri Namdeo Shahu BORKAR—17th September 1979.
 Shri Pradip BISWAS—21st January 1980.

(Sl. No. 4-10-Refce. UPSC No. F.I/329/78/RD 7-10-78).

The 20th June 1980

No. 41/80/G.—The President is pleased to appoint Shri Mahesh Gupta, as Assistant Manager (Prob)/Admin. with effect from 16-1-1980 (F/N).

No. 42/80/G.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Sharma as Assistant Manager (Prob)/Fngr. effect from 28-1-1980 (F/N).

> V. K. MEHTA, Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVFLOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 26th June 1980

No. 12/623/69-Admn.(G).—Shri B. M. Sharma has relinquished charge of the post of Asstt. Director (Gr. I) (Industrial Management & Training) in the Small Industries Service Institute, Indore, with effect from the forenoon of 1st May, 1980.

2. The services of Shri B. M. Sharma are placed at the disposal of the Indian Investment Centre. Bhopal with effect from the forenoon of 1st May, 1980, for appointment as Administrative-cum-Accounts Officer.

No. A-19018/117/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. Ramakrishnan, Asstt. Director (Gr. I) (Electronics) in Small Industries Service Institute, Bangalore as Deputy Director (Electronics) in Small Industries Service Institute, Bangalore with effect from the forenoon of 19th May, 1980, until further orders.

No. A-19018/321/77-Admn.(G).—The President is pleas-to accept the resignation of Shri S. S. Bhosarekar from the post of Deputy Director (Metallurgy), Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the afternoon of 10th April, 1980.

> M. P. GUPTA. Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES Nagpur, the 26th June 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under class 6 Division-3, after the entry "SEISMIC ELECTRIC DETONATORS", add the following, namely:

- 1. "SUPER PLAIN DETONATORS (No. 8 strength)"
- 2. "SUPER ELECTRIC DETONATORS (No.

No. F.11(7).—In this Department's Notification No. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division 1, add "PRACHAR, PRAGALPH and PRAKASH" after the entry "PRACHAND".

> I. N. MURTY, Chief Controller of Explosives.

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 26th June 1980

No. A.19011(208)/78-1-stt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Gurachary, Junior Mining Engineer-to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 20-3-80.

The 28th June 1980

No. Λ-19011(63)/70-Est(A.—On his voluntary retirement on 6-6-80(Λ/N), Shri N. A. Subramanian, Permanent Deputy Ore Dressing Officer and Officiating Ore Dressing Officer is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 6-6-80 and accordingly his name is struck of the strength of the effective establishment of this department. lishment of this department.

No. A19011(253) /78-Estt-A .- Shri S. R. Kate, Assistant Controller of Mines (on ad hoc) is granted proforma promotion to the post of Assistant Mining Engineering, Indian Bureau of Mines with effect from 11-4-80 under Fundamental Rule 30 "Next Below Rule" until further orders.

> S. V. ALI, Head of Office Indian Bureau of Mines

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 27th June 1980

No. F.11-23/79-A.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Anand Kumar Sharma, as Microphotographist (Cl.II) Gazetted on regular temporary basis w.e.f. 19-5-80 (F.N.) until further orders.

> S. A. I. TIRMIZI, Director of Archives Govt of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th June 1980

No. 2/2/66-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri M. B. Ozarkar, Accountant, AIR, Jalgaon to officiate as Administrative Officer on ad-hoc basis, All India Radio, Jalgaon with effect from 5-5-80.

The 21st June 1980

No. 29/1/76-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Y. Gangi Reddy, Farm Radio Reporter All India Radio, Vishakhapatnam to officiate as Farm Radio Officer, All India Dadio Vishakhapatnam with effect from 4-3-80.

The 27th June 1980

No. 3/27/60-SII,-Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. Govindaswamy, Accountant, All India Radio, Madras to officiate as Administrative Officer, All India Radio Vijayawada with effect from 19-5-80.

S. V. SESHADRI, Dy. Director of Administration for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 13th June 1980

No. A-12011/3/78-Exh.(A) -The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri D. C. Ray to officiate as Chief Modeller in this Directorate at New Delhi with effect from the forenoon of 28th May 1980, until further orders.

> J. R. LIKHI, Dy. Director (Admn.)
> for Director of Advertising & Visual Publicity

New Delhi I, the 23rd June 1980

No. A-19012/4/71-Exh.(A).—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri Amal Mukherjee, a permanent Exhibition Assistant in the Directorate of Advertising & Visual Publicity to officiate as Field Exhibition Officer in the Field Exhibition Unit, Kohima of the same Directorate on ad-hoc basis w.e.f. 18-2-80 (A.N.).

J. R. LIKHI, Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th June 1980

No. 31014/3/80-Admn.I.—The Director General of Health Service is pleased to appoint Shri H. S. Verma in a substantive capacity in the permanent post of Administrative Officer at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the 17th June, 1979.

S. L. KUTHIALA Dy. Director (Admn.)

STORE I SECTION

New Delhi, the 28th June 1980

No. A.19012/3/79-SI.—The President is pleased to appoint Shri Sujit Kumar Sarkar in the post of Depot Manager, Government Medical Store Depot Calcutta with effect from the forenoon of 19th May, 1980 in a temporary capacity and until further orders.

SHIV DAYAL Dy. Director Admn. (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF FOOD) NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 19th June 1980

No. Fstt. 19(6)/1881.—Shri Lallan Prasad Tewari, Senior Technical Assistant at National Sugar Institute, is appointed to officiate as Junior Technical Officer (Sugar Technology)/Manufacturing Chemist on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 17-6-80 till further orders.

N. A. RAMAIAH, Director

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 30th June 1980

No. A.19025/26/80-A.III.—On the recommendations of the D.P.C. (Group B), Shri T. S. Krishnamoorthy, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Market-

ing Officer (Group III) in this Directorate at Cochin with effect from 24-5-80 (E.N.), until further orders.

B. L. MANHIAR, Director of Admn. for Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 24th June 1980

No. AMD-1/30/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, of the Department of Atomic Energy hereby appoints Dr. Jyotindra Nath Rath as Assistant Surgeon in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 2, 1980 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer,

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 26th June 1980

No. F(1)/05409.—The President is pleased to appoint Dr. C. R. Sreedharan, Meteorologist Grade I, India Meteorological Department as Director in an officiating capacity, in the same department with effect from the forenoon of 27th March 1980 and until further orders.

The 27th June 1980

No. E(I)/05091.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Sharma, Assistant Meteorologist, as Meteorologist Grade I in an officiating capacity, in India Meteorological Department with effect from 14th May 1980 and until further orders.

The 28th June 1980

No. A-32014/3/78-F.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints Shri A. K. Hansda as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12th April 1980 and until further orders.

Additional Director General of Meteorology for Director General of Meteorology.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 20th June 1980

No. A-38015/2/80-ES.—Shri C. R. Dutta, Store Officer (Group 'B' post) in the Office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, Calcutta relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st May, 1980 on attaining the age of superannuation,

The 21st June 1980

No. A. 32014/3/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on an adhoc basis with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each:—

SI. Name No.						Present station of posting	Statio to which trans- ferred	Date of taking over charge
1. Shri N. K. Sen .	•	-	•	•		Radio Construction & Development Units, New Delhi.	Radio Constr. & Deve- lopmet Units. New Delhi.	
2. Shri S. Talpatra	•	•	•	•	•	Aeronautical Communication Station, Agartala	Aeronautical Communication Station, Agartala	20-5-80 (FN)
3. Shri M. C. Dey Bhowmik	-	•	٠	•	•	Aeronautical Communication Station, Calcutta.	Aeronautical Commu-	12-5-80 (FN)
4. Shri A. C. Dutta	٠		•	٠		Aeronautical Communication Station, Calcutta.		

The 24th June 1980

No. A-32013/5/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Dhunta, Asst. Director of Communication, DGCA (HQ) to the grade of Dy. Director of Communication on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 23rd May 1980 (FN) and to post him in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi,

C K. VATSA Assistant Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 23rd June 1980

No. 1/439/80-EST.—The Director General. Overscas Communications Service, hereby appoints Shri D. P. Naskar, Supervisor, Calcutta as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the some Branch, for the period from 3rd December 1979 to 29th February 1980, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

No. 1/423/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K. Karunakaran, Superintendent, Bombay Branch as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 16th January 1980 to 1st March 1980, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

No. 1/42/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Tilak Raj, Superintendent, New Delhi Branch as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 1st March, 1980 and until further orders.

No. 1/83/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Verma, Permanent Treffic Accountant, Headquarters Office, Bombay as Traffic Accounts Officer in an officiating capacity, in the same office, for the period from 7th January 1980 to 15th March 1980, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras-1, the 27th June 1980

No. 5/80.—Shri Satish Kumar, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 13th June 1980 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

No. 6/80.—Shri P Namachivayam, a Union Public Service Commission candidate in appointed as Direct Recruit appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 19th June 1980 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

A. C. SALDANHA Collector of Customs,

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL FXCISE New Delhi, the 26th June 1980

No. 17/80.—Shri B. K. Duggal, lately posted as Assistant Collector of Central Excise Kanpur on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Deptt. of Revenue Order No. 58/80 (F. No. A-22012/4/80-Ad.II) (Pt. II) dated 9th May 1980, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 27th May 1980 (Forenoon).

K. L. REKHI Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 24th June 1980

CORRIGENDUM

No. A-19012/726/78-Adm.V.—Reference Commission's Notification No. A-19012/726/78-Adm. dated 5th September 1979. The date of promotion of Shri Baldev Raj, Asstt. Engineer may be read as 24th May 1978 (F.N.) instead of 31st May 1978 (A.N.).

J. K. SAHA Under Secy. Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 28th June 1980

No. 33/11/78-ECIX(Vol.III).—The President is pleased to appoint Shri R. H. Khobragade a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (C.S.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700-40-900—EB-40-1100—50-1300 (plus usual allowances) with effect from 23rd March 1979 (FN) on the usual term and conditions. His pay will be refixed shortly under the rules.

2. Shri R. H. Khobragade is placed on probation for a period of two years with effect from 23rd March 1979 (FN).

No. 33/11/78-ECJX(Vil.III).—The President is pleased to appoint Shri R. M. Aggarwal a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (C.C.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700-40-900—EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 4th June 1980 F.N. on the usual ferm and conditions. His pay will be refixed shortly under the rules.

2. Shri R. M. Aggarwal is placed on probation for a period of two years with effect from 4th June 1980 (F.N.).

K. A. ANANTHANARAYANAN Dy. Director of Administration

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION (DEPARTMENT OF REHABILITATION) OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Mana Camp, Raipur-492 015, the 20th June 1980

No. PF/G/18/80-14680P.—Consequent upon his selection for the post of Senior Investigator (Rs. 550—900) under Bureau of Public Enterprises, Minister of Finance. Government of India New Delhi. Shri K. Govinda Raiu, relinquished the charge of the rost of Statistical Officer (Rs. 550—900) Rehabilitation Reclamation Organisation, 2t Mana Camp, Raipur (MP) on the afternoon of 20th June 1980.

B. P. SAXENA Administrative Officer for Chief Mechanical Fugineer

MINISTRY OF LAW. JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Favourite Packaging Pvt. Ltd.

Ahmedabed the 21st June 1980

No. 2195/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that

the name of M/s. Favourite Packaging Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Ranip Saving Private Limited

Ahmedbad, the 21st June 1980

No. 2234/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Ranip Saving Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA, Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Garden Stores (Assum) Private Limited

Shillong, the 27th June 1980

No. 1040/560(3)/1164.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s. Garden Stores (Assam) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. V. R. C. Weavers Private Ltd.

Bangalore, the 28th June 1980

No. 3059/560/80.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. V. R. C. Weavers Private Ltd. unless cause is as shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Cauverl Films Ltd.

Bangalore, the 28th June 1980

No. 1421/560/80.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Cauveri Films Ltd. unless cause is shown to

the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Kar Industrial Products & General Agencies Private Limited

Bangalore, the 28th June 1980

No. 2518/560/80.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kar Industrial Products & General Agencies Privato Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mysore Oil Prowins Private Limited

Bangalore, the 28th June 1980

No. 2570/560/80.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the rame of M/s. Mysore Oil Proteins Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

No. 2903/560/80.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Sputnik Laboratorics Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies Karnataka, Bangalore.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

New Delhi, the 19th June 1980

INCOME TAX

F. No. JUR-DLI/II/80-81/9925.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Incometax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the following Incometax Circle shall be created with effect from 19th June 1980.

Company Circle XXV, New Delhi.

N. S. RAGHAVAN Commissioner of Income Tax Delhi-II, New Delhi.

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

PATNA

Patna-800001, the 1st March 1980

Ref. No. III-381/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Holding No. 391, Ward No. 1, Plot No. 9, 10, 11, 15, 16, 6, 7 and 8, Khata No. 11, 14 and 16 situated at Barahmasia

P. S. Giridih

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedigns for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Shree Krishna Investment Company Ltd. At 13 Old Court house street Calcutta.

(Transferor)

(2) M/S Raw Mica Mykkanite Company through partners Shri Nand Kishore Ram and Shri Ashok Ram Both sons of Shri Rameshwar Ram At Giridih Dist. Gìridih.

(Transferee)

(3) Transferor

[Person in occupation of the property]

Objections ,if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of vacant land measuring 1.73 acres together with boundary walls and a well lying and situated at Mouza Barahmasia, Dist. Giridih and morefully described in deed No. I-5577 dated 27-10-79 registered at Sub-Registrar of Assurances Calcutta.

> J. NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 1-3-80

(1) Shri Hemant Kumar Bafna s'o Sh. Tej Singh Bafna, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Kumari Punam Babel D/o Sh. Chander Singh D-462 Bhupal Pura, Udaipur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/786.—Whereas, I. M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing O.

House No. 21 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 15-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initicate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice hereby subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:—
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated on plot No. 21 Fatehpura, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 2662 dated 15-10-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-5-1980

Scal:

(1) Shri Narender Bafna s/o Shri Tej Singh Bafna R/o Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deepak Babel s/o Shri Chander Singh Babel D-462, Bhupalpura, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/707.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 21 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated at Plot No. 21 and shop No. 4 & 5 Fatchpura Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 2664 dated 15-10-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-5-80

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN.
M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Jaipur on 30-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kumari Aruna Bafna D./o Shri Shyam Sunderlal Bafna R/o 7-K 15 Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Kumar s/o Shri Gopaldasji Khandelwal R/o Kanti Chandra Road Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of upper storey building situated at Chommu House C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2735 dated 30-10-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13.5-80

Scal:

(1) Shri Pratap Singh Bafna s/o Shri Siremal Bafna R/o Indore.

w/o Sh. Manoharlalji 107, Dewali, Udaipur.

(2) Shri Manoharlal s/o Sh. Kanhiyalal and Smt. Ladji

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/708.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 21 situated at Udaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Udaipur on 15-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 21 situated at Fatehpura Distt, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 2668 dated 15-10-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-5-80

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. House No. 21 situated at Ua'dpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Udaipur on 15-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:—

(1) Shri Pratap Singh Bafna s/o Shri Siremal Bafna R/o Indore.

(Transferor)

(2) Dr. Chander Singh Babel D-462, Bhupalpura, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Purt of house No. 21 situated at Fatehpura Distt. Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide registration No. 2667 dated 15-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur,

Date: 13-5-80

Vishnulalji

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) Smt. Manful Devi w/o Shri Gopaldasji Khandelwal

 Shri Shyam Sunderlal Bafna s/o Shri Bafna R/o 7-R 15 Jawahar Nagar, Jaipur.

(2) Smt. Manful Devi w/o Shri Gopaldasji Khandelwal R/o Kanti Chandra Road, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th May 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 11-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the house property known as Tabela Building situated at Chommu House C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2560 dated 11-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-5-80

Seal:

17-156GI[80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dalpat Singh s/o Shri Thakur Iswar Singh Mendwas House Nehru Bazar, Jaipur,

(Transferor)

(2) M/S Rastogi Steel Furniture, 102 Nehru Bazar, Jaipur through its partners Svs. Pawan Kumar, Suresh Kumar and Mahesh Kumar, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th May 1980

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/710.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed heerto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Register ing Officer at Jaipur on 24-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : -- The and terms exoreggions. used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated in Mendwas House area, Nehru Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2660 dated 24-10-79.

> M. L. CHAUHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 14-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq./728.—Whereas, J. M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Register ing Officer at Jaipur on 24-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the laibility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Suniti Rathore w/o Shri C. S. Rathore B-36, Panch Sheel Enclave, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Dhyanchandra Bothra s/o Shri Chandmalji Bothra c/o Dr. G. C. Bothra Durlabhji Hospital, Jaipur,

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication or this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 198 sq. mtr. situated in Bhagirath colony Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2629 dated 24-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

OFFICE OF THE LA.C. ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/729.—Whereas, I. M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Open plot situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Register ing Officer at Jaipur on 12-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Suniti Rathore, w/o Sh. C. S. Rathore, B-36 Panch Sheel Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Kumar Saraf, s/o late Shri Ram Gopal, Plot No. C-8, Bhagirath Colony, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

226 sq. yds. of open plot situated at Bhagirath colony, Julpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2605 dated 12-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated: 17-6-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE LA.C. ACQUISITION RANGE, JAJPUR Jaipur, the 11th June 1980

Ref. No. Raj/JAC(Acq.)/730.—Whereas, I. M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. C-9, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis'ration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Suniti Rathore w/o Shri C. S. Rathore B-36 Panch Sheel Enclave, New Delbi. (Transferor)
- (2) Shri Nand Kishore Saraf s/o Shri Ram Gopal, C-8, Bhagirath colony, Jaipur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-9, Bhagirath colony Jaipur measuring 266-65 sq. mtr. and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2611 dated 12-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-6-1980

(1) Shri Bhagwana Ram s/o Shri Moti Ram r/o 6-E Chotti, Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Adarsh Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd., 79 Gole Bazar, Ganganagar, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

SIONER OF INCOME-TAX

Jaipur, the 17th June 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq).-Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Gangangar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ganganagar on 6-10-79

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian, Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bigha situated at Chak 6-E, Chotti, behind State Bank of Bikaner & Jaipur's colony and more fully described in the sale deed registered by S.R. Gauganagar vide registration No. 3140 dated 6-10-79.

> M. L. CHAUHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dated: 17-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th June 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri, land situated at Ganganagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Ganga Nagar on 5-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, the efore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely:—

- (1) Shri Bhagwana Ram s/o Shri Moti Ram R/o 6-E Chotti, Sriganganagar. (Transferor)
- (2) Adarsh Grah Nirman Sahkarı Samiti Ltd., 79 Gole Bazar, Ganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 bighas situated at 6-E Chotti behind State Bank of Bikaner & Jaipur's colony and more fully described in the sale deed registered by S.R. Ganganagar vide registration No. 3120 dated 5-10-79.

M. 1.. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-6-1980

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th June 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/740.—Whereas, I,

M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 54, situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 24-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surender Kumar Marwal s/o Chaturbhuj Marwal, Bhagat Vatika Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh Aluwalia s/o Shri Kartar Singh Aluwalia Lalgarh ouse, Sansarchandra Road, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 54, situated at Bhagat Vatika Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2617 dated 24-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 20-6-80

FORM ITNS---

(1) Smt. Shakuntla Jain 2-B Comal Street, Calcutta-16. (Transferor)

(2) Smt. Lajwanti Madan, Guru Nanakpura, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th June 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/738.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9 situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor and mazinine floor of property situated at plot No. 9, M.I. Road Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Registrar of Assurances, Calcutta vide registration No. 5267 dated 12-10-79.

M. L. CHAUHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 20-6-80

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18--156GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Shukuntla Jain 2-B Comal Street, Calcutta-16. (Transferor)

(2) Smt. Radha Devi 32, Indira Colony Bani Park, Jaipur,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th June 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/739.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Plot No. 9 situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of the property situated at plot No. 9, M.I. Road Jaipur and more fully described in the sale deed registered by Registrar of Assurance Calcutta vide registration No. 5366 dated 12-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons namely:—

Dated: 20-6-80

(Transferor)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ram Avatar s/o Bhawani Bhankerji Digodwale, R/o Ladpura, Kota.

Bhim Ganj Mandi, Kota.

(Transferee)

Smt. Gurukirat Kaur w/o Shri Jagjit Singh Sethi

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th June 1980

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/741.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot land situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 4-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 5120 sq. ft. situated on plot No. 42 Ballabh Nagar, Kota and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota vide No. 1271 dated 4-10-79.

> M. L. CHAUHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 30-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th June 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/741,—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kota on 15-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Suraj Prakash Mahajan, 183 Ballabh Bari, Kota.
 (Transferor)
- (2) Shri Ishwarlal Vyas 796 Dadawari, Kota.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

600 sq. yd. of open land with construction of 2 rooms measuring 27 sq. mtr. and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 1349 dated 15-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 30-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th June 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/743.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot land situated at Kota

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kota on 9-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. S. Mchta Rtd. Chief Engineer Western Railway, Mchta Niwas, Kota.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Lata w/o Shri Chetan Kumar, Serwala Station Road, Kota.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 3087.5 sq. ft. located near Bal Mandir School, Kota and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 1288 dated 9-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 30-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th June 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/742.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open plot situated at Kota

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 9-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Shri R. S. Mehta s/o Shri B. L. Mehta, Mehta Niwas, Station Road, Kota.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Ram Bharosa Lal, Ncar Bal Mandir School, Kota.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 3087.5 sq. ft. located at near Bal Mandir School Kota and more fully described in the sale deed registered by S.R. Kota vide registration No. 1289 dated 9-10-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 30-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th June 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/745.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 20 situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kota on 1-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Het Ram Choudhary Soo Dilip Singh Ieldar, Kota Now 22-Vivekanand Marg, Jaipur.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Indra Devi w/o Shyamlal 2. Smt. Rekha Devi w/o Roopchand Sindhi Khatri, Gumanpura, Kota. (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 5400 sq. ft, located at plot No. 20 Ballabh Nagar, Kota and more fully described in the sale deed registered by S.R. Kota vide registration No. 1365 dated 18-10-79.

M. L. CHAUHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 30-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BOMBAY

Bombay, the 17th June 1980

Ref. No. AR-I/AP.315/80.—Whereas, I, P. L. ROONGTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 437 of Parel Division situated at Ferguson Road Parel Division Document No. 2269/75

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay Bombay on 22-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subction (1) of section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

 Shri Ramnath Sadanand Mhatre 2. Bhalchandra Harishankar Mhatre 3. Rangnath Bhikoba Mhatre 4. Mahesh Khanderao Mantri,

(Transferor)

(2) M/S Prakash Cotton Mills Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2269/75 and registered on 22-11-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 17-6-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. BGR/27/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 31 Fruit Garden Area, (measuring 1400 sq. yds.) Township situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—156 GI/80

(1) Shri Faqir Chand Dhawan S/o Sh. Devi Charan, R/O 47 Greater Kailash-1, New Delhi. (Transferor)

(2) Sardar Gurcharan Singh S/O Sh. Sunder Singh, 5-F-43-A, Township, Faridabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 31, Fruit Garden (measuring 1400 sq. yds.) situated at Township, Faridabad and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 5372 dated 30-10-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 28-6-80

Form I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. DLJ/9/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Land measuring 11 Bighas 4 Bishwas (11288 sq. yds.) situated at Vill. Sikanderpur Ghosi

(and more fully described in the Schedule ennexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 M/s. Greater Delhi Planners (P) Ltd. Flat No. 3. Shanker Market, Cannought Circus, New Delhi.

(Transferor)

 Shri Varinder Bhatnagar Sansthan, A-1, Gurudwara Road, N.D.S.E. Part I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 Bighas 4 Biswas (11288 sq. yds.) situated at Village Sikanderpur Ghosi, Teh & Distt. Faridabad and more mentioned in the deed registered at No. 462 dated 10-10-1979 with the sub-registrar, Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 28-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. JDR/9/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-House No. 535 R/A situated at Model Town, Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jagadhari in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Sh. Madan Singh S/o Smt. Laxmi Devi Alias Smt. Laxami Devi W/o Bakshi Partap Singh R/o 535 R/A Model Town, Yamunanagar. (Transferor)
- (2) Shri Dewan Suraj Dutt S/o Dewan Ram Lal Dutt 535-R/A, Model Town, Yamunanagar.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 535-R/A, situated Model Town, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3048 dated 3-10-79 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 28-6-80 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

)FFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. JDR/8/79-80.—Whereas J, G. S. GOPALA. being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Factory building situated at Garhi Mundu Road Jagadhari (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) (i) Sh. Narinder Kumar Gupta S/o Sh. Jai Parkash Gupta, Jagadhari.
 - Sh. Ram Saran S/o Chhittar Mal,
 - R/o Hekikat Nagar, Saharanpur.

 (iii) Sh. Subhash Chand Sachdeva S/o Sh. Lekh Raj R/o Resettlement Colony, Saharanpur. (iv) Sh. Inderjit Taneja S/O Kewal Krishan Taneja,
 - R/o Saharaupur.
 - (v) Smt. Madhu Babbar W/o Madan Lal, R/o Dharampur Nagina.

(Trausferor)

(2 Shri Virender Kumar Sachdeva S/o Sh. Gobind Ram c/o M/s. V. K. Steel Udyog Garhi Mundu Road, Jagadhari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Propery being factory building situated at Gathi Mundu Road, Jagadhari and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3115 dated 9-10-1979 with the Sub Registrar, Jagadhari.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 28-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. DLI/10/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/42, Industrial Plot in DLF Industrial Estate-I, situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Satya Wanti W/O Dr. Dharam Pal, Green Park, Ambala Cantt.

(Transferor)

(2) M/S. Perfect Fasteners Private Limited, 1/43 DLF Industrial Estate, Faridabad-121003. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Industrial plot No. 1/42, D.L.F. Colony, Industrial Estate-I, Faridabad and as more mentioned in the Sale-deed registered at No. 493 dated 3-10-1979 with the Sub-Registrar, Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 28-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. HSR/17/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 92, New Anaj Mandi situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Hissar in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:—

(1) Smt. Tulsan Devi W/o L. Matu Ram MahajanR/o Vill. Khara Teh. & Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Ditta S/o Lekhu Ram, R/O Vill. Nangthala, Teh. Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 92, situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2487 dated 25-10-1979 with the Sub Registrar, Hissar

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 28-6-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabd-380 009, the 30th May 1980 Ref. No. P.R. No. 934 Acq. 23-7-4/80-81.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 619-1, City S. Tika No. 17 (C.S. No. 2167) part situated at Near Natraj Cinema, Shantadevi Road, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Thakerbhai Maganbhai : President, Jivabhai Ukabhai : Chairman, Nanubhai Khandubhai Naik : Secretary C/o Shri Purna Coop, Housing Society; Navsari.
- (2) Shri Jayeshkumar Pannalal Chokshi; C/o Hotel Jal Pvt. Ltd., Kabilpor, Navsari.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated near Natraj Cinema, Maharani Shantadevi Road, Navsari bearing R.S. No. 619-1, City Sur. Tika No. 17 (C.S. No. 2167) Paiki land duly registered at Navsari on 17-10-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rnge II, Ahmedabd

Date: 30-5-1980,

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1980

Ref. No. P.R. No. 935 Acq. 23/19-7/80-81.—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 2245-A-2-B situated at Opp. Textile Market, Ring Road, Begampura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Surat on 9-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Partner of Bhagvati Weaving Works;

Shri Harkisandas Chhaganlal Soparivala;
 Shri Fulchanddas Chhaganlal Soparivala;

3. Shri Gamanlal Chhaganlal Soparivala; Tulsi Falia, Begampura, Surat,

(Transferor)

 Smt. Bhanumatiben Ishvarlal;
 H. No. 2/275, Rustampura, Malesar Mahollo, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Nondh No. 2245-A-2-B, Wd. No. 4, Begampura Surat duly registered with Sub-Registrar, Surat on 9-10-79 vide No. 3660/71.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 5-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CO MMI SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I.

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1027 Acq. 23-18-5-80-81,—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 8-B paiki-Godown Udhyognagar, Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Wadhawan on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
20—156GI/80

 Standard Auto Valves; through: Shri Jagdishchandra Chandulal Parikh & others, Vadipura, Surendranagar.

(Transferor)

(2) Prince Opticles Industries; Plot No. 8-B, Udhyognagar, Jintan Road, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sheds—Godowns—Plot No. 8-B paiki standing on land 866-6 sq. ft situated at Udyogangar, Jintan Road, Surendranagar duly registered by Registering Officer, Wadhwan vide sale-deed. No. 2623/17-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1928 Acq. 23/18-9/80-81.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 8-8 paiki-Shed situated at Udhyognagar, Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Wadhawan on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sandard Auto Valves; through: Shri Jagdishchandra Chandulal Parikh & others, Vadipara, Surendranagar.

(Transferor)

 Plastisite Industries; through: Partner: Shri Rasiklal Jayantilal. Plot No. 8-B, Udhyognagar, Jintan Road, Surendranagar.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a periof of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed-Plot No. 8-B paiki standing on land 1016 sq. yds. situated at Udhyognagar, Jintan Road, Surendranagar, duly registered by Registering Officer, Wadhwan, vide sale-deed No. 2624/17-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7-6-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I.

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1029, Acq. 23/Acq.I/80-81.—Whereas I. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 70-1 F.P. 64-1 situated at Sheikhpur Khanpur Sim. Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 19-10-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bai Dahi, Gordhandas Kuberdas Mody; Ratan Pole, Shethni Pole, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jerom Lawence D' Souza,
C/o. Peter D' Souza (Tailor) Near Electricity
House, Relief Road, Ahmedabad.
2. Shri Angelo D' Souza, C/o. D. S. D'Souza,
Dhana Suthar's Pole, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 609-66 sq. yds.-bearing No. 70-1-F.P. No. 64-1, situated at Sheikhpur Khanpur Sim, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11747/19-10-1979 i.e. property as fully descrived therein.

G. C. GARG,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7-6-1980.

(1) Shri Nathiben Natha & Others; Kumbharwada Porbander.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Birlu Ice Industries; Prop. Sushilaben Dolarrai Chotai; Sutharwado, Porbandar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1030 Acq. 23/11-4/80-81.—Whereas I. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S.W. No. 1—S No. 7712-A situated at Liberty Talkies to old Police Line, Porbander

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Porbander on 12-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer win, the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing C.S.W. No. 1, Sur. No. 7712-A on land adm. 370-4-0 sq. yds. situated at from Liberty Talkies to old Police Line Porbander, duly registered by Sub-Registrar, Porbander vide sale-deed No. 2922/12-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I.

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1031 Acq, 23/Acq.II/80-81.—Whereas I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TPS No.19-FP. No. 278 paiki Sub-plot No. 5-A paiki situated at Navrangpura, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Ahmedabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Snehlataben Navinchandra Pandya; App. Jariwala Park, Navrangpura; Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shushilaben Govindlal;

2. Sudhaben Govindlal;

3. Kokilaben Govindlal;

4. Divyakant Govindlal Patel;5. Kiritkumar Govindlal Patel;

Pakhali's Pole, Raipur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and adm. 169-20 sq. mts.-TPS. No. F.P. No. 278 paiki sub-plot No. 5-A situated at Navrangpura, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale deed No. 8538/77/Oct., 79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Date: 7-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1032 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 13:13-1 paiki T.P.S. No. 2, F.P. No. 56-3 situated at Ranip, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kaushikehandra Jagnnath Dalwadi; Behind Jaideep, Navrangpura High School, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Satyagurudayal Coop. Housing Society Ltd., through: Chairman: Shri Bhupendra I. Dave, and others, Old Patel Society, Near Mohan Cinema, Jehangirpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1973-5 sq. yds. bearing S. No. 13; 13-1, paiki TPS. No. 2. F.P. No. 56-3 situated at Ranip. Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 11588/15-10-79 i.e. property as fully described therein,

G. C. GARG.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 7-6-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1033 Acq. 23/I/80-81.---Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 13; 13-1 paiki T.P.S. No. 2, F.P. No. 56-3 situated at Ranip, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

 Smt. Ranjaben wife of Pramodehandra Jagannath Dalwadi;
 Behind Jaideep Navrangpura High. School, Narayanpura, Ahmedabad.

(Fransferor)

(2) Satgurudayal Coop. Hsg. Society Ltd., through: Chairman Shri Bhupendra I. Dave, & others, Old Patel Society, Near Mohan Cinema, Jehangirpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1973-5 sq. yds. bearing S. No. 13:13-1, paiki T.P.S. No. 2, F.P. No. 56-3—situated at Ranip, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide saledeed No. 11589/15-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Date: 7-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I.
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad, the 7th June 1980

AHMEDABAD-380 009,

Ref. No. P. R. No. 1034 Acq. 23/Acq.I/80-81.—Wherens I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 13:13-1 paiki T.P.S. No. 2, F.P. No. 56-3 situated at Ranip, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Ahmedabad on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pramodchandra Jagannath Dalwadi; Behind Jaideep Navrangpura High School, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Satgurudayal Coop. Housing Society Ltd., through: Chairman: Shri Bhupendra I. Dave; & others, Old Patel Society, Near Mohan Cinema, Jehangirpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1973 sq. yds. bearing S.No. 13:13-1 paikl T.P.S. 2,—F.P. No. 56-3—situated at Ranip, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11590/15-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1035 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 13: 13-1 paiki T.P.S. 2, F.P. No. 56-3 situated at Ranip, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed bere to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Ahmedabad on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—21—156GI/80

(1) Smt. Kumudben wife of Kaushikchandra Jagannath; Dalwadi; Behind Jaideep Navrangpura High School, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Satgurudayal Coop. Housing Society Ltd., through; Chairman Shri Bhupendra I, Dave, & others, Old Patel Society, Near Mohan Cinema, Jehangirpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1973-5 sq. yds. bearing S. No. 13:13-1 paiki T.P.S. 2, F.P. No. 56-3-situated at Ranip, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11591/15-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Abmedabad.

Date: 7-6-1980.

(1) Emergency Mechanic Works; Through: Managing Partner: Ganpatlal Haribhai Rathod.

Udhyognagar, Surendranagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shalimar Textile; through: Partner: Shri Kantilal Vrajlal Vakharia, Udhyognagar, Surendranagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I.
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1036 Acq 23/I/80-81.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shed at Udhyognagar situated at Udhyognagar, Surnedranagar

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory shed on land adm. 1066 sq. yds. situated at Udhyognagar Surendranagar, duly registered by Registering Officer, Wadhwan, vide sale-deed No. 2625/17-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 9-6-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSF; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1037 Acq. 23/I/80-81,—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 917 paiki-T.P.S. 3-Sub-plot No. 11 (1/3rd share) situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 18-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Shirishchandra Chandulal Shah;
 D-Room No. 10, Ram Niwas, Shahpur, Mill Compound, Ahmedabad.
 (Transferor)
- (2) Shri Bharatkumar Ghanshyambhai Shah; Kashmira Society, Paldi, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 840 sq. yds. bearing TPS. 3 F.P. No. 917, paiki-Sub-plot No. 11 1/3rd share thereof-situated at Paldi, Jai Bhikhu Road, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale-deed No. 11700/18-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1038 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000.'- and bearing No.

1 P. No. 68. paiki-T.P.S. 3 C.No. 68-B-Kazipur-Kagdiwad situated at Shahpur, Opp. Fire Brigade Station, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Ramchandra Dolatram; 2. Kishanchand Dolatram;

Both at Lakhisara Niwas, Opp. Fire Brigade, Shahpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Chunilal Laxmanji Chauhan; Outside Shahpur Darwaja, Kaji Miya's Chawl, Near Kirannagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building portion on land adm. 91 sq. yds. bearing F.P. No. 68 paiki C.No. 68-B-T.P.S. 3, Kazipur, Kagdiwad situated at Shahpur, Opp. Fire Brigade, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No.10920/October, 1979 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 7-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I.

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1039 Acq. 23/1/80-81.--Whereas I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shahpur, Opp. Fire Brigade Station, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the faid market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Busantkumar Ishverdas; Negr Kailash Bhavan, Lakhijara Niwas, Opp. Fire Brigade Station, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Chunilal Laxman Chauhan; Outside Shahpur Darwaja, Kaji Miya's Chwl, Near Kirannagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building portion on land adm. 90 sq. yds. bearing F.P. No. 68, paiki C. No. 68-A. T.P.S. 3, Kazipur, Kagdiwad, situated at Shahpur Opp. Fire Brigade, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad—Vide sale decd No. 9297/October, 1979 i.e. property as fully described therein

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 7-6-1980.

 Shri Navinchandra Narottamdas Zalawadia; Inside Zalawadia Deli, Upleta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Geetanjalı Coop. Housing Society Ltd., through: President: Shri Nathalal Narsinhbhai Mankadiya; Nawapara, Upleta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1040 Acq. 23/I/80-81,—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-S. No. 516 paiki Plot No. 27, 28 & 29 situated at Upleta Dist. Raik of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Upleta on 10-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1457-7-0 sq. yds. bearing S. No. 316 paiki Plot Nos. 27, 28 & 29 situated at Upleta, duly registered by Sub-Registrar, Upleta vide sale deed No. 1047/79/10-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1041 Acq. 23/I/80-81.—Whereas J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 316 paiki situated at Upleta Dist. Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Upleta on 10-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transfor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kishorkumar Narottamdas Zalawadiya; Juside Zalavadiya Deli, Upleta.

(Transferor)

(2) Shri Geetanjali Coop. Housing Society Ltd. through: President: Shri Nathalal Narsinbhai Mankadiya; Navapara, Upleta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1363-30 sq. yds. bearing S. No. 316 paiki—situated at Upleta, duly registered by Sub-Registrar, Upleta, vide sale-deed No. 1048/79/10-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedahad.

Date: 9-6-1980

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1042 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F.P. No. 917 paiki-TPS, 3, Sub-plot No. 11 (1/3rd share thereof) situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 18-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manubhai Chandulal Shah;
 Rang Sagar Flafs, Prabhudas Thakker, College Road, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Bharatkumar Ghanshyambhai Shah: Kashmira Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expreçaions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 840 sq. yds. bearing T.P.S. 3 F.P. No. 917 paiki-Sub-plot No. 11-1/3rd share thereof situated at Paldi, Jaibhikhu Road, Ahmedabad, duly registering Officer, Ahmedabad, vide sale-deed No. 11699/18-10-79 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I.

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASIIRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1043 Acg. 23/1/80-81,---Whereas 1. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing

F.P. No. 917 paiki, T.P.S. 3-Sub-plot No. 11 (1/3rd thereof) situated at Peldi, Ahmedahad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Ahmedabad on 18-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-22-156GI/80

(1) 1. Shri Sanatkumar Ramanlal Shah;

2. Shri Sunil Ramanlal Shah; 3. Kamlaben W/o Ramanlal Chandulal; All at Udayratna Flats, Narayannagar Road, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Bharatkumar Ghanshyambhai Shah; Kashmira Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 840 sq. yds. bearing TPS. 3-F.P. No. 917 paiki-Sub-plot No. 11-1/3rd Share thereof situated at Paldi, Jaibhikhu Road, Ahmedabed, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11698/18-10-79 i.e. property as fully described therein.

> G. C. GARG. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9-6-1980.

 Shri Chandravijaya Singhji, Takhatsinghji; Patel Colony, Jamnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ruxmaniben Harakhchand Maheta; Satawad, Kharva Chakla, Jamnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I.

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1044 Acq. 23/I/80-81.--Whereas I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 39 G/. paiki Plot No. A/3. Sub-plot No. 16 (Part) Patel Colony, Sheri No. 9, Opp. Khira Foundary, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 29-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land adm. 3556.14 sq. ft. bearing S. No. 39-G/S, paiki Plot No. A-3; Sub-plot No. 16 (Part) situated at Patel Colony, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2471/dt. 29-10-79.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1045 Acq. 23/1/80-81.--Whereas I,

G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 2-725/1 to 24; 2-732/1 to 6 & 2-761/1 to 19 situated at Bhadrakali Mata Road, Dwarka,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kalyanpur on 4-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Rasikrayaji Awarkeshlalaji Maharaj; Madha-Bhuran; Moti Haveli, Porbandar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mansukhlal Kakubhai Davada, Mahajan Bazar, Dwarks
 - 2. Shri Rasiklal Kakubhai Davada, Mahajan Bazar, Dwarka.
 - 3. Shri Champaklal Hirachand Kariya, Near Garabi Chawk, Dwarka.
 - Shri Nagjibhai Vara Gangabha Jadiya; Near Vagher Chora Dwarka.
 - 5. Shrl Gajubha Khimanbhai; Khara Calar Road, Dwarka.

(Transferce)

- (3) 1. Shri Madhukant Kantilal;
 - Vishanlal Kantılal; Vishanlal Kantılal; Shri
 - <u>3</u>. Shri
 - 4. 5. Vishanlal Kantilal; Shri
 - Shri Jagdish Roopchand; Shri Narain Ramji;
 - 6. 7. Shri Himatlal Hiruchand;
 - 8.
 - Shri Laxmandas Jamanadas; Shri Mathuradas Jamandas;
 - 10. Şhri Sushilaben Vishanji;11. Shri Jamnaben Gordhan;

 - 12. Shri Maniben Laxman; 13. Shri Rajgar Gagdev Kara;
 - 14. Gopibai Ranchhod:
 - 15. Shri Narain Ranchhod:
 - 16. Shri Kanubhai Gordhan; 17. Shri Soni Damodar Banjı;

 - 18. Shri Parbhatbhai Devkaran;
 - Shri Kharva Bhailal Govind; 20. Shri Ramdas Dayalal;

 - 21. Shri Kana Asa;22. Shri Mayabha Vosobha;
 - 23. Shri Kana Harji;
 - 24. Shri Lalji Manji;
 - 25. Shri Jheena Samad;
 - 26. Shri Khanji Bhikha;
 - 27. Shri Vinod Devji;

 - 28. Shri Chandulal Virji;29. Shri Muktaben Bhagwanji;
 - 30. Shri Jawarlal Kakubhai;
 - 31. Shri Valibhai Mavji;
 - 32. Shri Balmukund Damodar;

 - 33. Shri Anantrai Mohanlal;34. Shri Kakubhai Jairaj;
 - 35. Shrl Tejusing Sadhusingh;

(person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as Kamala Sadan standing on land admeasuring 3683-47 sq. mts. bearing S. No. 2-725/1 to 24, A building known as Kamala Sadan standing 3-732/1 to 6; & 2-761/1 to 19, situated at Bhadrakaji Mata Road, Dwarka and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1370 dated 4-10-1979.

> G. C. GARG Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9-6-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad, the 9th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1046 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/sand bearing No.

No. Sonagadh village situated at Bharnagar Rajkot Road, Sonagadh

and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Sihor on 18-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pravinchandra Kanaiyalal Kanakiya; Legal heir as per will of deed, Kanaiyalal M. Kanakiya; C/o. National Transport Co. Musifa Bldg., Phirozshah Mehta Road, Bombay No. 1.

(Transferor)

(2) Shri Kanajiswami Digamber Jain Vishramti Gruh through President: Shri Chimanlal Himatlal Shah; Sonagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 560 x 180 sq. ft. situated on Bhavnagar Rajkot Road, Sonagadh village, Dist. Bhavnagar and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 884 dt. 18-10-1980.

G. C. GARG,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Abmedabad.

Date: 9-6-1980

Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1047 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I.G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
S. No. 462; Plot No. 1 situated at Away from Amrapali Cinema, Raikot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raikot on 4-10-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sharadchandra Revashanker Kothari; Bhaktinagar Society Marg No. 2, "Preshant", Rajkot, (Transferor)
- (2) Shri Bharatkumar Bhagwanji Nathawani; Junction Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (u) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 592-2-0 sq. yds. bearing S. No. 462, Plot No. 1 situated away from Amrapali Cinema, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn, No. 5901 dated 4-10-1979,

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 12-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 12th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1048 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 462, Plot No. 2 situated at Away from Amrapalı Cinema, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rajkot on 4-10-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

 Shri Virendra Revashankar Kothari; Bhaktinagar Society Marg No. 2, "Prashant", Rajkot. (Transferor)

(2) Shri Bharatkumar Bhagwanjibhai Nathwani; Junction Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 589-7-0 sq. yds. bearing S. No. 462; Plot No. 2; situated away from "Amrapali Cinema", Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 5900 dated 4-10-1979,

G. C. GARG
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Competent Authority
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby laitlate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-6-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 12th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1049 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lekh No. 432 situated at Opp. Sardargadh Bungalow, Gon-

dal Road, Rajkot,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ac 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, Raikot on 5-10-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the staid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Keshavlal Ladhabhai Parmar; 39, Karanpara, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Batuklal Laxmanbhai Rathed; Bapunagar, Rajkot (On 80 ft. Road).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 169-1-72 sq. yds. bearing Lekh No. 432, situated at Gondal Road, Opp. Sardargadh's Bungalow, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 5743 dated 5-10-1979.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 12-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Bhanumati Jagjivan Patel; 15, Jagnath Plot, Raikot.

(2) Smt. Manjula Bhanulal Sanghvi, Station Plot, Gon-(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1050 Acq. 23/1/80-81.-Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 77-A & 77-B paiki Plot No. 107 situated at Village Mana Mawa,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 26-10-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 907-7-12 sq. yds. bearing S. No. 77-A & 77-B, Plot No. 107, situated at Western side of St. Mary High School, of village Mana Mava of Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 6123 dated 25-10-1979.

G, C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 16-6-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 16th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1051 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Building known as Bhavneswari situated at Geet Gurjari Society, Near Aerodrome, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 16-10-1979

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23—156GI/80

(1) Avantilal Tuljashanker Vaid; Bhanushanker Tuljashanker Vaid; 1-Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferors)

(2) Shri Ratilal Vrajlal Trivedi; Bhuvneshwari, Geet Gurjari Society, Near Actodrom, Rajkot.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 329-80 sq. mtrs. known as Bhavneshwari, situated at Geet Gujari Society Near Aerodrome Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 5868 dated 16-10-1979.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 16-6-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE Amritsar, the 9th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/61.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. One plot at Tylor Road, Amritsar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sr. Amritsar in October, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(2) Smt. Mamta Rani w/o Hira Lal and Shri Hira Lal s/o Shri Ramnath r/o Lohgarh, Amritsar.

(Transferor)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Transferge)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 568 sq. mtrs No. 9 private out of kothi No. 73, situated on Tylor Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2061/I dated 18-10-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri Tylor road, Amritsar

Date: 9-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/62.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot at Tylor Road,

situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR-Amritsar in October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Sohan Singh and Dial Singh ss/o Gian Singh r/o Katra Karam Singh Bazar Sattowala, Amrit-

(Transferor)

(2) Shri Varinder Kumar and Satish Kumar ss/o Hira Lal r/o Lohgarh Gate, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 265 1/2 sq. yd. situated on Tylor Road, (Plot No. 9) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2034/I dated 15-10-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/63.—Whereas, I, M. 1. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Katra Nihal Singh situated at Chati Khuhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Inderjit Singh Sethi s/o Hira Singh Sethi r/o Bazar Chhati Khuhi, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Shmt. Ranjit Kaur w/o Shri Gursharansingh Sethi, Manager Panjab and Sindh Bank Ltd., Nimak Mandi, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. Gurbachan Singh (Tailor Shop) 300/- P.M. Sujjan Singh shoc merchant Rs. 135/ p.m. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property consisting of shops and three and a half storey building on back side No. 1677/1678/6 and No. 1859-60|61|6 and No. 2057-58|9 situated in Katra Nihal Singh Chowk Chhati Khuhi, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2184/I dated 31-10-79 of the registering Authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-6-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1980

Ref. No. PKT/80-81/64.—Whereas, I. M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property in Shivaji Nagar, Pathankot, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been thursferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Pathankot on October 1979 situated at

SR Pathankot in October 1979, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri N. K. Kapur and company Sewa Ji Nagar Gali No. 2 Dhangu Road, Pathankot through Narinder Kapur self and attorney.

 (Transferor)
- (2) M/s Mahejan Jee Factory, Sewa Ji Nagar Gali No. 2, Dhangu Road, Pathankot through Mohan Lal Dharam Pal partners, Pathankot.
 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property consists of a single storeyed structure on a plot of area 986 sq. yds. situated in street No. 2 Shivaji Nagar, Dhangu Road, Pathankot, as mentioned in the sale deed No. 1706/10/79 of the registering authority Pathankot.

M. I.. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th June 1980

Rcf. No. ASR/80-81/65.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN ISR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot at Basant Avenue ASR situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Lachhman Dass so Dial Ram r/o Maqbul Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Daraba Singh, Piara Singh Mangal Singh, Iqbal Singh ss/o Kartar Singh r/o village Marhana Tehsil Tarn Taran Distt. Amritsar.

(Transferee

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thet Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 124 situated in Basant Avenue (Tung Bala Urban) measuring 401 sq. mtrs. as mentioned in the sale deed No. 2183/1 dated 31-10-1979 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 9-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/66.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property, situated at Mall Road, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kamla Mehra wd/o Shri Julit Chand Mehra r/o 46 Mall Road, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Shrimati Sushila Khanna and Shri Nawal Khanna ss/o Shri Hira Lal Khanna r/o Dhab Khatikan Sain Dass Road, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi double storeyed No. 46-A situated on Mall Road, Amritsar (area 1084 sq. yds.) as mentioned in the sale deed No. 1945/I dated 3-10-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th June 1980

Ref. No. PKT/80-81/67.—Whereus, I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

property, situated at Dalhousic Road, PKT (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in October 1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nand Lal s/o Rura Mal r/o Sheran Wali Kothi Dalhousie Road, Pathankot, (Transferor)

(2) Shri Bal Kishan s/o Shri Lal Chand Jain, r/o Dalhousie Road, Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of property consisting of three storey building situated on Dalhousie Road, Pathankot, as mentioned in the sale deed No. 1641/10-10-79 of the registering authority, Pathankot.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsor

Date: 9-6-1980.

(1) Shri Hardial Singh s/o Shri Maqsodan Singh r/o Village Gokhuwal, Tch. Batala.

(Transferor)

(2) M/s. Panjab Rice Mills, Dera-Road, Gokhuwal, Tch. Batala.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISILTIN RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th June 1980

Ref. No. BAT/80-81/68.--Whereas I, M. I., MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 6 K 19 Marlas, situated at Gokhuwal, Teh. Batala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Batala in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-4-156GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanals 19 marlas situated in village Gokhuwal, Teh. Batala as mentioned in the sale deed No. 5248 dated 4-11-79 of the registering authority Batala.

> M. L. MAHAJAN, IRS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 16-6-198/

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsur, the 16th June 1980

Ref. No. BAT/80-81/69.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 6K 19M, situated at village Gokhuwal, Teh Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Batala in November 1979, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hardial Singh s/o Shri Maqsodan Singh r/o Village Gokhuwal, Teh. Batala.
- (2) M/s Panjab Rice Mills, Dera Road, Batala. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 6 kanals 19 marlus situated in village Gokhuwal, Teh. Batalk as mentioned in the sale deed No. 5263 dated 15-11-79 of the Registering Authority, Batala.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 16-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/70.—Whereas J, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

one building situated at Katra Karan Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurcharan Singh Chatha s/o Arjan Singh r/o Nimak Mandi, Goli Gandam, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Purlam w/o Shri Bal Kishan and Smt. Mandhani w/o Shri Sarup Narain 1/o D-14-A27 Model Town, Delhi.
- (3) Shri Gopal Kishan Rs. 42/- p.m. Salig Ram Rs. 30/- p.m. Lala Jugal Kishore Rs. 58/- p.m. since 1957.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One bldg. No. 382 to 399/New No. 843/VIII-6 situated in Katra Karam Singh Amritsar, Gali Mushki Mohalla, as mentioned in the sale deed No. 1969/I dated 10-10-1979 of the registering authority, Amritsar,

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/71.—Whereas I, M. L. MAHAIAN, 1RS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land 3 kanal 91/2 m

situated at Sultanwind Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar, in October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jasbir Singh, Manjinder Singh ss/o Naranjan Singh r/o Sultanwind Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s. Wool Finishers, 52-B East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 3 kanals 9 1/2 marlas situated on Sultanwind Road (G.T. Road, as mentioned in the sale deed No. 4173 dated 11-10-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 17-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/72.—Whereas I, M. L. MAIIAJAN IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,00/- and bearing No.

Plot of land, situated at Sultanwind Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jasbir Singh, Manjinder Singh ss/o Niranjan Singh r/o Sultanwind Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Parveen Kumar s/o Ajay Kumar r/o Katra Ahluwalia, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 3 kanals 9 1/2 marla situated on Sultanwind Road, as mentioned in the sale deed No. 4172 dated 11-10-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 17-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st June 1980

Ref. No. ASR/80-81/73,-Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 474 situated at Green Avenue Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Amritsar Improvement Trust Amritsar.
- Transferor) (2) Shri Kishan Kumar Bhatia s/o Shri Gopi Chand r/o 474 Green Avenue Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 474 measuring 1138.4 sq. yds. situated Green Avenue Amritsar as mentioned in sale deed No. 1932/ I dated 3-10-79 of the Registering authority, Amritsar.

> M. L. MAHAJAN, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 21-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st June 1980

Ref. No. ASR/80-81/74.—Whereas I. M. L. MAHAJAN IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-

ble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
One property situated at Daya Nand Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsur in December 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Bimla Rani w/o Shri Tilak Raj r/o Kothi No. 29 Daya Nand Nagar, Amritsar.
- (2) Smt. Urmal Rani w/o Sh. Kamal Jit Singh and Smt. Meena Kumari r/o Bazar Keserian, Amrit-(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 29-A situated in Daya Nand Nagar, as mentioned in the sale deed No. 2647/I dated 18-12-79 of the registering authority Amritsar.

> M. L. MAHAJAN, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 21-6-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st June 1980

Ref. No. ASR/80-81/75.--Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Daya Nand Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Promila Mehar w/o Sh. Om Parkash r/o Dia Nand Nagar Amritsar.
- (2) Smt. Urmala Rani w/o Inderjit Singh, Meena Rani w/o Shri Vimaljit Singh & Parveen Kumari w/o Pardeep Kumar r/o Bazar Kaserian, Amritsar.

 (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 29 A No. 8 15/13-19 and No. 1621/13-19 situated in Daya Nand Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1966/I dated 9-10-1979 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 21-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 26th June 1980

Ref. No. ASR/80-81 '76.-Whereas J, M. L. MAHAJAN, JRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Ktr. Sher Singh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritter on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestill no net v by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

25—156GI/80

(1) Shri Lashmi Chand s/o Amin Chand, r/o Village Kotwali, Tehsil Nagina, Distt. Bemore through Sh. Tilak Raj s/o Sh. Ram Nath.

(Transferors)

(2) Sh. Suresh Kumar, Sh. Lachhnam Dass, 1/0 Ktr. Sher Singh, Amritsar.

(3) As at Sr. No. 2 above and tenants if any.

[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows

to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1383/12-9 & No. 1383C/12-9, situated in Kir Sher Singh Oppst. Regent talkies as mentioned in the sale dead No. 19621 dated 9-12-79 of the registering buthority, Amritsar City.

> M. I. MAHAJAN, IRS Competent Authority. Acquisition Range, 3. Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 26-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th March 1980

Notice No. 272/79-80/Acq.—Whereas I, H. TIMMAJAH. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisi-

tion Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Metriz No. 50, Surveyed under No. 128/1 to 4,

situated at Kakoda Village-Quepem, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Quepem-Goa under Document No. 247/79 on 27-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Gajanana Pondori Naique Cormoli and
 - Anunsuia Naique Cormoli,

 2. Bogvonta Pondori Naique Cormoli and Vassundara Naique Cormoli,
 - 3. Hori Esvonta Naique Cormoli and

 - Janaqui Naique Cormoli,
 Enlagi Esvonta Naique Cormoli and Kishori Naique Cormoli,
 Panduronga Naique Cormoli Alias Pandari-nath Naik Karmali and Nila Panduronga,
 - Naique Cormoli,
 6. Ajita Visvonata Naique Cormoli,
 7. Dilipa Visvonata Naique Cormoli, &
 8. Stipada Visvonata Naique Cormoli

[Transferor(s)]

(2) M/s, Sharieff Enterprises, Mine Owners & Transport, Operators, Represented by Managing Partner Shri Kolar Naycemulla Sharieff P.B. No. 35, Bansai, Curchorem, Goa.

All residing at Cacora, Gcts.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 247/79. Dated 27-10-1979) Property known as "Bansai Cutumbona" admeasuring 4165.72 Sq. meters, situated in Kakoda village in the sub-district of Quepen. The land bears matriz No. 50, surveyed under No. 128/1 to 4.

> H. TIMMAIAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-3-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, 27th May 1980

C.R. No. 62/25129/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 810-1A & T.S. No. 652-1A situated at Kodialbail Village, Mannagudda Ward, Mangalore City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mangalore City Doc. No. 429/79-80 on 3-10-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Somashekar Rao Kadle Near Navarang Talkies, Rajtajinagar, Bangalore-560010.

(Transferor)

(2) Shri M. Ramesh s/o Sri Govind Achar, Manager, Canara Bank, Dibbarahalli Branch, Kolar District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovements property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as House site in T.S. No. 652-1A & R.S. No. 810-1A of 23 cents, situated in Kodialbail Village, Mannagudda Ward, Mangalore City.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Acquisition Range, Bangalore
Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax,

Date: 27-5-1980

en index of the second control of the second

FORM ITNS-- ·---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st June 1980

C. R. No. 62/25607/79-80/ACQ/B.—Whereas 1, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range., Etangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 899, T.S. No. 269

situated at Casaba Bazar Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore-city Document No. 737/79-80 on 30-11-1979 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri K. Balukrishna Shenoy, s/o Gopalakrishna Shenoy, Car Street, Mangalore-1.

(Transferor)

(2) Shrimati Leela V. Bhat,
'teqq vhəpnsuA 'W 'IQ o/M
New field Street,
Mangalore-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 737/79-80 Direct 30-11-1979] Land and Building, situated at Casaba Bazar Village, Mangalore Town. R.S. No. 899 and T.S. No. 269

R.S. No. 899 and T.S. No. 269
71 cents or 313.70 Sq. Metres with Building No. 12-2-188.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date . 21-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st June 1980

C. R. No. 62/25586/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range. Bungalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site No. 352, Municipal No. 352/2,

situated at 37th 'A' cross, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jayanagar Document No. 2620/79-80 on 24-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri G. B. Nagaraja, 683, 16th Main Road, 4th 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shrimati Chandra Rajaram 547/4, & 5, Essar Mansions I floor, R. V. Road, Bungalore-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2620/79-80 Dated 24-11-79]

Vacant site No. 352 Municipal No. 352/2, 37th 'A' cross, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-11, Boundaries:

> On North: Site No. 348 & 349 On South: 37th 'A' cross road On East: site No. 353 On West: site No. 354.

> > H. THIMMAIAH
> > Competent Authority,
> > Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax,
> > Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-6-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st June 1980

C. R. No. THIMMAIAH, No. 62/25171/79-80/ACQ/B.—Whereas I, THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay, Acquisition Range, Bungalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5, situated at West of Chord Road, IInd State, Rajajinagar, Bangalore-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rajujinagar, Bangalore. Doc. No. 2783/79-80 on 15-10-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/:r
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said A'et to the following persons, namely :---

(1) Shrimati J. T. Rajoshwariammal, w/o D. Swamynatha Mudaliar, No. 26/A, Mahalakshmi Layout, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferee)

(2) Shri B. Venkatadri Setty, s/o B. Rangaiah Setty, No. 2954, Il Stage, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2783/79-80. Dated 15-10-1979]

Vacant Site No. 5, West of Chord Road, II Stage, Rajajinagar, Etmgalore-10.

Measuring 468.59 Sq. Mts.

Bounded by on

North: Private property South: Road

East: Road West: Private property.

Η. ΤΗΙΜΜΛΙΛΗ Acquisition Range, Bangalore Competent Authority, Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax,

Date: 21-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st June 1980

C. R. No. 62/25778/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,, Btangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and betaring No. 5, (Old No. 23) situated at Ratan Singh Road, Fitzer own, Town, Banga-

lore-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Document No. 2239/79-80 on 3-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Lakshmiyammal, w/o Late Naraytmaswamy, 22/1, No. 8, Mudaliar Garden, 4th Block, Williams Town, Bangalore-66.

(Transferor)

(2) Shri Rasool Beig, S/o M. Mohammed Beig, No. 5, Ratan Singh Road, Frazer Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2239/79-80. Dated 3-11-79]

Property bearing No. 5, (Old No. 23), Ratan Singh Road, Frazer Town, Bangalore-5.

Bounded on the

East by Premises No. 22 West by Premises No. 24 North by Railway Lane South by Ratten Singh Road.

H. THIMMAIAH

Competent Authority,
Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE O FTHE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st June 1980

C. R. No. 62/26118/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,, Pengalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9, situated at Brunton Road, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair Shivajinagar, Bangalore DOC No. 2972/79-80 on 17-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) J. Mrs. Mary Margret Kelly
 - Miss Bridget Kelly
 Mrs. Noel Dorothy Mayes,
 All residing at No. 9, Brunton Road,
 Civil Station, Bangalore.

(Transferors)

- Shri D. Anand Basappa, s/o Basappa, No. 13, Crescent Road, High Ground, Bangalore.
 - Malathi Kurtar Singh Lalvani, No. 13, Crescent Road, High Ground, Bangalore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2972/79-80 Dated 17-1-1980] Residential Premises bearing No. 9, Brunton Road, Civil Station, Bangalore.

Bounded on

North by Premises No. 8 South by Premises No. 10 Fast by Private property West by Brunton Road.

H. THIMMAIAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

BANGALORF-560001

Bangajore-560001, the 28th June 1980

No. 62/25636/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range., Bungalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal old No. 63 and New No. 61 situated at Gandhi Bazar Road, Bangalore-4 (and more fully described in the schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi Document No. 2240 on 9-11-1979 for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—156GI/30

 Shri M. R. Dakshmikantha Rao Special power of attorney holder On behalf of Smt. Savithri Prabhakar No. 54, Gandhi Bazar road, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri T. K. A. Narayan s/o Krishnaiah Setty No. 37/1 H. B. Samaja Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigued—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2240

Dated 9-11-1979]

House Property bearing No.

Municipal old No. 63, and New No. 61
Gundhi Bazar road,
Bangalore-4.
Boundaries:

On North - Gandhi Bazar road On South - Conservancy lane

On East — Sri Venkataramaiah's House
On West — Sri Gurumurthy Shastry's House.

H. THIMMAIAH
Competent Authority,
Acquisition Range, Bangalore
Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax,

Date: 28-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 21st April 1980

Ref. No. $1AC/\Lambda CO/135/80-81$.—Whereas I, S. K. BILL Λ IYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 669/2, 3 & 4 670/1, situated at Ramnagar, Gondia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (1606, 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhandara on 26-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the jiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rukibai Jethanand Puraswani, Smt. Shua Prataprao Gambhani, Shri Hargundas Kisandas Puraswani, No. 1 and 3, Ramnagar, Gondia, and No. 2, Ulhasnagar, Gondia.

(Transferors)

(2) Shri Laxmandas Jawaharmal Lalwani, Dhamtari, Dist Raipur.

(Trunsferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 669/2, 3 & 4 & Plot No. 670/1, Ramnagar, Signal Toli Wurd, Sheet No. 38-C, Gondia, Dist. Bhandara,

S. K. BILLAIYA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 21-4-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 21st April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/136/80-81.—Whereas J, S. K. BILLAIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 309/04, Circle No. 9, Ward No. 10D, situated at Garudkhamb, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 12-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Babulal Govindrao Wani, Gurudkhamb, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Prabhavati Shankarlal Trivedi, Badkas Chowk, Nagpur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 309/04, Circle No. 9, New Ward No. 10D, No. 3, Garudkhamb, Nagpur.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 21-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 21st April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/137/80-81.---Whereas I, S. K. BILLAIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part Portion of Plot No. 9, Nazul Sheet No. 9, situated at Amravati,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amravati on 5-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Nitinkumar Laxminarayan Mudliar, Minor through Smt. Sushilabai Laxminarayan Mudliar, Amravati.

(Transferor)

(2) Lokmanya Gruh Nirman Saustha, President Shri Madhukar Pandurang, Gulhane, Mall Road, Amravati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part Portion of Plot No. 9, Nazul Sheet No. 9, Land of East side, at Amravati.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 21-4-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 23rd April 1980

Not. No. IAC/ACQ/138/80-81.—Whereas f, S. K. BILLAIYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Gat No. 574/1

and bearing Gat No. 574/1, situated at Asgaon, T & T, Bhandara

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhandara on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Pandurang Lalji Buzekar,
 Baburao Lalji Buzekar,
 Both resident of Konda,
 Tah. & Dist, Bhandara.

(Transferors)

(2) Shri Natayan Shivramji Shenmare, Lakadganj, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Timber machinery and House Gat No. 574/1, Area 10,875 Sq. ft. at Mouja Asgaon, Tah. & Dist. Bhandara.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 23-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, THAKKARS BUNGALOW, GIRIPETH, NAGPUR

Nugpur-10, the 23rd April 1980

Ref. No. IAC/ACQ/139/80-81.—Whereas I, S. K. BILLAIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 305-A and 306-A, situated at Partur Dist. Parbhani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Partur on 22-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Laxmichand Lalji,
 Shri Ratilal Padamsingh,
 Director Padamse Muhji Ginning & Pressing Co. Ltd.,
 Partur.

(Transferors)

 Shri Inderchand Bhawarilal Chhallani, Mantha, Tah. Partur, Dist. Parbhani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. $\frac{305}{A}$ and $\frac{306}{A}$ Area, 12.32 H.Rs. Land Mouja Partur Dist. Parbhani.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 23-4-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th May 1980

Ref. No. 13/OCT/79.—Whereas I, O. A being the Competent Authority under Section O. ANANDARAM, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 134 & 134A situated at Dindigul Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), transferred under the Registration Act, has been 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO II Mudurai (Doc. No. 3981/79) on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri S. V. Arunachalam

2. Minor A. Karunanidhi s/o No. 1 3. Minor A. Senthil s/o No. 1

 Minor A. Senthil s/o No. 1
 24, Koodalahagar Perumal Koil Street, Madurai-1.

(Transferors)

 Smt. T. Rajalakshmi Ammal, w/o Shri S. Thangasamy Chettiar, 11, Maranainar Street, Elayangudi, Ramnad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3981/79 JSRO II, Madurai

Land & Buildings at Door No. 134 & 134A, Dindigul Road, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Mudras-600 006

Date: 29-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th May 1980

Ref. No. 14/OCT/79.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

134 & 134A, situated at Dindigul Road, Madural (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO II Madurai (Doc. No. 3980/79) on October, 1979 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri S. V. Chockalingam,
 Minor C. Srinivasan, S/o No. 1
 No. 24, Koodalalagar Perumal Koil Street,
 Madural. (Transferors)
- Smt. T. Rujalakshmi Ammal, w/o Shri S. Thangasamy Chettiar, 11, Maranainar Street, Flayangudi, Ramnad Dt,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3980/79 JSRO II, Madurai

Land & Buildings at Door No. 134 & 134A, Dindigul Road, Madurai.

O. ANANDARAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-5-1980

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th May 1980

Rcf. No. 15/OCT/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

134 & 134A, situated at Dindigul Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II Madurai (Doc. No. 3977/79) on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --- 27--156GI/80

- Shri S. V. Ramanathan, No. 520, Mount Road, Tenampet, Madras. (Transferor)
- (2) Smt. T. Rajelakshmi Ammal, w/o Shri Thangasamy Chettiar, 11, Maranainar Street, Elayangudi, Ramnad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3977/79 JSRO II, Madural

Land & Buildings at Door No. 134 & 134A, Dindigul Road, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras-600 006, the 29th May 1980

Ref. No. 41/OCT/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 294/3, situated at Alagarkoil, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Alagarkoil, Madurai (Doc No. 1711/79) on Oct 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. V. Chandra Ammal, W/o Shri T. Vairamuthu Nadar,

Shui P. Thangaia Nadar,
 No. 42, Muthia Mudali Lane, Manjanakara Street, Madurai.

(Transferor)

Shri R, M. V. Sasivarnam,
 Shri R, M, V. Balasubramaniam,
 Sof Adimola Achari Street, Madural.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1711/79 S.R.O. Alagarkoil, Madurai, Land & Buildings at S. No. 294/3, Alagarkoil, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 29-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 29th May 1980

Ref. No. 43/OCT/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 4 to 7, situated at Varadarajaperumal Koil Street, Madras-81

more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SRO Royapuram, Madras (Doc, No. 1436/79) on Oct. 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri V. P. Subramania Mudaliar
 - 2. Smt. Ponnammal.
 - 3. Usha Rani,
 - Shri V. S. Parthasarathy and
 - 5. Leela Rani

No. 4, Annaswamy Mudali Street, Madras-43. (Transferor)

- (2) 1. Shri G. Bhawarlal

 Mrs. Mohanbai &
 Shri B. Rameshchand, No. 7, Varadarajaperumal Koil Street, Madras-81. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1436/79 S.R.O. Royapuvam, Madras. Land & Buildings at Door Nos. 4, 5, 6 & 7, Varadharajaperumal Koil Street, Madras-31.

> O. ANANDARAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 Madras-600 006

Date-: 29-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 29th May 1980

Ref. No. 57/OCT/79.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. New Door No. 2, situated at Singarayar Colony, Talla-kulam, Madurai

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SRO Madurai (Doc. No. 4353/79) on Oct. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

- Smt. K. A. Ayishabi, W/o Shri K. Koolappan, Retd. Sub-Judge, No. 19/1. Hubehena Road 6th Cross Cook, Town, Bangalore.
 (Transferor)
- (2) Smt. Manjula M. Ajmera, W/o Shri M. K. Ajmera, No. 21, Dt. Board Colony, South Street, Madurai.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4353/79 S.R.O. Madurai.
Land & Buildings at New Door No. 2 (Old Door No. 33)
Plot No. 29, Singarayar Colony, Tallakulam, Madurai.

O. ANANDARAM Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 29-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. R. Muthammal, No. 3/830, Abdulla Rawther Lane, Melapallivasal Street, Paramakudi.

(Transferor)

(2) Smt. L. Saroja, Pandugudi Village, Thiruvadanai Ramnad Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1

Madras-60006, the 9th June 1980

Ref. No. 11 OCT/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old No. 1037 (New No. 14), situated at Lakshmipuram 7th Street, Madurai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at JSRO II Madurai (Ooc. No. 3836/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3836/79 J.S.R. II, Madural,

Land & Buildings at Door No. 1037 (New No. 14), Lakshmipuram 7th Street Madurai,

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 9-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. R. Muthammal, No. 3/830, Abdulla Rawther Lane, Melapallivasal Street, Paramakudi. Ramnad Dt.

(Transferce)

(2) Smt. L. Saroja Pandugudi Village, Thiruvadanai Toluk. Ramnad Dt.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 9th June 1980

Ref. No. 12/OCT/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 1037 (New No. 14), situated at Lakshmipuram 7th Street, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO II, Madurai (Doc. No. 3835/79) on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3835/79 JSRO II, Madural,

Land & Buildings at Door No. 1037 (New No. 14), Lakshmipuram 7th Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 9-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 9th June 1980

Ref. No. 36/OCT/79.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. New No. 6, situated at Second Line Beach, Madras-1, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at JSRO II Madras North (Doc. No. 4101/79) on October 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:—

- M/s. Marshall Sons & Co., (India) Ltd., No 6, Second Line Beach, Madrus-1.
- Burhani Estate,
 21-A, Errabalu Chetty Street,
 Madras-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4101 [79 ISRO II, Madras North,

Land & Buildings at Door No. (New) 6, Second Line Beach, Madras-600 001.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 9-6-1980.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006 the 9th June 1980

Ref. No. 71/OCT/79,-Whereas, f, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1, situated at Post Office Street, Madras-1,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at JSRO III Madras North (Doc. No. 3953/79) on October

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mill Stores Private Ltd., No. 15, Errabalu Chetty Street, Madres-600 001

(Transferor)

- (2) 1. Mr. K. Mohamad Yaseen @ K. S. K. Mohamed Yaseen Rowther.
 - Mrs. Saluha Bcevi -No. 2, River Street, Devakottal. (now at No. 28, Bussorah Street, Singapore).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3953/79 JSRO III, Madras North. Land & Buildings at Door No. 1, Post Office, Street, Madras-600 001.

> O. ANANDARAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 9-6-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Sulochanu, 40, Nagappa Iyer Street, Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

(2) Shri Fakhruddin Mohammed Ali & Smt. Fathima Bai. No. 8, Singanna Naicken Street, George Town, Madras-I.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

aMdras-600006, the 9th June 1980

Ref. No. 81/NOV/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. New No. 41, situated at Armenian Street, Madras-1, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at JSRO III Madras North (Doc. No. 4729/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4729/79 JSRO III, Madras North,

Land & Buildings at Door No. 41, Armenian Street, Madras-600 001.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-cax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 9-6-1980.

Seal:

28-156GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10443.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. T. S. 1/1402/1, situated at Krishnarayapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh at Coimbatore (Doc. 5162/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property are aforesaid.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Rajarajeswari Enterprises, 358, Vysial St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) K. Subbiah Naidu, Lakshmi Nivas Balasundaram Chettiar Road P. N. Palayam, Coimbatore-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. No. 1/1402/1, Krishnarayapuram. (Doc. 5162/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-II,
Madras-600 006

Date: 17-6-1980.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10443.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS 1/1402/1, situated at Krishnarayapuram (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5163/79) on October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Rajarajeswari Enterprises 358, Vysial St. Coimbatore-1.

(Transferor)

(2) K. Parthasarathy, P. Somasekaran 236, Thani Road, Udumalpet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in TS No. 1/1402/1, Krishnarayapuram (Doc. 5163/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, Madras-600006

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10443.—Whereas, I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS 1/1402/1, situated at Krishnarayapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5164/79) on October 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execteds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Rajarajeswari Enterprises 358, Vysial St., Coimbatore-1.

(Transferor)

(2) S. Devaraj. 68B, Race Course, Coimbatore-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land TS No. 1/1402/1, Krishnarayapuram. (Doc. 5164/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-II,
Madras-600 006,

Date-: 17-6-1980.

FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10428.—Whereas, I, Radha Balekrishnan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door Nos. 1 to 11, situated at S. No. 358 and 344 Melur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coonoor (Doc. 1152/79) on October 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Nilgiris Diocesan Society Bishop's House, Ootacamund.
- (2) Olands Estate Company, Ootacamund,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at R. S. No. 344 and S. No. 358 MeInr. (Doc. 1152/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-II,
Madras-600 006.

Date: 17-6-1980

(1) OR THE INCOME.

(1) The Nilgiris Diocesan Society Bishop's House, Ooty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Inlaks Shipping Co. Ltd. 86/87, Atlanta Nariman Point Bombay-400 021.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10428.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Palmyrah Estate, situated at Melur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coonoor (Doc. 1151/79) on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building known as Palmyrah Estate, Melur. (Doc. 1151/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10483.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing GS No. 312/1, at Kannampalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sulur (Doc. 10483/79) on October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mariammal, A. Soosal Raj A. Arputhaswamy, A. Selvamuthu Kannampalayam, Palladam Tk.

(Transferor)

(2) Mathi Yarns, 3, Jawans Bhavan, Municipal Tourist Bungalow Road, Coimbatore-641 018

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building GS No. 312/1, Kannampalayam, (Doc. 1587/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-II,
Madras-600 006.

Date: 17-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10441.—Whereas, I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 19/43.44, Big Bazaar St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5517/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) K. Shahul Hameed, (A) K. S. Hameed Banu Rice Mill, Athikode Palghat Dt.
 - (Transferor)
- (2) A. C. Kunjamathkutty P. Abdulla, P. K. Aaisoo 19/43.44, Big Bazaar St. Coimbatore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 19/43.44, Big Bazaar St., Coimbatore. (Doc. 5517/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-II,
Madras-600 006.

Date: 17-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 10441.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 19/43, Big Bazaar St., situated at Coimbatore, (and more fully described in the schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer hat Coimbatore (Poc. 5213/79) on October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nomely:—.

(1) K. Shahul Hameed, Banu Rice Mill Athikode, Kerala.

(Transferor)

(2) A. C. Kunjahamath Kutti P. Abdulla P. K. Aaisoo 19/43.44, Big Bazaar St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 19/43, Big Bazaar St., Coimbatore, (Doc. 5213/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 17-6-1980

(1) B. Ramanatha Davey Mrs. R. Janaki Bai, 6, Jagadambal Colony, Madras-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. Krishnamurthy & K. Sundari 331, Lloyds Road, Madras-14.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madra-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 7524.—Whereas, I. Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6, Jagadambal Colony, situated at Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mylepore (Doc. 1688/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the wansfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 6, Jagadambal Colony, Madras-14. (Doc. 1688/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date-: 17-6-1980

FORM ITNS ----

(1) G. N. Rajalakshmi 121, Sterning Road, Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madico-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 7667.—Whereas, I. Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/16, Sterling Road, situated at Madras-34 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 4195/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 R. Ramachandran, 29, Saravana Mudaliar St., Madras-17.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1/16, Sterling Road, Madras-34, (Doc. 4195/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 17-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 7692.—Whereas, J. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11, II St., Gopalapuram, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Mylapore (Doc. 1777/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. M. Chellam & C. Seetharaman No. 11, II St., Gopalapuram, Madras-86.

(Transferor)

(2) Mrs. Dayavathi & Prabhakaran 45, Edward Efliots Road Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XIII ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 11, II St., Gopalapuram, Madras. (Doc. 1777/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-6-1980

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madres-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 7695 .- Wherens, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, Cross St., Pooram, situated at Prakasa Rao Road, Balaji Nagar, Madras-14 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1809/79), on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 D. Rajondra Babu, 162, Llyods Road, Gopalapuram, Madras-86

(Transferor)

(2) Mrs. Jainubi, Mrs. Kathejama Mrs. Noorjahan, 13, Pooram Prakasha Rao Road, Balaji Nagar, Madras-14.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid ersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15, Cross St., Poorem Prakash Rao Road, Balaji Nagar, Madras-14.
(Doc. 1809/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras 600 006

Date: 17-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madres-600 006, the 17th June 1980

Ref. No. 7699.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

56, Luz Church Roud, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Mylapore (Doc. 1830/79) on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. R. Kamakohi (Alias) R. K. Nathan Mrs. R. Sulochana Mrs. R. Neela Mrs. S. Sarojini

56, Luz Church Road, Madras-4

(Transferor)

(2) M/s Mahalakshmi Chambers 121, Mount Road, Madras-6

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actional shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 56, Luz Church Road, Madras-4. (Doc. 1830/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 17-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) A. T. Pichaimuthu Chettiar Narasimhapuram, Karur Rajammal W/o A. T. Pichaimuthu Chittiar Narasimhapuram, Karur Sheatha W/o Govindaraju Narasimhapuram, Karur

(Transferor)

(2) S. P. Samiyathal W/o Palauiswamy Annanagar, Karur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 17th June 1980

Rcf. No. 8797.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. 1216/1, situated at E. V. R. Road, Karur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karur (Doc. 4080/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at TS No. 1216/1, E. V. R. Road, Karur.
(Doc. 4080/79).

THE SCHEDULE

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11, Madras-600006

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely :-

Date: 17-6-1980

